



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 16, 1980 (माघ 27, 1901)  
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 16, 1980 (MAGHA 27, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हालरिथ) को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-12-1979 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री जे० एल० कपूर
2. कुमारी संतोष हांडा।

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा डम कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुसंधान सहायकों (हिन्दी) को 3-12-1979 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी)

1-456GI/79

के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं:—

1. श्रीमती सुधा भार्गव
2. श्री चन्द किरण
3. श्री जे० एन० एस० त्यागी।

सं० ए० 32016/2/78-प्रशा०-II—श्रीमती राजकुमारी आनन्द, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं० एवं सांख्यिकी) को अवकाश प्रदान विये जाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर सं० लो० से० आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (अनुसं० एवं सांख्यिकी) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री राम सिंह को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 3-12-1979 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अनुसं० एवं सांख्यिकी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

(1757)

दिनांक 24 दिसम्बर 1979

सं० ए० 31013/1/79-प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-12-1979 के अधि-क्रमण में पश्चिम बंगाल कृषि सेवा (प्रशासनिक) के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 17-11-1969 से वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बंगला) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० गुह को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 28-8-1979 से उसी पद अर्थात् वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (बंगला) के पद पर मूल रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-11-1979 के अनुक्रम में सैन्य भूमि एवं छावनी सेवा की अधिकारी श्रीमती बीना मंजा की नियुक्ति को राष्ट्रपति द्वारा 24 नवम्बर, 1979 से आगामी आदेश की अवधि तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर चालू रखने का आदेश दिया जाता है।

दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० पी० /271-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-3-79 और 17-9-79 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर श्री एस० पी० चक्रवर्ती के निवर्तन के बाद पुनः नियुक्ति गृह मंत्रालय, कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग की उनके पत्र सं० 39017/16/79-स्था० (ख) दिनांक 24-12-79 द्वारा प्रेषित सहमति से 1-1-80 से 31-3-80 तक और आगे जारी रखी गई है।

दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/11/1/79-प्रशा०-I(i)—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है :—

| क्र० सं० | नाम   | अवधि                    |
|----------|---|-------------------------|
| 1        | 2   | 3                       |
| सर्वश्री |   |                         |
| 1.       | बी० बी० मेहरा, के० सं० स्टे० से० का ग्रेड-क अधिकारी | 22-10-79 से 21-1-80 तक। |
| 2.       | बी० एस० कपूर, अनुभाग अधिकारी                        | 13-10-79 से 12-1-80 तक। |

| 1  | 2   | 3                       |
|----|---|-------------------------|
| 3. | आर० एन० खुराना, अनुभाग अधिकारी                        | 21-11-79 से 20-2-80 तक। |
| 4. | जे० पी० गोयल, अनुभाग अधिकारी                          | 3-12-79 से 29-2-80 तक।  |
| 5. | ए० ए० गणपति राम, के० सं० स्टे० से० का ग्रेड-क अधिकारी | 5-11-79 से 20-12-79 तक। |

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है :—

| क्र० सं० | नाम   | अवधि                     |
|----------|---|--------------------------|
| सर्वश्री |   |                          |
| 1.       | पी० सी० माथुर, अनुभाग अधिकारी                       | 23-10-79 से 22-1-80 तक।  |
| 2.       | टी० एम० कोकिल, के० सं० स्टे० से० का ग्रेड-क अधिकारी | 24-11-79 से 24-12-79 तक। |
| 3.       | एस० श्रीनिवासन, अनुभाग अधिकारी                      | 24-11-79 से 2-1-80 तक।   |
| 4.       | डी० पी० राय, अनुभाग अधिकारी                         | 6-11-79 से 26-12-79 तक।  |

एस० बालचन्द्रन  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

## केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० 10 आर० सी० टी० 3—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री जे० के० बघरा, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय सतर्कता आयोग में तकनीकी परीक्षक के पद पर 14-1-1980 (अपराह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मलहोत्रा  
अवर सचिव  
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

## गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए०-2/69-प्रशा०-5—अपने मूल विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, तमिलनाडु सरकार के अधिकारी श्री ए० वी० गोपालाकृष्णन ने दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न में वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० जी०-3/71-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री जी० आर० श्रीनिवासन, लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, मद्रास को दिनांक 2-1-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रोन्नति पर तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० आर०-93/66-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से महाराष्ट्र पुलिस सेवा के अधिकारी श्री आर० के० शुक्ला को दिनांक 25-10-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थापनापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० सा० ग्रोवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक जनवरी 1980

सं० पी० सात-2/79-स्थापना—श्री ज्ञान चन्द शर्मा, कार्यालय अधीक्षक को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तदर्थ रूप में दिनांक 7-1-80 (पूर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

बाल कृष्ण,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० बी० (73)/प्रशा०-II—मुद्रण निदेशक ने कैप्टन टी० के० बालाकृष्णन को भारत सरकार मुद्रणालय, प्रकाशन एकक, सत्तागाभी हवड़ा में सुरक्षा अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में स्थापनापन्न रूप में 24 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

मदन मोहन जोशी,  
उप निदेशक (प्रशासन)

## वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-12-79 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किवे, लेखा अधिकारी की नियुक्ति 31-3-80 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम  
महाप्रबन्धक

सरकारी व्यय सम्बन्ध आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 1(3)-ए०/सी० पी० ई०/79—राष्ट्रपति, योजना आयोग के अवकाश प्राप्त उप-सचिव, श्री के० एच० रामानाथन को 28 दिसम्बर, 1979 दोपहरपूर्व से 31 मई, 1980 तक वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के अधीन सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 1(3)-ए (5)/सी० पी० ई०/80—श्री के० एच० रामानाथन जो कि सरकारी व्यय संबंधी आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, वित्त मंत्री के निजी सचिव चुने जाने पर उनका नाम इस आयोग से दिनांक 14 जनवरी, 1980 से काट दिया गया है।

जगन्नाथ कौल,  
अवर सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 191/सी० एफ० I/24-70—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निर्देशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा नई दिल्ली कार्यालय में कार्यरत श्री बी० डी० शर्मा लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० एस० ग्रोवर,  
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० प्रशा० I/ओ० ओ०-556/5-12/79-80/2072—निदेशक लेखापरीक्षा एतद्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित

कृते लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थाई रूप से लेखापरीक्षा अधिकारी के स्थाई पदों के लिये उनके नाम के समक्ष दी गयी तिथि से रु० 840-1200 के समय वेतनमान में नियुक्त किया जाता है :—

| नाम              | ले० प० अधि० | 1-3-79 को पदक्रम के रूप में स्थाई सूची के अनुसार बरिष्ठता होने की तिथि  |
|------------------|-------------|---|
| <b>सर्वश्री</b>  |             |   |
| 1. एस० के० जैन   | 1-6-75      | श्री के० एल० ठाल, ले० प० अधि० (क्र० सं० 16-पू० 3) की कोटि से नीचे।      |
| 2. सी० पी० खन्ना | 1-8-76      | श्री एच० एस० रेखी, ले० प० अधिकारी, (क्र० सं० 17-पू० 3) की कोटि से नीचे। |
| 3. एन० बी० बंसिल | 1-7-77      | श्री बी० पी० जैन, ले० प० अधिकारी, (क्र० सं० 13-पू० 5) की कोटि से नीचे।  |
| 4. एफ० सी० गोयल  | 14-6-79     | श्री डी० डी० गुगलानी, ले० प० अधि० (क्र० सं० 28-पू० 6) की कोटि से नीचे।  |

को० टि० छाया  
संयुक्त निदेशक, ले० प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय,

हैदराबाद, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० प्रशा० 1/8.132/79-80/318—श्री एम० राम-स्वामी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश II सेवा से निवृत्त हुए दि० 31-12-79 अपराह्न।

रा० हरिहरन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)  
आंध्र प्रदेश

बेंगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० स्था० I/ए०-4/79-80/929—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न स्थाई अनुभाग अधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस

पद का कार्य भार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री

1. बी० के० शिवरामय्या
2. आर० एन० इनामदार

ये पदोन्नत सन 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सौन्दरराजन  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)  
कर्नाटक

इलाहाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० प्रशा०-1/11-144/अधि०/323—महा लेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

1. श्री चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव—31-12-79 अपराह्न
2. श्री राय बागम्बरी प्रसाद—31-12-79 ,,
3. श्री श्याम सुन्दर सिंह—1-1-80 पूर्वाह्न
4. श्री प्रभु नारायण श्रीवास्तव—31-12-79 अपराह्न
5. श्री तुलसी राम अग्रवाल—31-12-79 ,,
6. श्री कृष्ण लाल भोला—31-12-79 ,,
7. श्री राम किशोर मेहरा—31-12-79 ,,

एम० एम० दत्ता  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)  
उत्तर प्रदेश

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान

मेरठ, दिनांक 18 जनवरी, 1980

सं० प्रशा०/एकम०-14/शि०/म०क्षे०/59—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं इस अधिसूचना के द्वारा श्री राधेश्याम, अस्थायी लिपिक, लेखा संख्या 8313002 जो रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ के कार्यालय में कार्यरत हैं, को नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवाये इस नोटिस प्रकाशन तिथि या इसकी प्राप्ति की तिथि के एक मास बाद की तिथि से समाप्त समझी जाएंगी।

बी० एन० रत्नन,  
रक्षा लेखा नियंत्रक  
मध्य कमान, मेरठ



कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 18342/प्रशासन I/(स्तर-II)/78—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर II (रू० 2250-125/2-2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये उनके सामने दर्शायी गई तारीख से तदर्थ आधार पर एक वर्ष की अवधि, अथवा नियमित व्यवस्था किए जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं० अधिकारी का नाम तारीख जिस दिन से नियुक्ति हुई है

1. श्री बी० एन० रत्न—11-12-79 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर० एन० त्यागी—12-11-79 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० पी० राव—03-12-79 (पूर्वाह्न)

दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० 71019(11)/79/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सन 1978 में ली गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर, निम्नलिखित व्यक्तियों को, रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन रूप में उनके समक्ष दर्शायी गई तारीखों से, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं० नाम नियुक्ति की तारीख

1. श्री राजेश्वर कुमार आनन्द—12-7-79 (पूर्वाह्न)
2. श्री मरय नारायण मिश्रा—21-11-79 (पूर्वाह्न)
3. श्री सतीश कुमार डोगरा—19-12-79 (पूर्वाह्न)
4. श्री अरविन्द राणा—12-11-79 (पूर्वाह्न)
5. श्री श्याम लाल सिंगला—12-7-79 (पूर्वाह्न)
6. कुमारी रंजना गांगुली—19-11-79 (पूर्वाह्न)
7. कुमारी शोभाना तिवारी—17-11-79 (पूर्वाह्न)
8. श्री त्रिलोक चन्द्र मोर्य—14-7-79 (पूर्वाह्न)
9. श्री पारस राम—13-11-79 (पूर्वाह्न)
10. श्री प्रेम लाल—12-11-79 (पूर्वाह्न)
11. श्री प्रभु दयाल सीना—24-11-79 (पूर्वाह्न)

के० पी० राव  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक, (प्रशा०)

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण स्थापना

सं० 1/2/79-प्रशा० (राज०)/541—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की अनुभाग अधिकारी वर्ग की स्थाई अधि-

कारी कुमारी प्रतिभा श्रीवास्तव को उसी सेवा के वर्ग-I में 23-8-79 से 29-2-1980 तक की अवधि के लिये या जब तक नियमित अधिकारी नियुक्त न हो, इनमें जो भी पहले हो उस तक के लिये स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, कुमारी प्रतिभा श्रीवास्तव को उपर्युक्त अवधि के लिये मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सी० एस० आर्य  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कुल मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० 12(666)/70-प्रशा० (राज०)—उड़ीसा सरकार के जिला उद्योग केन्द्र के योजना कक्ष में विशेष अधिकारी नियुक्त हो जाने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के उप निदेशक (आ० अ०)—श्री बी० के० महापात्र ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018(399)/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, जो विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) श्री पी० एन० माजी का त्यागपत्र दिनांक 31 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से मंजूर करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त  
उपनिदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ई० एस० टी० 1-2(700)/266—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नान-टक्नीकल) श्री चित्तरंजन बोस सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

जो० चं० हांसदाक  
उपनिदेशक (प्रशा०)

बम्बई-20, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ई० एस० टी० 1-2(704)/277—श्रीमान राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिकी सेवा के प्रथम श्रेणी अधिकारी, श्री म० वा० चेंबुरकर को 10 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न

से अन्य आदेश होने तक वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में संयुक्त वस्त्र आयुक्त (आर्थिकी) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी० 1-(452)/283—श्रीमान राष्ट्रपति, श्री एम० मबुरे नायगम, सलाहकार (सई) को 26 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में अपर वस्त्र आयुक्त के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी०-1-2(333)289—श्रीमान राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के निदेशक श्री एच० रामकृष्ण राव को 28 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में औद्योगिक सलाहक एवं पदेन संयुक्त वस्त्र आयुक्त के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० सी० सुवर्णा,  
वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्र०-1 अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० प्र-1/1(1109)—निदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री आर० पी० भट्टाचार्य निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 दिसम्बर 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० प्र-1/42(34)—राष्ट्रपति, स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) तथा स्थानापन्न अपर महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा में अधिसमय मान पद) श्री जे० सी० भण्डारी को दिनांक 1-5-79 से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा का अधिसमय मान पद) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(1054)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री देव राज की अवर प्रगति अधिकारी के पद पर अवनति होने पर उन्होंने 11-1-80 के अपराह्न से अपना पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-1/1(1086)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड I) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड (III) श्री एन० के० माथुर का त्यागपत्र दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं। तदनुसार श्री एन० के० माथुर दिनांक 31-12-1979 के अपराह्न से इस महानिदेशालय की सूची में नहीं रहे हैं।

सं० प्र०-1/1(1147)/80—राष्ट्रपति इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1978 के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री सुशील कुमार अग्रवाल को दिनांक 1-1-80 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड I) (परीक्षण आरक्षी) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० प्र०-1/1(1050)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा अवर प्रगति अधिकारी श्री एस० नागराजन को दिनांक 11-1-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में श्री एस० नागराजन की पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर होगी और उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

सं० प्र०-1/1(1149)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में अवर क्षेत्राधिकारी (मुकदमा) श्री बी० सी० मुखर्जी को 8-1-1980 के अपराह्न से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बी० सी० मुखर्जी की सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी और वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था से उन्हें भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० प्र०-1/42(34)—राष्ट्रपति, स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) तथा स्थानापन्न उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा में अधिसमय मान पद) श्री बी० आर० आर० आरंगर को दिनांक 1-10-78 से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा का अधिसमय मान पद) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए०-17011/44/72-प्र०-6—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थाई भण्डार परीक्षक, (वस्त्र) और

स्थानापन्न सहायक निरीक्षक अधिकारी (वस्त्र) श्री बी० पी० चक्रवर्ती निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-12-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० ए० 17011/157/79-प्र० 6—राष्ट्रपति ने वस्त्र आयुक्त, बम्बई के कार्यालय के सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री डी० सी० दास के संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर 1-1-1980 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए वस्त्र शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

के० किशोर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 729 बी०/ए०-19012 (ए० सी० ए० ओ०-एस० आर० सी०)/79-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखाकार (तदर्थ) श्री सुख रंजन चक्रवर्ती को सहायक लागत लेखा अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 5 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

बी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० ए०-19012(119)/79-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, श्री के० टी० लुईस, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 29-12-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक इस विभाग में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० 5-ए० 19011(263)/70-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर नीचे दर्शाये गये स्थाई सहायक खनन अभियन्ता को भारतीय खान ब्यूरो से सहायक

खान नियंत्रक के पद पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से पदोन्नति प्रदान की गई है:—

- |                              |                         |
|------------------------------|-------------------------|
| 1. श्री के० एस० कृष्णामूर्ति | 14-12-79<br>(अपराह्न)   |
| 2. श्री के० एम० प्रह्लाद     | 12-12-79<br>(अपराह्न)   |
| 3. श्री सी० अस्वथनारायण      | 14-12-79<br>(अपराह्न)   |
| 4. श्री आर० राधाकृष्णा       | 26-12-79<br>(पूर्वाह्न) |

एस० बालागोपाल  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

(कोयला विभाग)

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक जनवरी 1980

सं० प्रशासन 12(1)/79—श्री ए० एन० गुप्ता, जो कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के स्थाई कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) हैं, दिनांक 10-12-1979 (पूर्वाह्न) से सहायक अभियन्ता (विद्युत) के पद पर पदोन्नत किये जाते हैं और कल्याण कार्य प्रभाग नं०-1, धनबाद के अधीन पदस्थापित किये जाते हैं।

टी० सी० के० लोथा  
कोयला खान कल्याण आयुक्त

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० ए० 19012/6/79-एस० 2—महानिदेशक, दूरदर्शन, आकाशवाणी इलाहाबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० के० चक्रवर्ती को दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ में रु० 650-1200 के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ) के पद पर 29-1-1979 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ के प्रशासनिक अधिकारी (वरिष्ठ) श्री ए० के० चक्रवर्ती निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सी० एल० आर्य  
उप महानिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

दिनांक 25 जनवरी 1980

## फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 19012/1/80-सिम्बन्दी 1:—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने पोस्ट और तार कार्यालय के इंस्पेक्टर श्री एन० टी० बोर्स को फिल्म प्रभाग, बम्बई में दिनांक 5-1-1980 के पूर्वाह्न से डेपूटेशन आधार पर कल्याण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

सं० ए० 12023/2/79-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सी० विठ्ठल को 28 दिसम्बर, 1979 अपराह्न से आगामी आदेशों तक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिन्डी, मद्रास में प्रशासनिक अधिकारी (ए० ओ०) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

## विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 35021/1/77-स्था०—श्री जी० के० गुगलानी, स्थाई वरिष्ठ आर्टिस्ट, जो इन्टर नेशनल क्रॉस रिसर्च इंस्टी-ट्यूट थार दि सेमि एरिड ट्रापिक्स, हैदराबाद में प्रतिनियुक्त हैं का इस निदेशालय के वरिष्ठ आर्टिस्ट पद से त्यागपत्र 16 मई, 1979 से स्वीकार किया जाता है।

जनकराज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार (निदेशक)

## ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

## विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए० 19025/34/79-प्र० तू०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग बी) की संस्तुतियों के आधार पर निम्नलिखित वरिष्ठ निरीक्षकों को अगले आदेशों तक इस निदेशालय में उनके समक्ष दर्शित स्थान पर एवं दिनांक से स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है :—

|                                 |                                    |
|---------------------------------|------------------------------------|
| 1. श्री पी० सूर्यनारायणा मूर्ति | 31-12-79 गन्दूर<br>(पूर्वाह्न)     |
| 2. श्री के० रामा राव            | 4-1-80 चिलकालूरपेट<br>(पूर्वाह्न)  |
| 3. श्री ० मोहन नायडू            | 28-12-79 मद्रास<br>(पूर्वाह्न)     |
| 4. श्री के० एम० नारायणा मूर्ति  | 2-1-80 बंगलौर<br>(पूर्वाह्न)       |
| 5. श्री ए० एम० गोपीनाथ          | 2-1-80 सूरत<br>(पूर्वाह्न)         |
| 6. श्री मदन लाल मीना            | 29-12-79 अमृतसर<br>(पूर्वाह्न)     |
| 7. श्री आर० पी० जयसवाल          | 2-1-80 बम्बई<br>(पूर्वाह्न)        |
| 8. श्री एम० जे० डेक्स           | 2-1-80 मद्रास<br>(पूर्वाह्न)       |
| 9. श्री के० एम० बालाकृष्णन      | 2-1-80 बोदीनायकानूर<br>(पूर्वाह्न) |
| 10. श्री एस० सी० हलदर           | 29-12-79 कलकत्ता<br>(पूर्वाह्न)    |
| 11. श्री एच० एन० सिंह           | 2-1-80 पटना<br>(पूर्वाह्न)         |

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० सं० ए० 12025/2/79-स्टोर-1—राष्ट्रपति ने फेक्टरी प्रबन्धक श्री सुमीर चौधरी को 27 दिसम्बर, 1979 से छः महीने की अवधि के लिये सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, हैदराबाद में उप सहायक महानिदेशक (चिकित्सा सामग्री) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल  
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर्ज)

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1980

सं० ए० 12025/18/79-(एफ० आर० एल० एल०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने खाद्य अनुसन्धान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद के कनिष्ठ विश्लेषक श्री विजय कुमार ढींगरा को 28 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

खाद्य अनुसन्धान और मानकीकरण प्रयोगशाला गाजियाबाद में श्री विजय कुमार ढींगरा की वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 28 दिसम्बर, 1979 (अपराह्न) से उक्त संस्थान से कनिष्ठ विश्लेषक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 29 जनवरी 1980

अन्तरिक्ष विभाग

सं० ए० 19024/6/78-पू० तू०—इस निदेशालय के आधीन नागपुर में सहायक निदेशक (सामान्य रसायन) के पद पर पदोन्नत होने के फलस्वरूप श्री बी० ए० सरनोबत ने दिनांक 17-12-1979 के अपराह्न में बम्बई में मुख्य रसायनज्ञ का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० एल० मनितार  
प्रशासन निदेशक  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 16 जनवरी, 1980

सं० पी० ए०/61(13)/79-भर्ती-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के उप अधिकारी, श्री पलक्कपराबिल वेलाण्ड नारायणन् को स्टेशन आफिसर के पद पर, 4 जनवरी, 1980 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक, तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० एस० विक्षित  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 जनवरी 1980]

सं० डी० पी० एस०/2/1(8)/79-प्रशासन/30—श्री टी० एस० बी० अटयर, स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी और स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-II का तबादला रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र, बलपाक्कम से होने पर, उन्हें 30 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये क्रय एवं भंडार निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में उसी पद पर नियुक्त किया गया है।

के० पी० जोसफ  
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 25 जनवरी 1980 ]

सं० 05000/जे०-6/462—भारी पानी परियोजना (कोटा) के श्री जवाहरलाल जैन, अस्थायी प्राशुलिपिक (वरिष्ठ), 9 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में आगे आदेश होने तक के लिये सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं।

के० शंकरनारायणन  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी  
कृते विशेष कार्य अधिकारी

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० 10/5(15)/79-सि० ई० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के तकनीकी सहायक-सी, श्री अरविन्द माधव कोल्गे, जो कि इस समय आन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, भद्रमदाबाद के इंजीनियरी अनुरक्षण प्रभाग में कार्य कर रहे हैं, की इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नत करते हैं और उन्हें उसी प्रभाग में कार्य करने के लिये तैनात किया गया है।

एच० एम० रामवास  
प्रशासन अधिकारी-I

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/17/78-ई० ए०—राष्ट्रपति जी ने श्री एच० सी० मलिक, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को दिनांक 9 जनवरी, 1980 से छः मास की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो पहले हो, तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। श्री मलिक को सिविल विमानक्षेत्र, अमृतसर में तैनात किया जात है।

॥ विश्वविनोद जीहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/1/79-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को 17 सितम्बर, 1979 से अन्य आदेश होने तक तदर्थ आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं:—

| क्रम सं० | नाम                   | तैनाती स्टेशन         |
|----------|-----------------------|-----------------------|
| 1.       | श्री धर्मपाल          | दिल्ली एयरपोर्ट, पालम |
| 2.       | श्री एम० एम० भारद्वाज | दिल्ली एयरपोर्ट, पालम |

विश्वविनोद जीहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/4/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तीन संचार सहायकों का प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिये गये स्टेशनों पर तैनात किरते हैं:—

| क्रम सं०             | नाम                           | मौजूदा तैनाती स्टेशन        | किस स्टेशन पर तैनात किया गया | कार्यभार संभालने की तारीख |
|----------------------|-------------------------------|-----------------------------|------------------------------|---------------------------|
| <b>सर्वश्री</b>      |                               |                             |                              |                           |
| 1. जे० एस० अग्रस्तस  | नागर विमानन बै० सं०           | प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद | स्टेशन मद्रास (पूर्वाह्न)    | 12-12-79                  |
| 2. आर० वै० कटेश्वरलू | वै० सं० स्टे- ज्ञान, गोहाटी   | वै० सं० स्टे- ज्ञान, गोहाटी | (पूर्वाह्न)                  | 12-12-79                  |
| 3. एम० नटराजन        | वै० सं० स्टे- ज्ञान, पोरबन्दर | वै० सं० स्टे- ज्ञान, नागपुर | (पूर्वाह्न)                  | 22-12-79                  |

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने नाम के सामने दिये गये स्टेशनों पर और दी गई तारीख को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

| क्रम सं०              | नाम व पदनाम                        | तैनाती स्टेशन                     | कार्यभार त्यागने की तारीख |
|-----------------------|------------------------------------|-----------------------------------|---------------------------|
| 1. श्री के० जी० राधवन | वैमानिक संचार सहायक तकनीकी अधिकारी | वैमानिक संचार स्टेशन त्रिवेन्द्रम | 31-12-79 (अपराह्न)        |
| 2. श्री दलीप सिंह,    | सहायक संचार अधिकारी                | वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली   | 31-12-79 (अपराह्न)        |

आर० एन० वास  
महायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० ए० 12025/3/71-ई० I—इस कार्यालय की दिनांक 5 जुलाई, 1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-

ई०-1 के क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कृष्ण कुमार शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 31-12-79 के आगे छः माह के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

चित्तरंजन कुमार वर्मा  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादक शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

गुंटूर-522004, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० सि० सं०/IV/16/46/79-ए० डि० जे०—कृपया तारीख 23 अक्टूबर, 1979 बॉर्ड के पत्र मिसिल संख्या 207/43/79-कें० उ० का० 6 की ओर ध्यान दीजिये जिसकी एक प्रति आपको पृष्ठंकित की गई थी।

भारत के राजपत्र के भाग III धारा 1 में प्रकाशन के लिये, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और लवण अधिनियम 1944 और उसके अन्तर्गत बनाये गये नियमों के अधीन विभागीय कार्यवाही में दोरी ठहराये गये या दण्डित किये गये व्यक्तियों के नाम और अन्य विवरण भेजे जा रहे हैं:—

(क) अधिनियम के धारा 9 के अधीन अदालत द्वारा अपराधी ठहराये गये व्यक्ति:—

व्यक्ति का नाम और सि० सि० संख्या अपराध नियर्ण के विवरण पता

|                      |         |  |
|----------------------|---------|--|
| <b>सर्वश्री</b>      |         |  |
| 1. टि० निम्नय्या, यल | 109/75  | 50 रुपये भदा करना एक 5 संख्या 2/78, बोम्बिलि     |
| 2. थम० सत्यनारायण    | 108/75  | —यथोपरि—   |
| 3. बि० वि० रमण       | 110/75  | —यथोपरि—   |
| 4. टि० बि० सुन्न-    | 1862/76 | 500 रु० भदा करना मण्यम, यल-5 संख्या 2/74, पालकोल |
| 5. सि० सूर्याराव,    | 157/76  | 1000 रु० जुर्माना भदा करना। कुस्ला               |
| 6. सि० बि० यन०       | 157/76  | 500 रु० जुर्माना भदा प्रसाद, कुस्ला              |

(ख) वे व्यक्ति, जो अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए अधिनियम के धारा 33 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा पकड़े गये और जिन पर ऐसे अधिकारी द्वारा दस हजार या उससे ज्यादा जुर्माना लगाया गया।

### उपनियम (I) में उल्लिखित अन्य विवरण

|  |   |                               |   |  |
|--|---|-------------------------------|---|--|
| व्यक्ति का नाम और पता/<br>कम्पनी या फर्म | अधिनियम के उपबन्ध और<br>उसके अन्तर्गत बनाये गये<br>नियम जिनका उल्लंघन किया<br>गया | लगाया गया<br>जुर्माने की राशि | कर लगने योग्य<br>वस्तुओं का मूल्य<br>या अन्य जायदाद<br>जिसको अधिनियम<br>के धारा 10 के<br>अधीन दण्ड रूप में<br>लेने के लिये अदा-<br>लत द्वारा आदेश<br>दिया गया है अधि-<br>नियम के धारा 33<br>में उल्लिखित<br>अधिकारी द्वारा जस्त<br>किया गया है। | अधिनियम के नियम 181<br>धारा 31 के अधीन र<br>अधीन सर्वस्व किये गये<br>अपहरण के लाइसेंसों का<br>स्थान पर विवरण<br>लगाई गई<br>जुर्माने की<br>राशि |
|--|---|-------------------------------|---|--|

| 1   | 2(क)   | 2(ख)       | 2(ग)  | 2(घ)  | 2(ङ)  |
|---|--|------------|-------|-------|-------|
| 1. सर्वश्री गुंटूर जिला मिल्क प्रोड्यूसर्स को यूनियन लिमिटेड फीडर बालन्सिंग डेरी, यल० 4 संख्या 1/77 (कुड प्राइ-वटस), वडलमूडि, तैनालि (तालुक), गुंटूर जिला (ओ० प्र०) (ओ० आर० संख्या 17/यम० पि० 77/ए० डिजे) | नियम 173-ख (2) ग(2क), 173 (ब) 9(1), 173 (छ) (4) और 173(छ)(2) केन्द्रीय उत्पादक शुल्क के नियम | 50,000 रु० | शून्य | शून्य | शून्य |
| 2. सर्वश्री पेपर इंजीनीरिंग सर्विसस, प्राइवेट लिमिटेड, यल० 4, संख्या 2/78(ए० 43 और 48 (ओ० जियम इ मस), विजयवाडा, कृष्णा जिला, (आन्ध्र प्रदेश) (ओ० आर० संख्या 9/यम० पि० 78/ए० डि० जे०)                      | केन्द्रीय उत्पादक शुल्क के नियम 9(1), 173-पि० पि०, 174, 43 और 48                             | 10,000 रु० | शून्य | शून्य | शून्य |

सी० भुजंगस्वामी,  
समाहर्ता

## केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहृतलय

भुवनेश्वर, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 7/79:—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क के भुवनेश्वर कार्यालय में स्थापित हुए निम्नलिखित आफिसरों इस विभाग से अवसर लिये।

| अफिसरों के नाम                         | अवसर लेने तारीख |
|--|-----------------|
| 1. श्री भोलानाथ मिश्र अधीक्षक          | 31-5-79         |
| 2. श्री कन्देरीचरण महापात्र अधीक्षक    | 31-5-79         |
| 3. श्री नरसिंह मिश्र अधीक्षक           | 31-5-79         |
| 4. श्री वीरभद्र बल अधीक्षक             | 30-6-79         |
| 5. श्री बान्छानिधि मिश्र               | 31-8-79         |
| 6. श्री जुगल किशोर घोस प्रशासन अधिकारी | 31-10-79        |

सं० 8/79:—पदोन्नति होने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क भुवनेश्वर में निम्नलिखित निरीक्षकों (सीनियर ग्रेड) स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क (श्रेणी ख) पदवी का कार्यभार ग्रहण किये।

| अफिसरों का नाम          | कार्यभार ग्रहण की तारीख |
|-------------------------|-------------------------|
|                         | (एफ०एन०)                |
| 1. श्री बिस्वनाथ सेठि   | 6-6-79                  |
| 2. श्री एन० वि० एन० राउ | 27-6-79                 |
| 3. श्री फनसीस लाकौ      | 31-7-79                 |
| 4. श्री नटवर दास        | 13-9-79                 |

एच० सुमखो थांगू  
समाहृत

## महानिदेशक निर्माण

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 27-एस०/के० (3)/69 ई० सी० II:—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अस्थाई अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) श्री बी० जी० खूबचन्दानी (जोकि इस समय अवकाश पर हैं) के सेवा से निवृत्त होने के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री खूबचन्दानी 26-1-1980 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो जायेंगे।

मु० सू० प्रकाश राव  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक (निर्माण)

## विधि, व्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम (1956 और कैलाश फार्मोन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2403/813:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैलाश फार्मोन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी०जी० स्टेन्डर्ड टूलज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2779/815:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बी० जी० स्टेन्डर्ड टूलज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर दी जायेगी।

सत्य प्रकाश तायल,  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स स्टोर्स डाइज एण्ड केमीकल्स लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 560/598:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स स्टोर्स डाइज एण्ड केमीकल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स पी भावनगर, पब्लिक डेरी लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 560/721:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स पी भावनगर, पब्लिक डेरी लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित्त हो गई है।



कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स शुभदर्शिनी प्रिन्टर्स एण्ड एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 560/2337:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स शुभदर्शिनी प्रिन्टर्स एण्ड इन्टर-प्राइजेज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा,  
प्रमण्डल पंजीयक, गुजरात राज्य,  
अहमदाबाद,

कम्पनी अधिनियम 1956 और पदमसेल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3081/960:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पदम सेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एन० एन० मौलिक,  
[कम्पनी रजिस्ट्रार,  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़]

कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ  
(आयकर)

लखनऊ, दिनांक 21 नवम्बर 1979

सं० 168:—कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) मुरादाबाद के रूप में एक नये प्रभार का गठन मुरादाबाद में किया जाता है।

2. यह आदेश 21-11-1979 से प्रभावी है।  
शिविर मुरादाबाद

आदेश

लखनऊ, दिनांक दिसम्बर, 1979

क्षेत्राधिकार-आयकर अधिनियम 1961, धारा 124(1) और (2)—आयकर कार्यालय वृत्त II मुरादाबाद।

सं० 81(सी०)(II)/78-तकनीकी:—पृष्ठांकन 81(सी०)(14)/77 तकनीकी, दिनांक 3-1-78 के अन्तर्गत जारी किये गये 31-12-77 वाले इस कार्यालय आदेश में, जिसे उक्त पृष्ठांकन संख्या दिनांक 7-12-79 के अन्तर्गत जारी 5-12-79 वाले कार्यालय आदेश द्वारा संशोधित किया गया

है, आंशिक तस्मीम किया जाता है। निम्नलिखित मद को ए० वार्ड वृत्त II, मुरादाबाद (जो पहले बी वार्ड, मुरादाबाद था) के आयकर अधिकारी के क्षेत्राधिकार (कालम 5) में जोड़ा जायेगा।

“(5) ऐसी सभी व्यक्ति/व्यक्ति वर्ग जिनकी पिछली अन्तिम निर्धारित आय तारीख 30-11-79 तक निर्धारण हेतु अनिर्णीत पड़ी विवरणी की आय 5 लाख रुपये या उससे भी अधिक है और जिनका निर्धारण कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124(3) के प्रावधानों के अन्तर्गत आयकर आयुक्त, लखनऊ प्रभार के अल्मोड़ा, बिजनौर, चमोली, मुरादाबाद, पौड़ीगढ़वाल, पिथौरा गढ़, रामपुर के जिलों में स्थित है।”

“(6) लिमिटेड कम्पनियां जो मद संख्या (5) के अन्तर्गत आती है, के अध्यक्षों प्रबन्धनिदेशकों, निदेशकों और प्रबन्धकों के सभी मामलों।

(7) किसी फर्म जो उक्त मद संख्या (5) के अन्तर्गत आती है, के साझेदारों के मामले।”

2. यह आदेश 15-12-79 से प्रभावी है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1979

आयकर अधिनियम, 1961 धारा 125-ए के अन्तर्गत आयकर आयुक्त लखनऊ प्रभार में निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) मुरादाबाद का क्षेत्राधिकार

सं० 24/79-तक-1:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का एवं इस पक्ष में मुझे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं आयकर आयुक्त, लखनऊ एतद्वारा यह निदेश देता हूँ कि निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धारण) मुरादाबाद उन सभी अधिकारों या कार्यों का सम्पादन करेंगे जो एक आयकर अधिकारी को प्रवृत्त या सौंपे जाते हैं, और वह इन अधिकारों तथा कार्यों की वृत्त II मुरादाबाद के आयकर अधिकारियों की सहमति से सम्पादित करेंगे।

2. यह आदेश 15-12-79 से प्रभावी है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० 177—आयकर वृत्त मुरादाबाद को दो वृत्तों में एतद्वारा विभाजित किया जाता है जिन्हें वृत्त-I मुरादाबाद एवं वृत्त-II मुरादाबाद के नाम से जाना जायेगा।

2. उक्त के फलस्वरूप बी 'वार्ड' मुरादाबाद तथा एक-वार्ड, मुरादाबाद के नाम से विदित उप प्रभारों को अब क्रम से नवगठित आयकर वृत्त-II मुरादाबाद के ए-वार्ड और बी-वार्ड के नाम से जाना जायेगा।

सं० 179—आयकर कार्यालय वृत्त-I,—मुरादाबाद के गठन के फलस्वरूप ए० सी० डी० और ई०-वार्ड आयकर कार्यालय मुरादाबाद के नाम से अब तक विदित इन उपप्रभारों को क्रमशः ए० बी० सी०, और डी वार्ड आयकर कार्यालय वृत्त-I मुरादाबाद के नाम से जाना जायेगा।

सं० 180—आयकर वृत्त बरेली के डी०- वार्ड नाम से अब तक विदित उप प्रभार का पुनराभिधान सी०- वार्ड वृत्त-II मुरादाबाद के नाम से किया जाता है। जिसका मुख्यालय बरेली होगा।

सं० 181—आयकर वृत्त बरेली के ई० एफ० और जी०- वार्ड के नाम से अब तक विदित उपप्रभारों का पुनराभिधान क्रमशः डी०, ई० और एफ० वार्ड आयकर वृत्त, बरेली के नाम से किया जाता है।

ये आदेश 15-12-1979 से प्रभावी हैं।

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 123(1) और (2) आयकर आयुक्त, लखनऊ प्रभार के निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्तों का क्षेत्राधिकार।

सं० 81(बी०)/78-तक०—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 123 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तथा विषय पर पिछले सभी आदेशों का अधिक्रमण करते हुए मैं, आयकर आयुक्त लखनऊ एतद्वारा यह निदेश देता हूँ कि इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम-2 में लिखित रेन्जों में तैनात निरीक्षी सहायक

आयकर आयुक्त सूची के कालम-4 में लिखित आयकर वृत्तों के क्षेत्रों के सभी व्यक्तियों व व्यक्तिवर्गों तथा समी प्रकार की आय व आय वर्गों से सम्बन्धित अपने कार्यों का सम्पादन करेंगे।

2. यह आदेश 15-12-1979 से प्रभावी है।

क्षेत्राधिकारी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124(1) और (2) आयकर कार्यालय सर्किल-II, लखनऊ।

सं० 81 (सी०)/II/78-तक०/खण्ड-II—पृष्ठांकन 81(सी०)(II)/78-तक० दिनांक 28-4-79 के अन्तर्गत जारी किये गये तारीख 28-4-79 वाले इस कार्यालय आदेश में आंशिक तस्मीम करते हुए निम्नलिखित जिलों को आयकर अधिकारी ए०- वार्ड, वृत्त II लखनऊ के क्षेत्राधिकार (कालम 5) से निकाल दिया गया है।

“अल्मोड़ा, बिजनौर, चमौली, मुरादाबाद, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़ और रामपुर”

यह आदेश 15-12-79 से प्रभावी हैं।

घरनी घर,  
आयकर आयुक्त, लखनऊ

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज

4/14 क, आसफगली मार्ग, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली दिनांक, 24 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/1-80/991—अतः

मुझे, जी० सी० अग्रवाल

घायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 12 सी ब्लॉक डी है तथा जो हीज खास नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविकता को प्रतिबिम्बित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या त्याग जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सतपाल शर्मा पुत्र श्री मंगतराम निवासी ग्राम स्मालीर तहसील मोगा, जिला फरीद कोट (पंजाब) वजरिये मुख्तार ग्राम हरवंस लाल पुत्र मुणी राम निवासी आर-6, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली
- (2) मै० कुनवंत राय जय चन्द एन्ड सन्स (हि० अ०) (अन्तरक)

द्वारा कुलवन्त राय पुत्र काशी राम जय चन्द निवासी ग्राम लोहराग्र तहसील मोगा जिला फरीदकोट (पंजाब) हाल खालियामेडिया, डिब्रुगढ़ (आसाम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरणः—इसमें पृथक् शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 12 सी, ब्लॉक डी० जो प्लाट क्षेत्रफल 272.2 वर्ग गज पर बना है, हीज खास इन्कलेव नई दिल्ली जो गांव खरेरा है और दिल्ली कुतुब रोड पर स्थित है। उसकी सीमायें निम्न प्रकार हैं

पूर्व : मकान नं० डी/12-डी

पश्चिम : मकान नं० डी/12-बी

उत्तर : सड़क

दक्षिण : मकान नं० डी/55-सी

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रोज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एअर-IV/897/79-80—अतः मुझे व्ही एस०  
शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिस की सं० प्लॉट नं० 157 ए० टी० पी० एस० नं० 111  
घाटकोपर है तथा जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन विलेख नं० एल 9786/78 दिनांक 8-5-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्री मानजी राजाराम पटेल

(अन्तरक)

(2) श्री भवन परबत पटेल

लालजी परबत पटेल

नारायण परबत पटेल

महेश भवन पटेल

मैसर्स कैलाश कन्स्ट्रक्शन कंपनी के भागीदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि कि विलेख नं० एस 9786/78 बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-5-79 के रजिस्टर्ड  
किया गया है।

व्ही० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV-4 बम्बई

दिनांक: 3 नवम्बर 1979

मोहर:

प्रकरण आई० डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज III बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी०/305/79-80—अतः

मुझे पी० एल० खण्डा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 7, 8, एस नं० 121 है तथा  
वरसोबा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 4 मई 1979 विलेख नं० 5639/78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—456GI/79

(1) श्री खूबचन्द वाटुमल

(अन्तरक)

(2) इन्डो सायगोन एजेन्सी के प्रोप्राईटर श्री गोविन्द  
वालीनदास दरयानानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 639/79 बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-5-79 के रजिस्टर्ड  
किया गया है।

पी० एल० खण्डा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III बम्बई

दिनांक : 7 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज II बम्बई

बम्बई दिनांक 20 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर० II/2783-1/मि० 79—अतः मुझे  
पी० एल० खंगटा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 427, 427 (29)  
पाटे है तथा जो मालाड (इ) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1980 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-79 विलेख  
संख्या नं० एस० 439/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपात् :

(1) श्री काशीप्रसाद जे० अडुनिया, महावीर प्रसाद  
जे० अडुनिया।

(अन्तरक)

(2) श्री मती सुशीला देवी एस० थरड, सुलोचना देवी  
एस० थरड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 439/78/बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-5-79 में रजिस्टर्ड  
किया गया है।

पी० एल० खंगटा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बम्बई

दिनांक 20 दिसम्बर 1979

गेहर

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी० 308/79—अतः मुझे बी० तोछांग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4, 5 मार्ट टी० पी० एस० नं० 6, अंधेरी, सी० टी० एस० 633, 633/1, 633/2 है तथा जो अंधेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गम्बट्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-5-79 विलेख नं० एस० 2132/77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती नन्दाबेन जे० शेथ

(2) श्रीमती आशा नरेन्द्र शाह

(अन्तरक)

(3) श्रीमती नन्दाबेन जे० शेथ (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 2132/77/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 16-5-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० तोछांग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

दिनांक : 24 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती ललिता पवार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर० 3/ए० पी० 307/79-80—अतः

मुझे वी० तोछांग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 403, सी० टी० एस० 1616,  
1616/1 से 1616/6, जैम्बूर, है तथा जो जैम्बूर में स्थित है  
(और इससे उमाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूम से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
8-5-1979 विलेख नं० एस० 541/78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिल्ल में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) (1) श्रीमती कुंदनबेन एम० कापाडिया

2 श्री आई० सी० ठक्कर

3. डा० श्रीमती सी० टी० शंकर

4. श्री बी० एस० एस० राव

5. श्री के० अग्रवाल

6. श्रीमती निमला शर्मा

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 541/78/बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-5-79 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

वी० तोछांग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

दिनांक : 24 दिसम्बर 1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई दिनांक 1 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर० II/2805-2/जुलै/79—अतः मुझे  
पी० एल० हंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० एस० नं० 3 हिस्सा नं० 4 (पार्ट) सी०  
टी० एस० नं० 2112 (पार्ट) है तथा जो इकसार में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
2-7-79 विलेख संख्या 1136/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० डी० चोगले 2. शुभदा के चोगले 3. कैलास के  
चोगले 4. येशवीनी के चोगले

(अपतरक)

(2) बोरबली राजवैभव को० अ० का० सो० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० /1136/78/बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 2-7-79 में रजिस्टर्ड  
किया गया है।

पी० एल० हंगटा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, -2, बम्बई

तारीख : 1- -1980

मोहर :

प्रकृष जाई० टी० एम०एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 फरवरी 1980

निर्देश सं० ए० आर० II/2910.1/वई 79—अतः मुझे,  
पी० एल० खंगटा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिस की सं० सी० एस० नं० सी/816 से सी/819  
और सी० एस० नं० सी/804, सी/805, सी/808, सी/809  
एस० नं० 245 ए/ए और 244/5 है तथा जो पालि हिल  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांदरा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 24-5-79 विलेख सं० नं० 773/79 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पल्लवी जे० पांचाल 2 अम्बाबे डि० पांचाल 3.  
चैतन्या जे० पांचाल 4. योगेश जे० पांचाल 5.  
भैरवी जे० पांचाल

(अन्तरक)

(2) श्री कुंदनमल भवरलाल चौरासिया 2. विजयकुमार  
कुंदनलाल चौरासिया 3. श्रीमती सयेरदेवी बी०  
चौरासिया 4. संतोष कुमार चौरासिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही पर्य होना, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 773/79/बम्बई जाहट  
उपरजिस्ट्रार 4 अधिकारी द्वारा दिनांक 24-5-79 में रजिस्टर्ड  
किया गया है।

पी० एल० खंगटा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2 बम्बई

दिनांक : 1 फरवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० एस/एकवी/भोपाल 79-80/1412—

अतः मुझे, कु० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31/5/1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डित प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कान्ती लाल पुत्र सेठ कैमरीमल झा/श्री 2. श्री अशोक चन्द्र 3. श्री उमेश चन्द्र 4. श्री महेश चन्द्र सभी पुत्र श्री कान्ती लाल जी 5. श्रीमती कंचन बाई पत्नी श्री कान्ती लाल जी, सराफा, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रतन राज द्वारा श्री शान्ती लाल पुत्र श्री राजमल चौरडिया, चांदनी चौक, रतलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 4087 वर्गफुट स्थित शास्त्री नगर कालोनी, रतलाम

कु० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल 79-80/1413—

अतः मुझे, कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उमाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1979 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेन्द्र स्वका मदन द्वारा कान्सीदियुटेड एटार्नी श्री प्रवीन मदन नेपियर टाउन, जबलपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ओमवती गुप्ता पत्नी श्री एस० एस० गुप्ता डी० एस० पी० सदर बाजार, जबलपुर  
(अन्तरिती)

(3) 1. श्री बी० एस० सचदेवा 2. अरुण मदन 3. श्री टी० सी० भसीन 4. डा० आर० के० पुरी (सभी किराय (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 507 से 510 स्थित नेपियर टाउन, गोरखपुर, जबलपुर।

कृ० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई ए० सी०/एकवी/भोपाल/79-80/1414—

अतः मुझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० है अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो बिलासपुर में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-456GI/79

(1) श्री शिवधर बिहारी 2. श्री श्याम बिहारी पुत्र श्री लक्ष्मी  
नारायण वाजपेयी व 3. श्रीमती जमना बाई विधवा  
श्री लक्ष्मी नारायण, मसान गंज बिलासपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री राजा राम पुत्र श्री जगताराम गम्भीर मसानगंज,  
बिलासपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्र फल, 7320 वर्गफुट स्थित मसानगंज,  
बिलासपुर।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/79-80/1415—

अतः, मुझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन नर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-ब अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित परिणामों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सबली बाई पत्नी स्व० श्री मिश्री लाल सरावगी, गांधी नगर, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष देवी पत्नी श्रीनिवास गर्ग, 14, शंकर बाजार, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 430 स्थित एम० जी० रोड, (खजूरी बाजार), इन्दौर ।

कु० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकाश माई० पी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/79-80/1416—

अतः मुझे, क० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अश्विन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिस की सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-7-79 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बट्टी लाल व जगन्नाथ पुत्र श्री घांसी राम, 32/2, छीमा बाखल, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नव आनन्द गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा प्रेसिडेंट श्री शंकर लाल पुत्र श्री राम गोपाल बिल्लौर, शिव विलास पैलेस, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट भूमि खसरा नं० 1473/1 व 1475/2 (ऐरिया 1.469 हेक्टेयर्स या 3.63 एकड़) दशहरा मैदान के पास, इन्दौर।

क० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1417--

प्रतः, मुझे, कु० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्रम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

(1) वाटर ड्रेवलपमेन्ट सोसायटी द्वारा श्री पी० एस० बापना 2, रैस कोर्स रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बिदासारिया ब्रदर्स 195, एम० टी० कलाथ मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

प्लॉट नं० 15 पर स्थित सुपर स्ट्रक्चर्स, बिल्डिंग माप 6700 वर्गफुट - विद्युत कनेक्शन, पानी कनेक्शन, आफिस स्ट्रक्चर्स स्थित पोलोग्राउन्ड, इन्दौर।

कु० कां० राय,

समक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल-79-80/1418—

अतः मुझे क० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25/7/1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बचकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बापू राव पुत्र श्री पांडुरंग प्रिन्स टेल्स, सैन्ट्रल होटल के सामने, एम० जी० रोड़, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री देवराज भाई पुत्र श्री देसाभाई 11, ज्वाय बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भकान नं० 11 प्लाट माप 2501 वर्गफुट स्थित ज्वाय बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर।

क० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5 जनवरी 1980

मोहर:

प्र.स. आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1419—

अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपला उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-6-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उल्टे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री प्रानन्द पुत्र श्री बाल कृष्ण भारपुरे 196, पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ति लाल पुत्र श्री कुन्दनमल जी 26, वैराठी कालोनी, इन्दौर (वर्तमान 168, नेता जी सुभाष मार्ग, इन्दौर)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बाधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रख्याप 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रख्याप में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 168 का फर्स्ट फ्लोर स्थित नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्वी/भोपाल-79-80/1420—

अतः मुझे कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14/6/1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के 3 अनुसूचक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :-

(1) श्री आनन्द पुत्र श्री बालकृष्ण धारपुरे 196, पालसीकर  
कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुन्दनमल पुत्र श्री मिश्रीमल जैन 168,  
नेताजी सुभाष मार्ग, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्यपि स्थावर के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

मकान सं० 168 का प्राकृतिक फ्लोर स्थित नेताजी सुभाष  
मार्ग, इन्दौर ।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1421—

अतः मुझे कु० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1979 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती भारती बाई पत्नी श्री सत्यनारायण गुप्ता सिविल लाइन, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्यादेवी पत्नी श्री गोपीचन्द्र जयसिंह सिविल लाइन, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 10/14 (बाय) ब्लाक नं० 11 मास 2000 वर्गफुट स्थित सिविल लाइन, रायपुर।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1422—

अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है, (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
5-456 GI/79

(1) श्री जुगल किशोर पुत्र श्री बाला प्रसाद तिवारी  
मकान नं० 21, 22 वेस्ट निवाड़गंज, जबलपुर  
(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल कैशरवानी पुत्र श्री सेवा लाल कैशरवानी  
गेट नं० 4 के सामने, मदन महल स्टेशन रोड़, राइट  
टाउन जबलपुर।  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के जोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के जोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 53 का मकान, प्लॉट नम्बर 53 स्थित  
निवाड़गंज, जबलपुर।

कृ० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1423—

अतः मुझे कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री श्रीम प्रकाश कालरा, जे 12/1, राजोरी गार्डन न्यू दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल व श्रीमती मोहिनी देवी, ड्रेस सेंटर, अन्धेर देव, जबलपुर।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स फोर्ट ग्लोजियर इन्डस्ट्रीज लि० 2. मैसर्स हिन्दी टीचिंग स्कीम 3. श्रीमती एस० निगम (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 1071 सी, 1071/1 सी, 1071/2 सी व 1071/उसी स्थित प्लॉट नं० 3/3, लाजपत कुंज, शिव निवास, जबलपुर।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०; /एक्वी/भोपाल-79-80/1424

अतः मुझे, क० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सज्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो गंज बासोदा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंज बासोदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उल्लेख बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उत्तम चन्द व श्री सुन्दर लाल पुत्र श्री सुकलाल  
जैन, गंज बासोदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन चन्द पुत्र श्री पूरन चन्द जैन गंज बासोदा ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशङ्काश्रयी के  
पाव लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत गंजों और तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान, रकबा 1302 वर्गफुट स्थित वार्ड  
नं० 13, सदर बाजार, गंज बासोदा ।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980  
मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल-79-80/1425—

भतः मुझे, क० का० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- • से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ठाकुर मदन सिंह पुत्र श्री फतेहसिंह तोमर, सधवा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री सतीश कुमार पुत्र श्री सोहन लाल लूथरा 44, जानकी नगर एक्सटेंशन कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रीप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शत्रु में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गयीं और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान रकबा 2704 वर्गफुट "पंचवती", स्थित जानकीनगर एक्सटेंशन कालोनी, इन्दौर ।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/1426— अंतः

मुझे, क० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृत्रिम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती डा० निर्मला देवी पत्नी श्री नरेशचन्द गोयल, फर्स्ट फ्लोर, टी० बी० हास्पिटल, मल्हारगंज, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री सत्य प्रकाश पुत्र श्री गुरदयाल मिश्रा जनकगंज, नगर लश्कर वर्तमान 24, रवीनगर खेड़ा मति कालोनी, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 24 का भाग, हल्का नं० 36 स्थित रवी नगर, खेड़ा मति कालोनी, ग्वालियर।

क० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल-79-80/—

अतः मुझे, कु० का० राय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो ग्वालियर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-5-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्तियों के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री नरेशचन्द्र गोयल  
फर्स्ट फ्लोर, टी० बी० हास्पिटल, महार गंज, इन्दौर।  
(अन्तरक)
- (2) श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री गुरदयाल मिश्रा, 24, रवी  
नगर, पखेड़ापति कालोनी, ग्वालियर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अर्थान्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूचा

मकान नं० 24 का भाग हल्का नं० 36 स्थित रवी नगर,  
खेड़ापति कालोनी, ग्वालियर।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 8 जनवरी 1980  
भोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एन० - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल-79-80/1428—

अतः मुझे, कु० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो लखर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रन्तरित की गई है और पूरे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से  
परिधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरित (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये नय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(ज) प्रन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में  
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तव्यों की  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिएगा, विधान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्-  
खण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् —

(1) श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री विदुल राय लेखगालकर  
निम्बालकर की गांठ, लखर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव व श्री संजीव (अवयस्क) पुत्र श्री  
आत्माराम द्वारा मां अभिभावक श्रीमती निर्मला देवी,  
निम्बालकर की गांठ, लखर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० 40/364 रकबा 1190 वर्गफुट  
स्थित निम्बालकर-की-गांठ नं० 2, लखर ।

कु० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक : 8 जनवरी 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

मोहूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1429—

प्रतः मुझे, कृ० कां० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 25-5-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मध्य प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री हर गोविन्द पुत्र श्री बल्लभ दास सी-35, मेफेअर  
गार्डन्स, न्यू-दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाहजहां पत्नी श्री इन्द्र दत्त बिनेसरी सिंह  
ई-40, साकेत कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई०-46 माप 5750 वर्ग फुट स्थित साकेत कालोनी;  
इन्दौर।

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 8-1-1980  
मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकबी/भोपाल-79-80/1430—

अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

6-456GI/79

(1) श्री गुरनोमल उर्फ गुलूमल पुत्र श्री सावंलदास बी-51/521, बैरागड़, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा बाई पत्नी श्री नेनूमल जी बी-51/521, बैरागड़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० बी-51/521 व बी-56/5 रकबा 1125 वर्गफुट स्थित न्यू-बैरागड़, भोपाल ।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10 -1- 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल-79-80/1431—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लश्कर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री महाराज नारायण पुत्र श्री स्वरूप नारायण राजन  
2. श्रीमती खेमरानी पत्नी श्री महाराज नारायण राजन,  
रोशनी घर रोड, लश्कर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री ग्यारसी लाल मेहर वैश्य,  
हाल बाजार, लश्कर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट माप 3271 वर्गफुट स्थित रोशनी घर रोड,  
लश्कर ।

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल—79-80/  
1432—अतः मुझे कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री राम रतन, 2. मदन 3. भगवान 4. गोपाल 5. बद्री सभी पुत्र श्री राधा किशन 6. श्रीमती मानू बाई विधवा पत्नी श्री राधा किशन 7. श्रीमती सीला बाई पत्नी श्री रमेश निवासी देवास 8. श्रीमती कलावती पत्नी श्री तारा चन्द बिजालपुर तह० इन्दौर, 9. श्रीमती शान्ता बाई पत्नी मुन्ना लाल, मालीपुरा, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) मर्कत लाल इन्डस्ट्रीज द्वारा मैनेजर श्री भीकू भाई मन्छाराम सोलन्की देवास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 3 रकबा 2.739 हैक्टेयर्स (6.768 एकड़) साथ पक्का कुआरा स्थित देवास।

कृ० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 10 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल-79-80/1433—

अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चतुर्भुज पुत्र श्री कन्हैया लाल मालपानी, इतवारा, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री घनश्याम दास ई-2/334 अरेरा कालोनी, भोपाल वर्तमान ई-3/88, अरेरा कालोनी, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० ई-3/88 रकबा 4962.6 वर्गफुट अरेरा कालोनी, भोपाल।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10 जनवरी 1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० एम०/एक्वी०/भोपाल-79-80/1434—

अतः मुझे, क० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने तब किया गया जो बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे पहले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री अनन्त पुत्र श्री नारायण खाडेकर 374, सिध को० आप० हाउसिंग सोसायटी आँध, पूना, महाराष्ट्र।  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री महेण चन्द्र, 2. श्री ओम प्रकाश व 3. श्री सतीश चन्द्र सभी पुत्र श्री रमेश चन्द्र गर्ग भंवरकुंभ्रा मानिक बाग गेट के सामने, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में सभापत होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 42 माप 6500 वर्गफुट स्थित विष्णुपुरी मन कालोनी, इन्दौर

क० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-79-80/1435—

अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नसरुद्दीन, 2. श्री सरफुद्दीन पुत्र श्री हाजी शेख छोटी, मोहसिन पुरा, देवास ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स देवास लेन्ड एण्ड फाइनैन्स का० द्वारा श्री कन्हैया लाल नारायण सोनी 130, सुभाष चौक, देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्देशाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 629 व 493 कुल रकबा 0.70 एकड़ स्थित देवास ।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल-79-80/1436—

अतः मुझे क० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नसरुद्दीन व सरफुद्दीन दोनों पुत्र श्री हाजी शेख छोदू निवासी देवास ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स देवास लैन्ड एण्ड फाइनैन्स कं० द्वारा श्री कन्हैया लाल नारायण सोनी 430, सुभाष चौक, देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 492 व 625 कुल रकबा 0.65 एकड़  
स्थित देवास ।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1437—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर दास उर्फ मनोहर कुमार पुत्र श्री देवी दास  
द्वारा श्री मुरली धर पुत्र श्री देवी दास चन्दीरमानी,  
ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नूर मोहम्मद पुत्र श्री हुसैन बक्श, 2. श्रीमती  
जुवेदा बी पत्नी श्री नूर मोहम्मद इद्दाहिमपुरा, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, योगेहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान का पूर्वी भाग स्थित टोल वाली मस्जिद के पास, हाथी  
खाना, भोपाल ।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल-79-80/1438—

अतः मुझे कु० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐत दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-456G1/79

(1) 1. श्री मुनी कुमार पुत्र श्री महाराज नारायण राजदान  
2. श्रीमती खेमरानी पत्नी श्री महाराज नारायण राजदान, रोशनी घर रोड़, लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री ग्यारसी लाल मेहर वैश्य, दाल बाजार, लखर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट माप 2862 वर्गफुट स्थित रोशनी घर रोड़, लखर।

कु० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1439—  
अतः मुझे, क० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० भूमि व बिल्डिंग है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री सत्यपाल अरोरा 33, प्यू  
पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मूल चन्द पुत्र श्री क्षमनदास तोलानी, 2. श्री  
प्रतप राय, व 3. श्री पुरुषोत्तम दास दोनों पुत्र श्री  
मूल चन्द तोलानी 33, नार्थ हरसिद्धि, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग क्षेत्रफल 2355.58 वर्गफुट साथ भूमि  
क्षेत्रफल 21320 वर्गफुट स्थित 44-ए इन्डस्ट्रियल एरिया,  
सावेर रोड़, इन्दौर।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-79-80/1440—

अतः मुझे कृ० कां० राय,  
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-5-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री इकबाल पुत्र श्री फकरुद्दीन बोहरा, बोहरा बाखल,  
चांदनी चौक, रतलाम।  
(अन्तरक)
- (2) श्री रतन कुमार गांधी पुत्र श्री पूनम चन्द गांधी, न्यू  
रोड, रतलाम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान बने भाग का क्षेत्रफल 611 वर्गफुट, स्थित पैलेस  
कालोनी, रतलाम।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1440

अतः मुझ, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिता (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण से हुई किसी धाय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री रतन कुमार पुत्र श्री पूनम चन्द गांधी, न्यू रोड, रतलाम ।

(भन्तरक)

(2) श्री मुस्तफा पुत्र श्री फकरुद्दीन बोहरा, बोहरा बाखल, चांदनी चौक, रतलाम ।

(भन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान साथ बने भाग का क्षेत्रफल स्थित पैलेस रोड, रतलाम ।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 11 जनवरी 1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1442—

अतः मुझे, कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार पुत्र श्री पूनमचन्द गांधी न्यू रोड, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी फकहूद्दीन पुत्र श्री दाउद भाई बौहर, पाक वाला, बौहरा बाखल, चांदनी चौक, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तत्सील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित पैलेस रोड, नगरपालिका के पास, रतलाम ।

कु० का० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1443—

अतः मुझे, क० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विशनू कुंवर पत्नी ठाकुर पर्वत सिंह राजपूत  
बड़ी शीतला माता रोड़, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) श्री शान्ती लाल पुत्र श्री गिरवर लाल जी गुप्ता लोकेन्द्र  
टाकीज के पास, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लॉट भूमि माप 3960.0 वर्ग मीटर स्थित पोस्ट आफिस  
(पावर हाउस रोड़) रोड़, रतलाम।

क० कां० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल-79-80/1444—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान है, तथा जो ताल, रतलाम में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बाबूलाल चांदमल मैहता निवासी ताल जिला रतलाम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती बाई पत्नी श्री बिहारी लाल सोनी निवासी ताल, जिला रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित पोस्ट आफिस के पास, ताल, जिला रतलाम।

कृ० कां० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज भोपाल।

दिनांक : 11 जनवरी, 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल-79-80/1445—

अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस-  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-5-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर जैन के अन्तरक के दायित्व  
में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बाबू लाल पुत्र श्री चांदमल जी जैन निवासी ताल,  
जिला—रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गोपाल, 2. श्री दिलीप कुमार (अवयस्क)  
दोनों पुत्र श्री बद्री लाल सोनी, द्वारा मां श्रीमती  
लीला बाई पत्नी श्री बद्री लाल सोनी निवासी ताल,  
जिला—रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान साथ खुली भूमि स्थित पोस्ट आफिस के पास,  
ताल जिला—रतलाम ।

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकजी/भोपाल-79-80/1446—

अतः मुझे, क० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1979 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से 10% के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में मुहिमा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुहिमा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जितः—

8-456G1/79

(1) श्री समरथ मल पुत्र श्री बसन्ती लाल सेठिया, रतलाम वर्तमान निवासी नई आबादी, कम्यन केन्द्र, मन्वसौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय कुमार पुत्र श्री बसन्ती लाल सेठिया, धान मण्डी, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताधारी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 67 स्थित फीगंज, मोती लाल नेहरू मार्ग, रतलाम।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्सी०/भोपाल-79-80/1447—

प्रतः मुझे कु० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घनत्वित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, न्यूनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) श्री श्यामचरण पुत्र श्री सालिगराम टंडन, 89, रूपराम नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) दी इन्दौर बैंक इम्प्लोईज हाउसिंग को० प्रा० सोसायटी द्वारा सेक्रेटरी श्री पी० डी० अग्रवाल, 5, यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान स्थित प्लॉट नम्बर 102 माप 2400 वर्गफुट स्थित रूप राम नगर, इन्दौर।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन्वी०/भोपाल-79-80/1448—

अतः मुझे क० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो भिड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भिड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री पुनूलाल शिवहरे भूता बाजार, भिड ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मीरा बाई पत्नी श्री महावीर प्रसाद जैन,  
2. श्रीमती चन्वन श्री परनी श्री मुन्नी लाल जैन, भूता बाजार, भिड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला मकान रकबा 1331 वर्गफुट मकान नं० 31, वार्ड नं० 26, भूता बाजार, भिड ।

क० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल-79-80/1449—

अतः मुझे क० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17/5/1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वांछित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती शोभा पत्नी श्री दामोदर देव, 65, शंकर बाग कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री देवी पत्नी श्री गोविन्द लाल खन्सल 34 शंकर बाग कालोनी, इन्दौर (वर्तमान 65 शंकर बाग कालोनी, इन्दौर)।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त श्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 65 प्लॉट माप 2640 वर्गफुट स्थित शंकर बाग कालोनी, इन्दौर।

क० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल-79-80/1450---

अतः मुझे क० का० राय,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान (आग) तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) को अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए कम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचक, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य वास्तव्य को जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः :--

(1) श्री रामनारायण पुत्र श्री रामचरण शर्मा, आनन्द नगर, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री रेवा राम पुत्र श्री हरचन्द गीहर गंज वर्तमान डोंगरवाड़ा तह० गीहरगंज जिलारायसेन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भव्योद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का पूर्वी भाग रकबा 945 वर्गफुट स्थित कुम्हार पुरा, जिन्सी जहांगीराबाद, चिकलोद रोड, भोपाल।

क० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक भाषकर आयुक्त,

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 14-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०एकवी०/भोपाल-79-80/1451—

अतः मुझे कु० कां० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो भोपाल  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 14-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम नारायण पुत्र श्री रामचरण शर्मा, आनन्द  
नगर, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री परम राम पुत्र श्री हरचन्द गोहरगंज वर्तमान  
निवासी डोंगखाडा तह० गौहरगंज जिला  
रायसेन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

मकान का पश्चिमी भाग रकबा 1064 वर्गफुट स्थित  
कुम्हारपुरा जिन्सी रोड़ जहांगीराबाद, चिकलोद रोड़, भोपाल

कु० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14 जनवरी 1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकत्री०/भोपाल-79-80/1452—

अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो छिन्दवाड़ा में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरी शंकर दुबे पुत्र श्री देवी शंकर दुबे,  
माधवगंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री अभय कुमार 2. सजय कुमार दोनों पुत्र  
श्री फूल चन्द जैन व 3. संदीप कुमार पुत्र श्री  
मुभाष चन्द, छिन्दवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 100, बन्दोवस्त नं० 177 म्युनिसिपल  
वार्ड नं० 17, गोलमेन, छिन्दवाड़ा।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 2 फरवरी 1980

मोहर:

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 975—यतः मुझे के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें हमके  
पत्रावत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो वैजाग में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 130  
जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये धनरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (धनरकों) और धनरिती  
(धनरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त धनरक निहित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) धनरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के धनरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्त्रियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पेंटाकोटा येल्लम्मा, वैजाग।

(अन्तरक)

2. श्री प्रगडा श्रीनिवासराम, वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंधमें कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा; यथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 4737 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना;  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 976—यतः मुझे के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० है, जो काकीनाडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 29 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
—456GI/79

1. (1) श्री गुल्लापूडि सत्यनारायण ।

(2) श्री जी० वीरराजु ।

(3) श्री जी० रामकृष्णा और मूर्ति ।

(4) श्रीमती जी० सत्यवती, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री मेसर्स माधवी इंटरप्राइजस—भोर्कर्स एण्ड  
कमीशन एजेंटस, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से पार्श्विक  
अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3232 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 977—यतः मुझे, के० के० धीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मंगलगिरी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलगिरी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 26 मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कंगाला जगनमोहनराव ।  
(2) श्री कंगाना सिवारामा क्रिष्णराव ।  
(3) श्री कंगाला रजेंद्र प्रसाद ।  
(4) श्री कंगाना गोपालास्वामी ।  
(5) श्री के० नागेश्वर राव और ।  
(6) श्री चक्र धरराव मोरु विलेज (तेनाली  
तालूक) ।

(अन्तरक)

2. श्री कोवेलकर नागोजी मंगलगिरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

#### अनुसूची

मंगलगिरी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत  
31-5-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 1978 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति ।

के० के० धीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979  
मोहर :

प्रकट आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 978—यतः मुझे के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मंगलागिरी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलागिरी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्द्वह  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री एंडेम बिक्षम मंगलागिरी । (अन्तरक)

2. डाक्टर गोली राममोहनराव मंगलागिरी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मंगलागिरी रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से [प्राधिक  
अंत 31-5-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 1039 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 979—यतः मुझे, के० के० वीर;  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो गुडिवाडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 9 मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री टी० बी० पुरुषोत्तमाराव विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री चोपला श्रीरामा चन्द्राराव, गुडलवत्लेद  
(गुडिवाडातालक)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1400 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 980—यतः मुझे के० के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा:-

1. श्रीमती अला रत्नकुमारी गुडिवाडा।

(अन्तरक)

2. सैडेंट पियस X डिसकालरड कार्मलेट प्रविन्स ग्राम मंजमाल, केराला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समं धी व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3177, 3117, और 4734।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 981—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो विजयावाडा में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयावाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तम्मारेड्डी कृष्णाराव गुन्दूर।

(अन्तरक)

2. श्री पी० सतीष और श्रीमती पी० सुजाता, गुन्दूर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयावाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3743 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 982—यतः मुझे, के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो विनाखापटनम में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विनाखापटनम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3 मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरुदयाल कौर वैजाग।

(अन्तरक)

2. डाक्टर डी० चेंगल राय वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामीज से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत  
15-5-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3223/79 में निगमित  
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 983—यतः, मुझे, के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० है, जो काकीनाडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 7 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दारयम विमला बाई, काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री चिरुगुपाटिवीरा वेंकटासय्य रामाराव प्रसाद,  
काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
आयवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अनुसूची अंतः  
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2543 में निगमित अनु-  
सूची संपत्ति।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 984—यतः, मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० ..... है, जो काकीनाडा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 7 मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-456 GI/79

1. श्री दारयम विमलाबाई, काकीनाडा।

(अन्तरक)

2. श्री सी० एच० सत्य नारायण, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से पाक्षिक अंतः  
31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2544 में निगमि  
अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 985—यतः, मुझे, के० के० बीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी  
सं० 10-A-7-97 है, जो अशोक नगर, गुंटूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेमुलापल्लि, श्रीकृष्णा, गुंटूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एच० संसीलक्ष्मी बाई गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
अर्थ होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज सं० 2762 में निगमित अनुसूची  
संपत्ती।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 986—यतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पालकोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यप्राप्ति को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० ऊप्पा रेड्डी आलामूर (तणु कु तालूक)।

(अन्तरक)

2. श्री पेंकी चंद्रराव पालकोल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालकोल रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अनुसूची अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1006/79 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज : हैदराबाद।

तारीख : 11-12-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 987—यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है, जो राजामंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजामंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कोबुर सीतायम्मा, राबुलापालेम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आकुला मंगायम्मा, राजामंडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

राजामंडी रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंतः 31-5-1979 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2095 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :



प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 988—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो राजामंडी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजामंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्णन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कोलुरु मीनायम्मा राजुलापालेम।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती आकला मंगयम्मा राजामंडी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजामंडी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3218 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० ए० सी० नं० 458/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परागत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अंतर्गत पत्राचार के लिए यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 22-7-269/39, है जो दीवानदेवडी हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), राजस्त्रीद्वारा पत्राचार के कार्यालय अजमपुरा में  
भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी प्राय की शायद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्न गड्डु नडम 22-7-269/39 दीवानदेवडी हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती कान्ता बाई पत्नी श्री मोहनदास 21-1-40/  
कानसी बाजार—हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 22-7-269/39 दीवान देवडी के अन्तर  
हैदराबाद राजस्त्री दस्तावेज नं० 1500/79 उप राजस्त्री  
कार्यालय अजमपुरा से।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1980

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 459/79-80—यतः  
मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-7-26/44 है, जो दीवानदेवडी हैदरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमपुरा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए धनरहित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और धनरक (अन्तरकों)  
और धनरिती (धनरितियों) के बीच ऐसे धनरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरण  
लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) धनरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के धनरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ धनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैगर्स गहा पुनर्वास 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदरा-  
बाद।

(अन्तरक)

2. अब्दुलमनीद मयानी 11-5-43 रेडहील्स हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी सम्प व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 22-7-269/44 दीवानदेवडी हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1654/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 460/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मलगीन 45 है, जो 22-7-269/45 दीवान  
देवडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स शहबुलखान 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदरा-  
बाद।

(अन्तरक)

2. श्री महमद शरीफ मयानी 11-5-43-रेडहिल्लम,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 45-धर नं० 22-7-269/45 सालाधेमगमार  
कीट दीवानदेवडी हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1653/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 461/79-80---यतः

मुझे के० के० बी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिपकी सं० 22-7-269/19 है जो दीवान देवडी हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रेण पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

11-456GL/79

1. मेमर्त गुरुनन्द 22-7-269/3-दीवानदेवडी हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दिरा देवी पत्नी चेतन दाम घर नं० 90-पटेलमार्कट हैदराबाद।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रॉइस्तामरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनगी नं० 19 घर नं० 22-7-269/19 दीवानदेवडी हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1652/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० बी०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 462/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मलगी नं० 40 है तथा जो 22-7-269/40  
दीवानदेवडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अजमपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैर्य जखनबई 22-7-269/3 दीवानदेवडी हैदरा-  
बाद।

(अन्तरक)

2. श्री मुल चन्द लेकराज साईनमीलक हौज के भागीदार  
हैं, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 40-घर नं० 22-7-269/40 दीवानदेवडी  
हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1450/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 463/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-1089 है, जो सीमाजीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धनरहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और धनरक (धनरकों) और धनरिती (धनरितियों) के बीच ऐसे धनरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) धनरक से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के धनरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के धनरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पैतर्स नजीबुन्नीसा बैगम पत्नी कुरशीद हसन 6-3-1089 सीमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सैयद अहमद हुसेन पिता सैयद कुरशीद हुसेन 6-3-1089 सीमाजीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः संपत्ति के धनरक के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धनरक के सम्बन्ध में कोई भी धनरकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धनरक 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन धनरक में दिया गया है।

धनरक

धर नं० 6-3-1089 का विभाग सीमाजीगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1503/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप बार्डो टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) अधीन मजमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 464/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मजमा प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हाल नं० 4-1 938/आर०-19आर 20 है,  
जो श्रीकृष्ण कामप्लेक्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रमरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को नाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगमियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मंसर्स श्रीकृष्ण कामप्लेक्स कम्पनी 5-8-612- आबीद  
रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मंसर्स मीरा जगदीश राम प्रसाद धरमत पाठशाला  
याकृतपुरा के सामने हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण :—इसमें प्रस्तुत पत्रों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाल तीसरी अंजिल पर नं० 4-1-938/आर-19 और  
20, कृष्ण कामप्लेक्स भवन तिलक रास्ता हैदराबाद में रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2721/79 उप-रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980

मोहर :



## प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 465/79-80—यतः मुझे  
क० क० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4-1-938/आर०-19 आर० 20  
है, जो कृष्णा कामपलेक्स में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या संपत्ति धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स कृष्णा कमप्लेक्स कम्पनी 5-8-612-आविद  
रास्ता, हैदराबाद श्री कैलाश चरन विभागीदारह।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कनीज अमीना पत्नी श्री एम० सयीदखवीन 4-1-  
442/443 द्रुप बाजार हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

वस्तुनिष्ठता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रभाव होगा, जो उस अध्याय में  
दिखा गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4-1-938/आर०-19 और 20 दूसरी मंजिल  
पर कृष्णा कामपलेक्स तिलक रोड, हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 2747/79 उप-रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

क० क० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 468/79-80--यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन सर्वे है, जो प्लॉट नं० 74, 75 है, नल्लाकुनटा हैदराबाद में स्थित है और इसमें उपावृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी क्षति की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के सम्बन्ध के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य धारिणियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री महमद अफजल खान।  
(2) श्री फैज अहमद खान।  
(3) श्री फजल अहमद खान तमाम घर नं० 4-1-9 रामकोट, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स पद्मा कोम्रापरेटीव हाऊसिंग सोसाइटी लि नल्लाकुनटा लि० हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 74 और 75 का विभाग क्षेत्रफल 1229 वर्ग यार्ड नल्लाकुनटा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 532/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० सं० 467/79-80—यतः  
मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सर्वे सं० 74, 75 नला  
कुनटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री मुहम्मद अफजल खान।  
(2) फकैज अहमद खान।  
(3) श्री फजल अहमद खान घर नं० 4-1-9  
रामकोट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैमर्स पद्मा कोभ्रापरेटीव हाऊसिंग सोसाइटी रामकोट  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का विभाग सर्वे नं० 74 और 75 क्षेत्रफल  
1105 वर्ग याई नलाकुनटा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
2823/79 उ०-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस्०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सामाजिक, न्यायिक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 0468/79-80—यतः  
मुझे, के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन मजमूदा अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० कुली जमीन 120 और 130, 135 है, जो  
कारम में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 19 मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के मायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती नीरमला ए० स्वर्गीय सुबाश चन्द्रा बीम-  
जी० बी० ए० के० मनीष 3-5-698 नारायणगुडा  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नागी रेड्डी मुरली मनोहर रेड्डी 3-5-79/ए०  
नारायणगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्न के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) उप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुली जमीन प्लॉट नं० 120-सर्वे नं० 130 वा 135-  
बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2652/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 469/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 1-4-1011 है, जो मुसीराबाद में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

12—456GI/79

1. श्री मुहम्मद अली पिता अदम अली हरीमानाबाबा  
पामीडी-गली बाम्बे-3।

(अन्तरक)

2. कुमारी एस०एस० चन्द्रप्पा 1-1-593 बाकारम हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

खुली जमीन घर नं० 1-4-1011 मीनकीवाड़ा क्रास  
रास्ता मुशीराबाद हैदराबाद वीस्टन नं० 825 वर्ग यार्ड  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2745/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदरा-  
बाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० गाजी यीदीन खान 3-4-306 लीनगमपली  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 470/79-80—यतः मुझे  
के० के० धीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक हैऔर जिसकी सं० 3-4-306 है, जो लीनगमपली में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. (1) श्री महमद मजाबुद्दीन खान।
- (2) श्री महमद छहोरीदीन खान।
- (3) श्री महमद अप्सरोदीन खान तमाम लीनगम-  
पली में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

1/3 विभाग जमीन और घर नं० 3-4-306 परवरीश  
बाग लीनगमपली हैदराबाद बीस्टन 1587 वर्ग मीटर रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2754/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।के० के० धीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 471/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12-2-718 है, जो मलकापुर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय खैरता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वाप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्मिलित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बील्डर्स और दूसरे बशीरबाग हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जी० शंकर और कम्पनी तबाकू मरचेनट 14-11-53 मनगलहाट, हैदराबाद :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असूसची

मकान नं० 12-2-718 वीस्टन 10555 वर्ग यार्ड अलाफ में दीवार मलकापुर बैरवान, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1609/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 472/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 10-3-18/2 है, जो प्लॉट नं० 116  
सीकिन्दाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सीकिन्दाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायरेल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए । छिपाने में  
सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. (1) श्री भारत राज,  
(2) श्री वामनराऊ,  
(3) श्रीमती के० सीता इलास मलाती, घर नं०  
6994 कलासीगुडा,  
(4) श्रीमती ऊषा, 1-3-1014, कवाडीगुडा,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री के० बी० पी० राज पुत्र के० भीमा राज, घर नं०  
6994, कलासीगुडा, सीकिन्दाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-3-18/2 प्लॉट नं० 116 बिस्तीण 282-42  
बर्ग मीटर ईस्टमारेडपली सीकिन्दाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
1075/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिक्किन्दाबाद में।के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 11-1-1980  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी, 1980

निवेश सं० आर० ए० सी० नं०/473/79-80—यतः मुझे

के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 602 है, जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मैसर्स अमाकरम तेज करन राजारामकरन 8-2-547-  
बनजारा हीलस हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री मैसर्स बीजयलक्ष्मी क्रीशणामुस्ती

(2) वसनवाराम मोहन-602- कालामेनगण 101  
एस-डी रास्ता सीकीन्द्राबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्घातकों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20A में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 602 की पांचवीं मंजिल पर कालामेनगण एस०  
डी० रास्ता सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज में -1623/79  
ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय- सीकीन्द्राबाद में

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11 जनवरी 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देशनं० आर० ऐ० सी० नं० 474/79-80 अतः मझे, के०  
के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
कार्यालय रूप से अधिक है  
और जिसकी सं० 7/156 है, जो मलेशवर रास्ता में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता  
अधिकारी के अनन्तापुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बजडाक नरसीगाराऊ पिता श्रीगणराऊ 7/156-मलेशवर  
रास्ता, अनन्तापुर।

(अन्तरक)

2. गुडीपुटी अजजमेधुलु  
कडाडरामुनटा-गाड-कीडेम अनन्तापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20 में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7/156 मलेशवर रास्ता अनन्तापुर—रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० -3135/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय अनन्तापुर में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11 जनवरी 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 जनवरी, 1980

निर्देश सं० ऐ० सी० नं० 475/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि एतावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-42/3, 4, 5 है जो 6 मलगीयों बशीरबाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भाई 79 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री सैयद अमगर हुसैन 5-9-43 बशीरबाग हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति हलीमा बेगम पति यैमदउसेन अलबकर 4-1-1/24 मेस-कामा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त एतावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशाक्षरों के पत्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

4-मलगीयां घर नं० 5-9-42/3, 4, 5 और 6 कुली जमीन बशीरबाग हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2656/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-1-1980।

मोहर :

प्रारूप आई० पी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 476/79-80—यतः

मुखे के० के० वीर]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-472 है, जो बनजाराहीलस हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अग्न्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) महमद तारीक मिरजा (2) अशफाक महमद भीरजा—जी० पी० मे०—गुलाम हैमद जपरअली सीमाजीगुडा में है हैदराबाद (अन्तरक)।

2. श्री बी० सरवीतम रेडी घर नं० 2/602 नल्लाकुनटा हसनकोनडा वरनगल (अन्तरित)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दृष्टोत्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन 885 वर्ग यार्ड है नं० 8-2-472-रास्ता नं० नं० 1 बनजारा हीलस हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1464/79 रूप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 477/79-80—यतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-1-9 का मार्ग है, जो येस डी० रास्ता  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकीन्द्राबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक  
(प्रत्येक) और प्रत्येकी (प्रत्येकी) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्येक लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के प्रत्येक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रत्येकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

13—456GI/79

1. मेसर्स अमीलीया येल डी० सोजा 227—मारेडपली-  
सिकीन्द्राबाद (अन्तरक)

2. डाक्टर जेसबनतराऊ पिता सीतारामास्वामी "सीनी-  
वास" 190—ओयेनपली सिकीन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रत्येकी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ऊपर विभाग आदा घर नं० 8-1-9 सरोजीनी देवी  
रास्ता सिकीन्द्राबाद वेस्टर्न 535 वर्ग याडें रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 1124/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकीन्द्राबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-1-1980  
मोहर:

प्रकृप भाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० पे० सी० नं० 478/79-80—अतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-316 है, जो बाजार स्थित है (और इस उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथार्थात् :—

1. मिस कलारीमा डीसोजा 4-1-1316 तुरुपवाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री वीनप्रेड डीसोजा पिता डाक्टर जान सी डीसोजा 4-1-316, तुरुपवाजार, हैदराबाद।

(2) मैसर्स इरोनी डीसोजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 वीभाग है घर खेचने वाले का घर नं० 4-1-315 और 4-1-316 तुरुपवाजार हैदराबाद में बीस्टर्न 3255 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3089/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एड०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 497/79—80—यतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कुली जमीन है, जो 8-2-472-बनजारा हिल्स स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महमद तारीक मिरजा (2) अशपाक महमद मिरजा जी पी० ये० अधीकारी गुलाम अमद घर नं० 6-3-622-जाफरअली बेग सीमाजीगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमति पीनमनेनी जया घर नं० 12 शोरयारेडपली सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन 1096 वर्ग याडं रास्ता नं० 1-बनजारा हिल्स हैदराबाद घर नं० 8-2-472 रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1468/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 480/79-80—अतः मुझे के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी नं० जमीन नं० 197 है, जो 206, 207/ए० मदीनागुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सूर्यनारायण राजू 7-1-644/4 सुन्वरनगर (2) एस० अब्दुतराम राजू (3) वेन्कटरामराजू (4) एस० सूर्यनारायण राजू (5) एस० रामालीनगराजू 1-54 मीयानपुर। (अन्तरक)

2. श्री सी० महेंद्रानाथ (2) सी० अमरनाथ (3) सी० नसीद्वानाथ (माईनर) 14-3-58-शीशमहल हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सरबे नं० 197.206/ए० और 207/ए० जुमला वीस्तर्न 10-यकस मदीनागुडा गाऊ रतगारेडी जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 961/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 481/79-80—अतः मुझे के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सरवे नं० 197, 198/1 206/ए०, 205/1 है, जो मदीनागुडा गांव स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्री एम० सूर्यनारायणाराजू (2) एम० अछूता रामाराजू (3) आर० वेन्कटरामा राजू (4) रामा लीलिगा-राजू (5) एम० सूर्यनारायणाराजू तमाम लोग का घर 7-1-644/4 हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति सी० लक्ष्मी बाई (2) सी० अम्बा रानी (3) सी० सरस्वती 14-3-58, शीशमहल हैदराबाद (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कर सरवे नं० 197, 198/1 और 206/ए० और 205/1, जुमला बीस्टर्न 10 एकड़ 10 गुन्टा मदीनागुडा गांव रनगारेडी जीला में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 999/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 482/79—80—

यतः मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 14-1-402 है, जो अगहापुरा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दूदबोवली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सैयद अब्दुल अमीद घर नं० 14-1-402-आगापुरा  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री एस० ए० मुकतादार एस० ए० मोइद घर  
14-1-402 आगापुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकारी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

घर नं० 14-1-402—आगापुरा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्ता-  
वेज नं० 584/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय दूदबोवली हैदराबाद  
में।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 16-1-1980

मोहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 483/79-80—

अतः मुझे के० के० वीर

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53 है, जो एस पी० रास्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति हसमानुनीसा बेगम (2) जैनारायन मिसरा सिकन्दराबाद में (अन्तरक)

1. श्रीमती वी० प्रह्लाद भारी—नालाकुण्टा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 53 बीस्टन 546 वर्ग यार्ड सरदार पटेल रास्ता सिकन्दराबाद घर नं० 2-11-3, 156 से 159-रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2774/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1980।

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 484/79-80—

अतः मुझे के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 10-37 है, जो हुजुराबाद में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुजुराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के  
शायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिस्से और या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री के० राजीरेडी रामपुर हुजुराबाद (2) के०  
मोहनराऊ श्रीरामपली हुजुराबाद करीमनगर जिला।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति ये० येरीयम्मा पति पापा राऊ 10-37-हुजुरा-  
बाद करीमनगर जिला।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शिकायत:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-37-जीर्स्टन 3651 वर्ग यार्ड हुजुराबाद  
करीमनगर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 653/79 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय हुजुराबाद करीमनगर जिला में।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज हैदराबाद

दिनांक 16-1-80  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 485/79—80—

अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, जो फुलोनग नोजामाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नोजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—456GI/79

1. श्री येलसानी अशान्ता पिता लिनगय्या 13-दूसरे-लोग कोटोगली, नोजामाबाद (अन्तरक)

2. श्री के० कोटय्या पिता सतय्या और दूसरे नोजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

जीरायती जमीन बीस्तरन 3 एकड़ और 20 गुनटे फुलोनगर रास्ता नोजामाबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1207/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय नोजामाबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 16-1-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 486/79-80—अतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सरवे नं० 127/5 बनजारा  
हिल्स रास्ता नं० 1 स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,  
नै, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन।  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुहमद अबास अली खान 8-3-345/2 रास्ता  
नं० 1 बनजारा हिल्स, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री के० केशवारेडी पिता के० सी० रेडी घर नं० पी० जे०  
ओ०-60 पनजागुटा, आफोसर्भ कालोनी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किये जा सकेंगे।

• स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० IV सरवे नं० 127/5 का बीभाग बनजारा  
हिल्स, हैदराबाद में बीस्तरन 546.88 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1614/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद  
में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17-1-1980।

मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 487/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8-2-468/ए/2 है, जो बंजारा हिल्ज हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्रीमति आबीदा बिलशामी घ० नं० 8-2-468/ए/2 रोड नं० 5 बंजारा हिल्ज हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री पी० श्रीनीवासराव अडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर तेलगू आकाडिमी हिमायतनगर हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 8-2-468/A/2 प्लॉट नं० 4 विस्तीर्ण 1044 वर्ग गज रोड नं० 5 बंजारा हिल्ज हैदराबाद में है, जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 1479/79 से उप रजिस्ट्रार आफिस खैरताबाद में हुआ है ।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद,

तारीख : 17-1-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 488/79-80—अतः मुझे  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन नं० 4 है, जो बंजारा हिल्ज  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नवाब अफ़्जल आली खान घ० नं० 6-3-345/  
2 बंजारा हिल्ज, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री पी० एल० मारेड्डी (कन्जर्वेटर आफ़ फारेस्ट)  
सैफाबाद घ० नं० 303/ए नामपल्ली, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन नं० 4 वीस्ती 545 वर्ग गज रोड नं० 1,  
बंजारा हिल्ज, हैदराबाद में है जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं०  
1597/79 ले उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में हुआ  
है।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17-1-1980।

मोहर :



प्रा.रूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी नं० 489/79-80—अतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 57 है, जो करमघाट सखर-  
नगर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति बी० भारती देवी घ नं०  
विद्यानगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री के० कृष्णा कुमार (2) के० बेंकटरमना (3)  
के० उषाराणी (4) के० सुबालक्ष्मी (4) के० राम मूर्ती नं०  
57 चन्तिलकुन्टा करमानघाट, सखरनगर रंगारेड्डी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख  
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त  
होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोःस्ताधरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जिराती जमीन सं० नं० 57 विस्तीर्ण 6 एकड़ 19  
गुंटा करमनघाट गांव, सखर नगर, रंगारेड्डी जिले में है,  
जिसका रजिस्ट्रेशन डा० नं० 4617/79 उप रजिस्ट्रार कार्या-  
लय हैदराबाद ईस्ट में हुआ है ।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 17-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 490/79-80—अतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4-4-179 ता० 181 है, जो महानकाली गली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति वी० शेषम्मा घर नं० 4-4-181 और 182 नालागुडी बाजार, सिकन्दराबाद

(2) वी० सत्यनारायना 4-1-181 नालागुडी बाजार, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमति अनारपु कमलम्मा पति ये० वीरप्पा 4-4-4 मनजबाजार, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-4-179, 180 और 181 महानकाली गली, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1205/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद,

दिनांक : 17-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 491/79-80—अतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 103/ये है, जो मारेडपली, सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वम् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ऐ० वी० वीराबद्रा पिता ऐ० यश वेन्कटराउ,  
136-वेन्डर घास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति अनाड़ी भारती पनि ऐ० मरसीम्बाराऊ  
103/ये० मारेडपली, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 103/ये० वीस्टर्न 2,700 वर्ग फीट घर नं०  
10-2-70-मारेडपली, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 1076/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 17-1-80

मोहर :

प्रकरण सादर टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 492/79-80—अतः मुझे के० के० धीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 6-1-298/3 ए और बी जो वेन्टापुरम कालोनी सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का के अधीन मई 79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनरिज को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किमा या की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमा धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोऽन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री पी० कमला कुमारी घर नं० 6-1-298/3 वेन्कटापुरम कालोनी, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति ईश्वराज उनीसा बेगम पत्नी गैयद अफसर अली 1-4-760/1/बी बाकारम, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊपर-विभाग घर नं० 6-1-298/3/ए और बी वेन्कटरपुरम कालोनी, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1047/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० धीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 429-अर्जन/आगरा/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15/81 है तथा जो नूरी दरवाजा आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—456GI/79

1. श्रीमती विजय रानी बेवा श्री गिरधारी लाल उर्फ धुञ्जो बाबू निवासी नूरी दरवाजा, आगरा (अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी पत्नि श्री जगदीश चन्द मिश्र निवासी नूरी दरवाजा, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद भाग भवन नं० 15/81 का लगभग 1/2 भाग वतरफ पूर्वी भाग एरिया 871/2 वर्ग मीटर का है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-10-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 25 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 428/अर्जन/आगरा/79,80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/81 है, तथा जो नूरी दरवाजा आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-7-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति विजयरानी देवा गिरधारी लाल उर्फ धुज्जो बाबू निवासी नूरी दरवाजा आगरा (अन्तरक)
2. श्रीमति णकुन्तला देवी पति गोविन्द प्रसाद निवासी नूरी दरवाजा आगरा (अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाद भाग भवन नं० 15/81 का 1/2 भाग वतरफ पश्चिमी भाग एरिया 95/1/2 वर्ग मीटर का है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 25-10-1979

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 489ए/पी० एन०/खुर्जा/79-80—अतः मुझे  
वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो ग्राम नगला सभी में स्थित  
है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
8-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रिमो घन या अन्य प्राप्तिशयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रहलाद सिंह व महावीर सिंह व तेजपाल सिंह  
पुत्रगण फतह सिंह निवामी नगला सभी पर० व० तह० खुर्जा जिला  
बुलन्दशहर। (अन्तरक)

2. श्री सुरेण सिंह पुत्र श्री बुद्ध सिंह निवामी नगला सभी पर०  
व तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति पर अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रध्याय के 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि नं० 7—पुष्ता स्थित नगलासमी परगना  
11) 3 14

व तहसील खुर्जा जिला बुलन्दशहर लगानी 72-69 पैसे है।

वी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 775-ए/पी० एन०/गाजियाबाद/79-80—

अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 49 है तथा जो ग्राम औरंगनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (आन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री होशयार सिंह पुत्र वन्शी निवासी ग्राम औरंगा-  
नगर किनापुर, परगना जलालाबाद : जिला गाजियाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री जगबीर सिंह व श्री अशोक कुमार पुत्रगण  
करन सिंह निवासी बजपुरा तहसील अनूपशहर जिला बुलन्दशहर  
हाल औरंगनगर किनापुर जिला : गाजियाबाद, परगना  
जलालाबाद।  
(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नम्बर 49 रकबई छः बीघा तीन बिस्वा तीन बिस्वासी पुख्ता स्थित ग्राम औरंगनगर किनापुर, परगना जलालाबाद जिला : गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-10-1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० 811-ए/देहरादून/79-80—अतः मुझे, बी०  
सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 25 है तथा जो सरक्यूलर रोड  
डालन वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
देहरादून में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 27-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० बनमालीकृष्ण पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी  
नम्बर 25 सरक्यूलर रोड, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्रीमती आनन्दी देवी सजवांशा धर्मपत्नी मेजर  
दलीप सिंह सजवांशा निवासी नम्बर 51/8 हरिद्वार रोड।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति नम्बर 29 सरक्यूलर रोड डालन वाला देहरादून  
जिसमें 5 कमरे रसोई स्नानगृह आदि हैं जिसका कुल क्षेत्रफल  
12500 वर्ग फीट या 1162.50 वर्गमीटर हैं मकान एक  
मंजिला है व 179.86 वर्गमीटर में बना है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 17-11-1979  
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निदेश सं० 471-ए/देहरादून 79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है तथा जो तेज बहादुर रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-6-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचासवर्षीय संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री किशन दत्त शर्मा पुत्र श्री सूर्यीलाल शर्मा निवासी (डी० आई० जी०, बी० एस० एच०, जोधपुर) मोहल्ला तुलसी चबूतरा, मथुरा । (अन्तरक)

2. श्री ओम नारायण त्रिवेदी पुत्र श्री एम० आर० त्रिवेदी, निवासी 15 ई, बलबी रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि तथा मकान जिनका नम्बर 5 ब्लाक एन पुराना नम्बर 35 तथा क्षेत्रफल 1624 वर्ग मीटर है जो कि देहरादून रोड पर स्थित है ।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, कानपुरतारीख : 30-11-1979  
[मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निदेश सं० 522/ए/बु० गहर—अतः मुझे, बी० सी०  
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है तथा जो सिविल लाइन बुलन्दशहर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 11-6-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारिक में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अप्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों संबंधित:—

1. श्री चौधरी मुक्तार सिंह पुत्र चौधरी हर प्रसाद सिंह  
32 सिविल लाइन बुलन्दशहर। (अन्तरक)

2. बुलन्द लैंड डवलपमेंट कम्पनी, 14 औरंगजेब रोड, नई  
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के  
वास्तविक रूप से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही पर्य्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

6172 मुरब्बागज भूमि स्थित 32 सिविल लाइन बुलन्दशहर  
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-11-1979  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निदेश सं० 393-ए/कानपुर/78-79—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16/97 है तथा जो दी माल कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या क्रिमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यातु :—

1. श्री बी० एन० जावेरी व एस० एन० जावेरी व श्री आर० एन० जावेरी व श्री पी० एन जावेरी साकिनान 16/97 दि माल, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री शिवशंकर मिश्रा व श्रीमति सरोज मिश्र व श्री परवीन कुमार मिश्रा निवासीगण टैगोर रोड 18, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 16/97 दि माल कानपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-11-1979

मोहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आ.क. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० 959-ए/खुर्जा—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 345 व 547 है तथा जो ग्राम  
मोहम्मदपुर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 11-7-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अर्थों में अर्थात् :—

16-456GI/79

1. श्री रामनारायण पृथ्वी श्री रामस्वरूप गोड़ निवासी  
खुर्जा जिला बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्रीमति नवाब कौर पति लीला सिंह निवासी मोह-  
म्मदपुर पर० जेवर तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या हस्तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भारत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्भावी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 345 व 547 जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा  
11 बिस्वा 13 बिस्वसी ग्राम मोहम्मदपुर तह० खुर्जा जिला बुलन्द-  
शहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 11-12-1979

मोहर :

## प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 777/अर्जन/इटावा/79-80—अतः मुझे  
बी० सी० चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिमकी सं० है तथा जो बकेवर पर० भर-  
थना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरथना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 21-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रक्षपाल सिंह पुत्र श्री रघू सिंह सा विक्रपुर  
तह० विधना जिला इटावा (अन्तरक)

2. श्रीमति जानकी देवी पति श्री प्रियम किशोर, होम  
सिंह पुत्र अजब सिंह, गजाधर सिंह पुत्र गेर सिंह, जयदेवी बेवा  
नाम सिंह व अभिलाष सिंह व माम सिंह बालिंग व इन्द-  
पाल सिंह व अजयपाल सिंह नाबालिंग पुत्र भुकुट सिंह  
सा० बकेवर पर० भरथना जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि बकेवर पर० सा० विक्रपुर तह० विधना जिला  
इटावा ।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-180

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० 768/अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 18/163 ए/67 है तथा जो वक्के विभाव-नगर आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती ललिता धर्म पत्नि श्री श्रीम प्रकाश पान्डे सा० 18/163 ए-145 बी० विभव नगर आगरा (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हारून पुत्र श्री मोहम्मद याकूब साकिन 32/75/ ए हरी नगर कालोनी शमशाबाद रोड आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जायदाद नंबरी 18/163 ए/67 वक्के विभव नगर आगरा।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 789-अर्जन/आगरा/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1032 है तथा जो एम्मादपुर में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम्मादपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रनबीर सिंह पुत्र श्री पोरब लाल निवासी नगला छबीला मौजा बरहन पो० बरहन तह० एम्मादपुर जिला आगरा। (अन्तरक)

2. श्रीमति पूरन देवी पति सत्य प्रकाश मौजा बरहन पो० बरहन व श्रीमति मीरा देवी पति रनबीर सिंह निवासी नगला छबीला मौजा व पो० बरहन पर० एम्मादपुर जिला आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा बरहन पर० एम्मादपुर 1032/51/316 ल० 62-25 पेसे।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० 776/अर्जन/इटावा/79-80—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 96/1/1, 33 व 100/0.97 है तथा जो सराय ऐसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) एसी किसी आय या किसी भ्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मांध:—

1. श्री विजय किशोर टण्डन पुत्र स्व० ला० जुगल किशोर टण्डन मा० शहर इटावा मौहल्ला काजीटोलाकुंज। (अन्तरक)

2. श्री मुकट सिंह व कुण्ण गोपाल व साखनसिंह व सुरेश चन्द रमेश चन्द वयस्कगण व अरविन्द कुमार सिंह ना-बालिग विलायत पिता पुत्रगण श्री बीरबल सिंह नि० नगला प्रतापपुरा मौ० निलोई पर० व० जिला इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शरटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अराजियात काफ्त वाके ग्राम सराय ऐसर परगना व जिला इटावा नम्बररान 96/1/1, 33 व 100/0.97 101/0.60 व 103/2.69 व 104/4.74 व 105/2.29-6 किता /12.62 ला० 97.10 रु०।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-1-1980  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० 744/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 281 है तथा जो ब्लाक न० एच०/2 काकादेव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में ताम्रनिर्दिष्ट रूप से संचित नहीं किया गया है :—

(क) अतः न से हुई किसी आय को राजन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सरदार सोहन सिंह पुत्र सरदार हरी सिंह साकिन 200/3 शास्त्री नगर, कानपुर बहैसियत मुक्तारो ग्राम मिनजा निब सरदार गुबरचन सिंह बल्द सरदार बड़ सिंह, सा० 15 पटेल रोड शाहजहांपुर। (अन्तरक)

2. सरदार हरजेंद्र सिंह व सरदार जसबीर सिंह पुत्रगण सरदार निरंजन सिंह सा० 37/1 शास्त्री नगर कालोनी, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना प्राय करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त मंत्रि के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—उपरोक्त प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में यथा-वर्णित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक न० एच० 2 काकादेव कानपुर में स्थित है प्लॉट न० 281।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 763/अर्जन/आगरा/79—80—अतः मुझे,  
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 14/284 14/284/1 है तथा जो मदन मोहन  
दरवाजा आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 31-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कामेश्वर प्रसाद भटनागर पुत्र श्री अम्बा प्रसाद  
बि० रमेश भटनागर नाबालिक पुत्र खुद व शैलेश भटनागर व  
राकेश भटनागर पुत्र रामेश्वर प्रसाद निः मदन मोहन दरवाजा  
आगरा। (अन्तरक)

2. श्री गिरिज सरन गौतम पुत्र श्री श्याम सुन्दर गौतम  
नन्द किशोर पुत्र गिरीज सरन श्रीमति बजरानी गौतम पत्नि  
गिरीज गौतम प्रेम नारायण गौतम पुत्र गिरीज सरन गौतम  
जि० शोहरवाजा आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता जायदाद नं० 14/284 14/284/1 552.69  
वर्ग मीटर बाके मदन मोहन दरवाजा आगरा में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० 758/अर्जन/इटावा/78-79—अतः मुझे बी०  
सी० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 502 है तथा जो मौजा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तु, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुन्दरालाल पुत्र श्री कल्याण निवासी पुर्वाढिका  
मौजा औसो पञ्चालय गुलरिहा परगना बिधूना जिला इटावा  
(अन्तरक)

2. श्री बाबूराम पुत्र श्री विश्वनाथ नि० पुर्वाढिका मौजा  
औसो पञ्चालय गुलरिहा परगना बिधूना जिला इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा गुलरिहा भूमि 502 रकबा 4.52 कृषि भूमि  
30,000 की बेची है जिसका उचित व बाजारी मूल्य  
63,500/— है।

बी० सी० चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विराजण)

घर्जन रंज पटना

पटना दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निदेश सं० III-356/घर्जन/79-80—अतः मुझे जे०

माथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 105 है खाता नं० 124 है तथा जो म्यूनिसपल प्लॉट नं० 462 वार्ड नं० 6 (पुराना) 15 (नया) बौद्ध बाजार हजारीबाग में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-5-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रभात कुमार मुखर्जी पुत्र स्व० विनय कृष्ण मुखर्जी प्रबन्धक आई० सी० आई० निवासी 9 पूर्वी मार्ग, बसन्त बिहार नई दिल्ली-57। (अन्तरक)

2. श्री धीरेंद्र कुमार जैन पुत्र स्व० सुगन चन्द जैन हजारी बाग शहर। (अन्तरिती)

3. सुषि संगलग्न (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

| सं०              | नाम               | होलिडैन नम्बर |
|------------------|-------------------|---------------|
| (घुसान कमरा नं०) |                   |               |
| 1                | विजय कुमार गुप्ता | 148           |
| 2                | विजय कुमार गुप्ता | 149           |
| 3                | सुगल किशोर वर्मा  | 150           |
| 4                | बी० डी० जयसवाल    | 151           |
| 5                | मानक चन्द जैन     | 152           |

17-456 GI/J9

| घुसान कमरा नं०                | नाम                                | होलिडैन नं० |
|-------------------------------|------------------------------------|-------------|
| 1                             | जनार्दन प्रसाद मोदी                | 153         |
| 3                             | भगवान भद्रवाल<br>(एम० पी० भद्रवाल) | 158         |
| 4                             | कल्याण दत्त भद्रवाल                | 159         |
| 5                             | मानीक चन्द जैन<br>उपरोक्त          | 160         |
| 6                             | टी० भट्टाचार्य                     | 161         |
| 7                             | सरयु ठाकुर                         | 162         |
| 8                             |                                    | 163         |
| 9                             | लक्ष्मी प्रसाद पुत्र               | 164         |
|                               | द्वारिका साव                       |             |
| 9(ए)                          | वज्रमूल जैन                        | 165         |
| 10                            | सरदार सिंह                         | 166         |
| 11                            | सधन कुमार रंजीत                    | 167         |
| 12                            | लक्ष्मी नारायण कैथेरा              | 168         |
| 13                            | श्रीम प्रकाश खन्डेलवाल             | 169         |
| 14                            | निर्मल कुमार खन्डेलवाल             |             |
| 15                            | मोहम्मद कासीम (मसीद महमद)          | 170         |
| 16                            | देवी प्रसाद                        | 171         |
| 17                            | बेला बन्स                          | 173         |
| 19                            | सुरेन्द्र सिंह                     | 175         |
| 20                            | सेर भली (पहले पीर मोहम्मद)         | 176         |
| 20(9)                         | निजामुद्दीन                        | 177         |
| टाइल्स मकान                   |                                    |             |
| प्लॉट नं० 103 विश्वनाथ प्रसाद |                                    | 156         |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषितवाक्य के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का रकबा 0.11 एकड़ दुकान तथा कुछ अन्य बनावट सहित जो हजारी बाग शहर में स्थित है तथा पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 6832 दिनांक 28-5-1979 जिला भवन निबन्धन पराधिकारी हजारी बाग में निबन्धित है।

ज्योतिन्द्र नाथ,

सभ्य प्राधिकारी,

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

घर्जन रंज, पटना।

तारीख: 17-10-1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निदेश सं० III—357/अर्जन/79-80—अतः मुझे जे०  
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 105, 106 खाता नं० 124  
है, तथा जो म्यूनिसिपल प्लॉट नं० 462 वार्ड नं० 6 (पुराना)  
15 (नया) बडिम बाजार हजारीबाग में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
23-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई हिस्से आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी  
करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिस्से आय या हिस्से धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित वाक्यों, अर्थात्:—

1. श्री प्रणव कान्ति चटर्जी, पावर आफ एटोरेनी और  
बास्ते श्रीमति अनुपमा देवी, विधवा स्व० श्री अमृत्यु धन  
मुखर्जी निवासी 143/1, इन्दरा विश्वास रोड कार्यालय कांशी-  
और कलकत्ता-37 (अन्तरक)

2. श्री रूप चन्द जैन पुत्र स्व० सुगन चन्द जैन हजारी-  
बाग शहर। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

किराएदारों की सूची

| सं०                            | नाम               | होलिडग नम्बर |
|--------------------------------|-------------------|--------------|
| वर्तमान शोपरूप<br>(बुकान कमरा) |                   |              |
| 1.                             | विजय कुमार गुप्ता | 148          |
| 2.                             | विजय कुमार गुप्ता | 149          |

|    |                  |     |
|----|------------------|-----|
| 3. | युगल किशोर वर्मा | 150 |
| 4. | वी० डी० जयसवाल   | 151 |
| 5. | मानीक चन्द जैन   | 152 |

बुकान कमरा नं०

|       |                                    |     |
|-------|------------------------------------|-----|
| 1     | जनार्दन प्रसाद मोदी                | 153 |
| 3     | भगवान अग्रवाल<br>(एम० पी० अग्रवाल) | 158 |
| 4     | कल्याण वत्त अग्रवाल                | 159 |
| 5     | मानीक चन्द जैन                     | 160 |
| 6     | उपरोक्त                            | 161 |
| 7     | टी० भट्टाचार्य                     | 162 |
| 8     | सरयू ठाकुर                         | 163 |
| 9     | लक्ष्मी प्रसाद पुत्र               | 164 |
|       | द्वारिका साव                       | 165 |
| 9(ए)  | अजमल जैन                           | 165 |
| 10    | सरदार सिंह                         | 166 |
| 11    | सचन कुमार रंचीट                    | 167 |
| 12    | लक्ष्मी नारायण केशरा               | 168 |
| 13    | श्रीम प्रकाश खन्डेलवाल             | 169 |
| 14    | निर्मल कुमार खन्डेलवाल             |     |
| 15    | मोहम्मद कासीम (मसीद अहमद)          | 170 |
| 16    | देवी प्रसाद                        | 171 |
| 17    | बैला बल्ल                          | 173 |
| 19    | सुरेंद्र सिंह                      | 175 |
| 20    | सर अली (पहले पीर मोहम्मद)          | 176 |
| 20(9) | निजामुद्दीन                        | 177 |

टाइल्स मकान

|               |                 |     |
|---------------|-----------------|-----|
| प्लॉट नं० 103 | विश्वनाथ प्रसाद | 156 |
|---------------|-----------------|-----|

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 0.22 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य  
बनावट सहित जो हजारीबाग शहर में स्थित है तथा पूर्ण  
रूप से दस्तावेज संख्या 6644 दिनांक 23-5-79 जिला अवर  
निबन्धन पदाधिकारी हजारी बाग में निबन्धीत है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 17-10-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निदेश सं० III—358/अर्जन/79-80—अतः मुझे जे०

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 101, 102, 103, 105  
है तथा जो खाता नं० 124, म्यूनिसिपल प्लॉट नं० 462,  
वार्ड नं० 6 (पुराना) वार्ड नं० 15 (नया) बड़म बाजार  
हजारीबाग शहर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय हजारी बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-5-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सविता बनर्जी विधवा स्व० श्री एस० के०  
बनर्जी और श्रीमती धीरा चटर्जी पत्नी श्री प्रणव कान्ती  
चटर्जी निवासी 143/1, इन्द्रा विश्वास रोड, मंत्रालय कोशी-  
पोरजिल-कलकत्ता-37 (अन्तरक)

2. श्री सुमर चन्द जैन पुत्र स्व० सुगन चन्द जैन हजारी-  
बाग शहर (अन्तरितों)

किराएदारों की सूची

| गैरज नं० वर्त-<br>मान शीप रुम<br>(दुकान कमरा) | नाम               | होलिडिंग नम्बर |
|---|-------------------|----------------|
| 1   | विजय कुमार गुप्ता | 148            |
| 2   | विजय कुमार गुप्ता | 149            |
| 3   | युगल किशोर यर्मा  | 150            |

| 1 | 2               | 3   |
|---|-----------------|-----|
| 4 | बी० डी० जैन बाल | 151 |
| 5 | मानीक चन्द जैन  | 152 |

दुकान कमरा नं०

|       |                                      |     |
|-------|--------------------------------------|-----|
| 1     | जनार्दन प्रसाद मोदी                  | 153 |
| 3     | अग्रवाल अग्रवाल<br>(एम० पी० अग्रवाल) | 158 |
| 4     | कल्याण दत्त अग्रवाल                  | 159 |
| 5     | मानीक चन्द जैन                       | 160 |
| 6     | उपरोक्त                              | 161 |
| 7     | टी० भट्टाचार्य                       | 162 |
| 8     | सरयु ठाकुर                           | 163 |
| 9     | लक्ष्मी प्रसाद पुत्र<br>द्वारिका साव | 164 |
| 9(ए)  | अजयल जैन                             | 165 |
| 10    | अरुण सिंह                            | 166 |
| 11    | अनन कुमार रंजीत                      | 167 |
| 12    | नदीनी क. रंजीत                       | 168 |
| 13    | ओम प्रकाश रंजीत                      | 169 |
| 14    | निर्मल कुमार रंजीत                   |     |
| 15    | मोहम्मद कासिम (मोहम्मद अहमद)         | 170 |
| 16    | देवी प्रसाद                          | 171 |
| 17    | बेला बहरा                            | 173 |
| 19    | सुरेंद्र सिंह                        | 175 |
| 20    | शेर प्रवी (पुत्र शेर मोहम्मद)        | 176 |
| 20(9) | निजामुद्दीन                          | 177 |

टाईल्ड सतान

प्लॉट नं० 103 विश्वनाथ प्रसाद 156

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है।)

को यह सूचना जारी करत तुरन्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायबाली करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगियों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 0.22 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य  
बनावट सहित जो हजारीबाग शहर में स्थित है तथा पूर्ण रूप  
से दस्तावेज संख्या 6645 दिनांक 23-5-1979 जिला अवसर  
निबन्धन पदाधिकारी हजारीबाग में निबन्धित है।

जे० नाथ

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 17-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—  
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की  
 269-ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 भर्जन रेंज पटना  
 पटना दिनांक 17 अक्तूबर 1979  
 निदेश सं० III—359/भर्जन/79-80—प्रतः मुझे जे०  
 नाथ,  
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है  
 और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट नं० 105 खाता नं० 124 है,  
 तथा जो म्युनिसिपल प्लॉट नं० 462, वार्ड नं० 6 (पुराना)  
 15 (नया) ग्राम हजारी बज्र बाजार हजारीबाग में स्थित  
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारीबाग में रजिस्ट्री-  
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 तारीख 28-5-1979  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
 को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा; (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सविता बनर्जी पत्नी स्व० श्री ए० के०  
 बनर्जी और श्रीमति धीरा चटर्जी पत्नी श्री प्रणव कान्ती,  
 निवासी 143/1 इन्द्रा विश्वास रोड पत्तालय कीशीपौर  
 जिला कलकत्ता-37 (अन्तरक)
2. श्री रूप चन्द जैन पुत्र स्व० सुगत चन्द जैन हजारी  
 बाग सहर (अन्तरिती)
3. किरायेंदारों की सूची :

| गैरेज नं० वर्त-<br>मान सौप रूप<br>(दुकान कमरा) | नाम               | होस्टिंग नगर |
|--|-------------------|--------------|
| 1  | 2                 | 3            |
| 1  | विजय कुमार गुप्ता | 148          |
| 2  | विजय कुमार गुप्ता | 149          |

| 1                 | 2                              | 3   |
|-------------------|--------------------------------|-----|
| 3                 | युगल किशोर वर्मा               | 150 |
| 4                 | बी० डी० जीयसवाल                | 151 |
| 5                 | मानिक चन्द जैन                 | 152 |
| दुकान कमरा<br>नं० |                                |     |
| 1                 | जनार्दन प्रसाद मोदी            | 153 |
| 3                 | भगवान भगवान<br>(एम० पी० भगवान) | 158 |
| 4                 | कल्याण वल भगवान                | 159 |
| 5                 | मानिक चन्द जैन                 | 160 |
| 6                 | उपरोक्त                        | 161 |
| 7                 | टी० भट्टाचार्या                | 162 |
| 8                 | सरजू ठाकुर                     | 163 |
| 9                 | लक्ष्मी प्रसाद पुत्र           | 164 |
|                   | द्वारिका साह                   | 165 |
| 9(ए)              | ब्रजमूल जैन                    | 166 |
| 10                | सरदार सिंह                     | 167 |
| 11                | सचन कुमार रंजीट                | 168 |
| 12                | लक्ष्मी नारायण कैशरा           | 169 |
| 13                | श्रीम प्रकाश खन्डेलवाल         | - - |
| 14                | निर्मल कुमार खन्डेलवाल         | - - |
| 15                | मोहम्मद असीम (मसीद अहमद)       | 170 |
| 16                | देवी प्रसाद                    | 171 |
| 17                | बेला बक्ष                      | 173 |
| 19                | सुरेंद्र सिंह                  | 175 |
| 20                | श्रीमती (पहले पीर मोहम्मद)     | 176 |
| 20(9)             | निजामुद्दीन                    | 177 |

टाईल्स मकान  
 प्लॉट नं० 103 विश्वनाथ प्रसाद 156  
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्देशकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 0.11 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य  
 बनावट सहित जो हजारीबाग सहर में स्थित है तथा पूर्ण  
 रूप से दस्तावेज संख्या 6863 दिनांक 28-5-1979 जिला  
 अवर निबन्धन पदाधिकारी हजारीबाग में निबन्धन है।

ज० नाथ  
 सक्षम प्राधिकारी  
 निरीक्षी सहायक आयुक्त आयुक्त,  
 भर्जन रेंज पटना

तारीख : 17-10-1979  
 मोहर :



## प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, पटना

पटना, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निदेश सं० III--360/अर्जेंट/79-80--प्रतः मुझे जे०  
नाथ

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 105, खाता नं० 124 है, तथा  
जो म्यूनिसिपल प्लॉट नं० 462 ग्राम हजारी, बडमबाजार, हजारी  
बाग में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी  
बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 28-5-1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकूल के लिए प्रयत्नित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि पचासवें वर्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का बन्ध  
वर्षाव से अधिक है, और प्रत्येक (धनरकों) और प्रयत्नित  
(धनरकियों) के बीच ऐसे प्रत्येक के लिए तय पाया गया  
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम विहित में वास्तविक  
रूप से उचित नहीं किया गया है :--

(क) प्रत्येक वे हुई किसी आय को वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
प्रतिफल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और

(ख) एसी किसी आय या किसी हानि या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रणव कोन्ती चटर्जी पुत्र श्री पी० के० चटर्जी  
पावर आफ अटर्नी और वास्ते श्रीमती अनुपमा देवी पत्नी  
स्व० प्रमुखधन मुखर्जी निवासी 143/1, इन्द्रा विश्वास रोड  
पत्नालय कोशीपुर कलकत्ता (अन्तर्गत)

2. श्री सुमरचन्द जैन पुत्र सुगत चन्द जन मीजा--  
हजारीबाग पत्नालय/जिला जहारीबाग (अन्तर्गति)

किराएदारों की सूची

मैरेज नं० वर्त- नाम होलिडन नगर

मान सौप रूप

(दुकान कमरा)

| 1 | 1                 | 3   |
|---|-------------------|-----|
| 1 | विजय कुमार गुप्ता | 149 |
| 2 | विजय कुमार गुप्ता | 149 |

| 1              | 2                                    | 3   |
|----------------|--------------------------------------|-----|
| 3              | युगल किशोर वर्मा                     | 150 |
| 4              | बी० डी० जयसवाल                       | 151 |
| 5              | मानीक चन्द जैन                       | 152 |
| दुकान कमरा नं० |                                      |     |
| 1              | जनार्दन प्रसाद मोदी                  | 153 |
| 3              | भगवान अग्रवाल<br>(एम० पी० अग्रवाल)   | 158 |
| 4              | कल्याण वत्त अग्रवाल                  | 159 |
| 5              | मानीक चन्द जैन                       | 160 |
| 6              | उपरोक्त                              | 161 |
| 7              | टी० भट्टाचार्य                       | 162 |
| 8              | सरजू ठाकुर                           | 163 |
| 9              | लक्ष्मी प्रसाद पुत्र<br>द्वारीका साव | 164 |
| 9(ए)           | ब्रजमूल जैन                          | 165 |
| 10             | सरदार सिंह                           | 166 |
| 11             | सधन कुमार रचीट                       | 167 |
| 12             | लक्ष्मी नारायण केशरा                 | 168 |
| 13             | श्रीम प्रकाश खन्डेलवाल               | 169 |
| 14             | निर्मल कुमार खन्डेलवाल               | 170 |
| 15             | मोहम्मद कासीम (मसी मोहम्मद)          | 171 |
| 16             | देवी प्रसाद                          | 171 |
| 17             | बेला वसंत                            | 173 |
| 19             | सुरेन्द्र सिंह                       | 176 |
| 20             | सेर अली (पहले पीर मोहम्मद)           | 176 |
| 20(9)          | निजामुद्दीन                          | 177 |

टाईल्ड मकान

प्लॉट नं० 103 विश्वनाथ प्रसाद 156  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाभ:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया हुआ है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 0.11 एकड़ मकान तथा कुछ अन्य  
बनावट सहित जो हजारी बाग सहर में स्थित है तथा पूर्ण  
रूप से दस्तावेज संख्या 6864 दिनांक 28-5-1979 जिला  
अवर निबन्धन पदाधिकारी हजारीबाग में निबन्धीत है।

जे० नाथ,

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर प्रायुक्त

अर्जेंट, रेंज पटना

तारीख 17-10-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----  
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, बिहार, पटना  
 पटना, दिनांक 17 अक्तूबर 1979

निदेश सं० III-361/79-80--अतः, मुझे, जे० नाथ,  
 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
 कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
 से अधिक है  
 और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 156 नया बार्ड नं० 15  
 है, तथा जो प्लॉट नं० 103 (पश्चिमी अंश) 104 (अंश)  
 105 (उत्तरी अंश) ग्राम हजारी, बड़म बाजार हजारीबाग  
 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजारी-  
 बाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन तारीख 25-5-1979  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्व संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
 अधिनियम में प्रयोग कर देने के अन्तरक के  
 मापदण्ड में कमी करने या कमसे कमने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य मास्त्रियों को  
 जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922  
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो  
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री प्रभात कुमार मुखर्जी एवं स्व० विनय कृष्णा  
 मुखर्जी प्रबन्धक आई० सी० आई० निवासी पूर्वी मार्ग, बसन्त  
 विहार, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री धीरेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व० सुगत चन्दा जैन  
 हजारी बाग शहर। (अन्तरिती)

3. किरायेदारों की सूची :-

| गैरज नं० वर्त-<br>मान शोध रूप<br>दुकान कमरा | नाम               | होल्डिंग नम्बर |
|---|-------------------|----------------|
| (1)   | (2)               | (3)            |
| 1   | विजय कुमार गुप्ता | 148            |
| 2   | विजय कुमार गुप्ता | 149            |
| 3   | भुगत किशोर वर्मा  | 150            |

| (1)                            | (2) | (3)                                       | (4) |
|--------------------------------|-----|---|-----|
| 4                              | —   | वी० डी० जैयसवाल                           | 151 |
| 5                              | —   | मानीक चन्द जैन                            | 152 |
| दुकान कमरा नं०                 |     |   |     |
| 1                              |     | जनार्दन प्रसाद मोदी                       | 153 |
| 3                              |     | भगवान अग्रवाल<br>(एम० पी० अग्रवाल)        | 158 |
| 4                              |     | कल्याण दत्त अग्रवाल                       | 159 |
| 5                              |     | मानीक चन्द जैन                            | 160 |
| 6                              |     | उपरोक्त                                   | 161 |
| 7                              |     | टी० भट्टाचार्य                            | 162 |
| 8                              |     | सरयू ठाकुर                                | 163 |
| 9                              |     | लक्ष्मी प्रसाद                            |     |
|                                |     | पुत्र द्वारिका साव                        | 164 |
| 9(ए)                           |     | ब्रजमूल जैन                               | 165 |
| 10                             |     | सरदार सिंह                                | 166 |
| 11                             |     | सचन कुमार गंचीट                           | 167 |
| 12                             |     | लक्ष्मी नारायण केशरा                      | 168 |
| 13                             |     | श्रीम प्रकाश खंडेलवाल                     | 169 |
| 14                             |     | निर्मल कुमार खंडेलवाल                     |     |
| 15                             |     | मोहम्मद हसीम (मसीद अहमद)                  | 170 |
| 16                             |     | देवी प्रसाद                               | 171 |
| 17                             |     | बेला बक्स                                 | 173 |
| 19                             |     | सुरेंद्र सिंह                             | 175 |
| 20                             |     | सरश्री (पहले पीर मोहम्मद)                 | 176 |
| 20(ए)                          |     | निजामुद्दीन                               | 177 |
| टाइल्स मकान                    |     |   |     |
| प्लॉट नं० 103 विश्व नाथ प्रसाद |     |   |     |
|                                |     | (वह व्यक्ति, उनके अधिनियम में संपत्ति है) | 156 |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

सक्षम संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 0.22 एकड़ मकान सहित जिसका  
 होल्डिंग नम्बर 156 बार्ड नं० 15 प्लॉट नं० 103, 104,  
 105 है जो ग्राम हजारी बड़म बाजार हजारीबाग में स्थित  
 है तथा पूर्ण रूप से दस्तवेज संख्या 6720 दिनांक 25-5-79  
 जिला अवर नियन्त्रण पदाधिकारी हजारीबाग में निबन्धीन है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 17-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० III 368/अर्जन/79-80-अतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० डोरिडिंग नं० 747, मॉडल नं० 20वी, वार्ड नं० 11 एम० एम० प्लॉट नं० 621 तोजी नं० 802 थाना नं० 137 है तथा जो कदम कुप्रां कांग्रेस नगर पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती फूल कुमारी देवी पत्नी स्व० श्री बैजनाथ प्रसाद सिंह उर्फ नुनु बाबू पुत्री स्व० श्री काली चरण सिंह ग्राम राजीपुर थाना विक्रम जिला पटना वर्तमान कदम कुप्रां कांग्रेस नगर पटना। (अन्तरक)

2. श्रीमती शमिष्ठा शर्मा पत्नी श्री हृदय नारायण शर्मा निवासी 377 विद्युत बिल्डिंग गिरगांव रोड, फस्ट फ्लोर बंबई-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पूर्ण मकान जो तीन मंजिला है उसका फस्ट फ्लोर का सम्पूर्ण किता जो एक कठ्ठा तेरह घूर के रकबे में स्थित है तथा जो कदम कुप्रां कांग्रेस नगर, पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2979 दिनांक 19-5-1979 में वर्णित है तथा जो जिला अवसर निवेन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बिहार, पटनातारीख 1-1-1980  
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० III 369/अर्जुन/79-80:-प्रप्तः, मुझे,  
ज्योतिन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० होल्डिंग नं० 74ए, सकिल नं० 20 बी  
वाडें नं० 11 एम० एस० प्लॉट नं० 621 तोजी नं० 802  
थाना 137 है, तथा जो कदम कुआं कांग्रेस नगर, पटना  
में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 19-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्ष की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में शब्दबद्ध रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में बुद्धि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाम या किसी बन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
बुद्धि के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती फूल कुमारी देवी पति स्व० श्री ब्रज नाथ  
प्रसाद सिंह उर्फ नुनू बाबू पुत्री स्व० श्री कालीचरण सिंह ग्राम  
राजीपुर थाना विक्रम जिला पटना वर्तमान कदम कुआं  
कांग्रेस नगर पटना-3 । (अन्तरक)

2. श्री हृदय नारायण शर्मा पुत्र स्व० श्री कैलाश शर्मा  
ग्राम विहटा पोस्ट बिहड़ा जिला पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यशोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्तीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित नहीं हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पूर्ण मकान जो तीन मंजिला है उसका दूसरा फ्लोर  
का सम्पूर्ण हिस्सा जो एक कट्टा तेरह घूर के रकबे में स्थित  
है तथा जो कदम कुआं कांग्रेस नगर पटना में स्थित है और  
पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 2978 दिनांक 19-5-78  
में वर्णित है और जो जिला अवर निवेक्षण पदाधिकारी  
पटना द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० III-370/अर्जन/79-80—अतः, मुझे, ज्योतिन्द्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 762 हो० नं० 567/401 (नया) और 316 (पुराना) सं० नं० 6 बार्ड नं० 2 सीट नं० 31 है तथा तथय जो एग्जीबीसन रोड और न्यू डाक बंगलो रोड पटना के कोने में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

18-456GI/79

1. श्री शमशेर जंग मेहता पिता श्री केदार नाथ मेहता 28, मदानन्द रोड, काशीघाट, कलकत्ता-26। (अन्तरक)

2. श्री गणेश अमरीक सिंह पिता स्व० सरदार लाल सिंह 166 पाटलीपुत्रा कालोनी, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 2306 वर्ग फीट है जो न्यू डाक बंगलो रोड और एग्जीबीसन रोड के कोने पर स्थित है जिसका म्युनिसिपल प्लॉट नं० 762, हो० नं० 567/401 (नया) और 316 (पुराना) सं० नं० 6 बार्ड नं० 2, सीट नं० 31 है तथा जो रजिस्ट्रार और एग्जोरेंस कलकत्ता द्वारा पंजीकृत दस्तावेज संख्या L-2598 दिनांक 11-5-79 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 1-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 28 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सीआर 62/23952/79-80/एसीक्यू/बी—

अतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 226, है, तथा जो राजामहल विलास एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 530/79-80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 30-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उतने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ( ) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एम० देसीकर वालीवालम तजूर डिस्ट्रिक्ट (अन्तरक)

2. श्री (1) एम० एल० वाज 2. मिसेज ईवा इ० वाज देवानारी 226 राज महल विलास एक्सटेंशन बंगलूर-560006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 530/79-80 ता० 30-5-79]

वर सम्पत्ति सं० 226 तथा जो राजामहल विलास एक्सटेंशन बंगलूर में है।

पी० रंगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 28-11-1979  
मोहर :

प्रकरण चार्जिं टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी०आर० 23999/79-80/एसीक्यू/बी—

अतः मुझे पी० रगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 59 है तथा जो तीसरा मेन रोड या गोविन्दप्पा रोड बसावनगुडी बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बसावनगुडी बंगलूर दस्तावेज सं० 544/79—80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सी० एम० रामचन्द्रा राव, (2) श्रीमति सीता बाई (3) श्री सी० आर० वेंकटा राव (4) श्री सी० आर० पी० रंगा राव (5) सी० आर० बदरीनाथ (6) सी० आर० गोपीनाथ (7) श्रीमति लालिथा बाई (8) श्री सी० एन० श्रीनिवासन राव (9) श्रीमति पारीमाला (10) कृष्णा कुमार पुत्र सी० एन० श्रीनिवासा राव और (11) कुमारी बीना पुत्री सी० एन० श्रीनिवासा राव पता : क्रमिक सं० 1 और 2 सं० 59 गोविन्दप्पा रोड बसावनगुडी बंगलूर क्रमिक सं० 3 से 6 को रेप्रे-सेंट कर रहे हैं श्री सी० एम० रामचन्द्र राव, श्री पी० ए० होल्डर (अन्तरक)

2. (1) डी० ए० सपनगीरामा वट्टी (2) श्रीमति टी० एस० यारोजम्मा सं० 109, हासपीटल रोड बंगलूर-52 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 544/7980 ता० 21-5-1979]।

घर सम्पत्ति पुराना सं० 10 और नया सं० है 59, तीसरा मेन रोड और अब कहलाता है गोविन्दप्पा रोड बसावनगुडी, बंगलूर-4।

पी० रगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 7-12-1979  
मोहर:

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/24091/79-80/ए० क्यू०/बी—अतः मुझे पी० रंगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 239 है तथा जो बिन्नमंगला लेआउट, सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन ता० 12-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ले० क० दुर्गादास बानर्जी नं० 2/ए राशिल बोष लेन कलकता-5 रिप्रजेंट कर रहे हैं उनके पी० ए० होल्डर श्री सी० रामस्वामि श्रीयंगार (अन्तरक)

2. कप्तान के० एस० श्रीकान्त नं० 189, दसवां क्रास विलसनगार्डन बंगलूर रेप्रजेंट कर रहे हैं उनके पी० ए० होल्डर डा० एस० एस० राया (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज नं० 484/79-80 ता० 12-6-1979)

खाली जगह सं० 239, तथा जो बिन्नमंगला लेआउट बंगलूर में स्थित हैं।

परिमिती

पू—प—70 फूट

उ—द—100 फूट

पूरा क्षेत्र—650.32 चर मीटर

चक्रवन्दी

पू—अस्सी फूट सड़क

प—जगह सं० 236

उ—जगह सं० 240

द—जगह सं० 238

पी० रंगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 11-12-1979

मोहर :



प्रकरण आई. टी. एन. एन.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23967/79—80/एक्यू०/  
बी—अतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 91, है तथा जो ननदीदूर्गा रोड, बंगलूर-6,  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-  
नगर बंगलूर-6, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) अधीन 30-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिये प्रत्यक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पट्टा प्रतिशत से  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी क ने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

1. श्री बी० पी० शीवन पुत्र लेट एम० पी० बस्सप्पा  
सं० 91, ननदीदूर्गा रोड बंगलूर-6 (अन्तरक)
2. श्री सी० वी० नरासिम्हन पुत्र लेट श्री सी० एस०  
वेंकटासवमी नायडू सं० 91 ननदीदूर्गा रोड बंगलूर-6 (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी घोषण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 681/79—80 ता० 30-5-1979) घर  
सम्पत्ति मुनसीपल सं० 91 ननदीदूर्गा रोड बंगलूर-6  
ननदीदूर्गा रोड  
चक्रवर्ती  
पू—निजी सम्पत्ति  
प—निजी सम्पत्ति  
उ—निजसम्पत्ति  
द—साइट सं० 90

पी० रानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/24001/79-80/ए० क्यू०/बी—अतः मुझे पी० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 60, है तथा जो दूसरे क्रास, खलासीपालयम नियो लेआउट बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसावनगुडी बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन ता० 21-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री एस० डी० सेशय्या बाप का नाम एस० डी० श्रीनिवासय्या सं० 7, पार्क वियो सौत पब्लिक स्कूल रोड बसावनगुडी बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्रीमति एम० अमीर अननीसा बेगम सं० 8 (अपस्टे-रस) चौथा क्रास, सादर पतरप्पा रोड, कुमवारपेट बंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 557/79—80 ता० 21-5-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 60 तथा जो दूसरे क्रास खलासीपालयम नियो लेआउट, बंगलूर-2 ।

चकबन्दी :—

उ—निजी सम्पत्ति

व—दूसरा क्रास

पू—प्रमिसस सं० 61

पञ्च—निजी सम्पत्ति

पी० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1979

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/24002/79—80/ए०सी०  
क्यू/बी—अतः मुझे पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 61 है तथा जो दूसरा क्रस खलासीपालयम नियोज लेआउट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसावनगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे वाबप उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री एस० डी० एम० सेशेय्या पुत्र श्री एस० डी० श्रीनिवासय्या सं० 7 पारक वियू, सांत पब्लिक स्कूल रोड, बसावनगुडी बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्री एम० बी० हबीबुर राहमान सं० 61 दूसरा क्रस खलासीपालयम नियोज लेआउट बंगलूर (अन्तरिती)

3. 1. सय्यद अली (2) मधूनाता शट (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो थी अवधिबद्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 558/79-80 ता० 21-5-1979)

घर सम्पत्ति सं० 61, दूसरा क्रस खलासी पालयम नियोज लेआउट बंगलूर-2।

चकबन्दी:—

उ—निजी सम्पत्ति

द—दूसरा क्रस

पू—निजी सम्पत्ति

प—सम्पत्ति सं० 60

पी० रंगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-12-1979

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/24876/79—80/ए०सी० क्र्यू/बी—अतः मुझे, पी० रंगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 212 है, तथा जो सूबेदार छतरम रोड, सेशादरीपुरम, बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन ता० 14-8-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) के० वी० नारायण सं० 15, वेस्ट पार्क रोड मलेशवर्म, बेंगलूर (2) के० वी० रामचंद्रन सं० 5, 'शीवाकामा ईस्ट लिफ्ट रोड मलेशवर्म (सी० स्ट्रीट) बेंगलूर (3) वी० सदासीवम सं० 98 "कस्तूरी हौस" तेरवां कास, छटवां मेन, मलेशवर्म (4) के० वी० कृष्णमूर्ति छटवां मेन, मलेशवर्म बेंगलूर-3 (अन्तरक)

2. (1) श्री डी० के० रामचंद्रा सं० 181 बलेपेट बेंगलूर (2) के० पुट्टु राव सं० 58 रामकृष्णा पुरम, अन्नम्मा टेम्पल एक्सटेंशन बंगलूर-9 (अन्तरिती)

3. (1) अलताफ जुबीली रेडियो हौस (2) कपीटल हेर डरससरस (3) फोटो स्टुडियो (4) सावीता स्टोरस (5) फरन्डस टैलरस (6) के० एन० मूरती (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1565/79-80 ता० 14-8-79)

घर सम्पत्ति सं० 212, तथा जो सूबेदार छतरम रोड बंगलूर-20 में है।

चक्रवर्ती:—

पू : नारीदासाबू की सम्पत्ति

प : सूबेदार छतरम रोड

उ : राधा स्तो सम्पत्ति

द : टी० वी० नारायणास्वामी अईर सम्पत्ति

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 21-12-1979

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 19th January 1980

No. F. 6/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Ved Prakash Sharma, Private Secretary to Hon'ble Judge to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of January 18, 1980, until further orders.

MAHESH PRASAD  
Deputy Registrar (Admn. J.)  
Supreme Court of India

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd December 1979

No. A. 12019/1/75-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for the period from 1-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri J. L. Kapur,
2. Miss Santosh Handa.

No. A. 12019/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 3-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier :

1. Smt. Sudha Bhargava
2. Shri Chand Kiran
3. Shri J. N. S. Tyagi.

No. A. 32016/2/78-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for the period from 3-12-1979 to 29-2-1980, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

The 24th December 1979

No. A. 31013/1/79-Admn. II.—In supersession of this office notification of even number dated 7-12-1979, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints substantively, Shri M. P. Guha, a permanent officer of the West Bengal Agricultural Service (Administrative) and officiating as Senior Research Officer (Bengali) in the office of the Union Public Service Commission since 17-11-1969 to the same post *viz.*, Senior Research Officer (Bengali) *w.e.f.* 28-8-1979.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
for Chairman

New Delhi-11, the 22nd December 1979

No. A. 32013/3/79-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 27-11-1979, the President is pleased to continue the appointment of Smt. Veena Maitra, an officer of the Military Lands and Cantonments Service as Deputy Secretary in the office of the UPSC for a further period from 24th November, 1979 until further orders.

The 4th January 1980

No. P/271-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission, notifications of even No. dated 15-3-79 and 17-9-79, the re-employment of Shri S. P. Chakravarty beyond superannuation in the post of Officer on Special Duty 19—456GI/79

(Confidential) in the office of Union Public Service Commission has been continued further from 1-1-80 to 31-3-80, with the concurrence of the Ministry of Home Affairs Department of Personnel & Administrative Reforms *vide* their letter No. 39017/16/79-Fatt. (B) dated 24-12-79.

The 14th January 1980

No. A. 32013/1/79-Admn. I(i).—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier :

S. No., Name &amp; Period

S/Shri

1. B. B. Mehra, Grade A Officer of CSSS from 22-10-79 to 21-1-1980.
2. B. S. Kapur, Section Officer from 13-10-79 to 12-1-1980
3. R. N. Khurana, Section Officer from 21-11-79 to 20-2-1980
4. J. P. Goel, Section Officer from 3-12-79 to 29-2-1980
5. M. A. Ganapathy Ram, Grade A Officer of CSSS from 5-11-79 to 20-12-79

No. A. 32013/1/79-Admn. I(ii).—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on *ad hoc* basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier :—

| S. No. | Name                                 | Period                    |
|--------|--------------------------------------|---------------------------|
| S/Shri |                                      |                           |
| 1.     | P. C. Mathur, Section Officer        | from 23-10-79 to 22-1-80  |
| 2.     | T. M. Kokel, Grade A Officer of CSSS | from 24-11-79 to 24-12-79 |
| 3.     | S. Srinivasan, Section Officer       | from 24-11-79 to 2-1-80   |
| 4.     | D. P. Roy, Section Officer           | from 6-11-79 to 26-12-79  |

S. BALACHANDRAN, Under Secy.  
Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st January 1980

No. 10 RCT 3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. K. Wadchra, Executive Engineer of the Central Public Works Department, in an officiating capacity, with effect from 14-1-1980 (AN), until further orders.

K. L. MALHOTRA  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL, C.B.I.

New Delhi, the 21st January 1980

No. A-2/69-Ad-V.—Shri A. V. Gopalakrishnan, an Officer of Tamil Nadu Government has relinquished the Office of Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation at Madras on the afternoon of 31-12-79 on his repatriation to his present Department.

No. G-3/71-Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri G. R. Srinivasan, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, G.O.W. Madras on promotion as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 2-1-80 and until further orders.

The 28th January 1980

No. R-93/66-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Shukla, an officer of Maharashtra Police Service, to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 25th October, 1979, and until further orders.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd January 1980

No. P. VII-2/79-Estt.—Shri Gian Chand Sharma, Office Supt. of the C.R.P.F. is promoted to the grade of Section Officer on purely *ad hoc* basis in the Directorate General, C.R.P.F., New Delhi w.e.f. 7-1-1980 (F.N.).

B. K. KARKRA  
Asstt. Director (Admn.)

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 19th January 1980

No. B(73)/AH.—The Director of Printing is pleased to appoint Capt. T. K. Balakrishnan to officiate as Security Officer in the Govt. of India Press, Publication Unit, Santragachi, Howrah in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 24th December, 1979, until further orders.

M. M. JOSHI  
Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF FINANCE

##### DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

##### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 22nd January 1980

No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 1-12-79 the appointment of Shri N. G. Kibe as Accounts Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 31-3-1980 on the existing terms & conditions.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

#### COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 13th January 1980

No. 1(3)-A/CPE/79.—The President is pleased to appoint Shri K. H. Ramanathan, a retired Deputy Secretary of the Planning Commission as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure under the Ministry of Finance, Department of Expenditure with effect from the forenoon of 28th December, 1979 to 31st May, 1980.

The 28th January 1980

No. 1(3)-A(5)/CPE/80.—On his having been selected as Private Secretary to the Minister of Finance, Shri K. H. Ramanathan, Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure is struck off the strength of the Commission with effect from the forenoon of 14th January, 1980.

J. N. KATIL  
Under Secy. (A)

#### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

##### OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 29th January 1980

No. 191/CAI/24-70.—On his attaining the age of superannuation Shri B. D. Sharma, Audit Officer (Commercial) serving in the Office of Member of Audit Board & Ex-Officio

Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service w.e.f. 31-12-1979 (A.N.).

M. S. GROVER  
Deputy Director (Commercial)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 22nd January 1980

No. Admn. I/O-O-556/5-12/79-80/2072.—The Director of Audit hereby appoints substantively, the following officiating Audit Officers of this office, against the permanent posts of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, from the dates shown against them:—

| Name                 | Date of Confirmation As A.O. | Seniority as per gradation list as on 1-3-79           |
|----------------------|------------------------------|--|
| 1. Shri S.K. Jain    | 1-6-75                       | Ranks below Shri K. L. Dhall, A. O. (S. No. 16-P. 3).  |
| 2. Shri C. P. Khanna | 1-8-76                       | Ranks below Shri H.S. Rekhl, A. O. (S. No. 17-P. 3).   |
| 3. Shri N.V. Bansil  | 1-7-77                       | Ranks below Shri B.P. Jain, A. O. (S. No. 13-P. 5).    |
| 4. Shri F.C. Goel    | 14-6-79                      | Ranks below Shri D.D. Guglani, A. O. (S. No. 28-P. 6). |

Sd/- Illegible  
Joint Director of Audit (Admn.)

#### THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 22nd January 1980

No. Admn. I/8.132/79-80/318.—Shri S. Rama Swamy Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-12-79 AN.

R. HARIHARAN  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KARNATAKA

Bangalore, the 23rd January 1980

No. ES. I/A4/79-80/929.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge:—

S/Shri

1. B. SHIVARAMAIAH
2. R. N. INAMDAR.

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 10th January 1980

No. Admn. I/11-144(XV)/322.—The Accountant General, U.P.-I, Allahabad has appointed the following Section Officers

to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each :

S/Shri

- |                               |               |
|-------------------------------|---------------|
| 1. Chandra Prakash Srivastava | 31-12-79 A.N. |
| 2. Rai Baghambri Prasad       | 31-12-79 F.N. |
| 3. Shyam Sunder Singh         | 1-1-80 F.N.   |
| 4. Prabhu Narain Srivastava   | 31-12-79 A.N. |
| 5. Tulsi Ram Agarwal          | 31-12-79 A.N. |
| 6. Krishan Lal Bhola          | 31-12-79 A.N. |
| 7. Ram Kishore Mehra          | 31-12-79 A.N. |

S. M. DUTTA

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C.D.A.

CENTRAL COMMAND,

Meerut, the 18th January 1980

No. AN/X-14/Comp/CZ/59.—In pursuance of sub-rule (I) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Radhey Shyam, Temporary Clerk, Account No. 8313002, serving in the office of the Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published or, as the case may be, tendered to him.

B. N. RALLAN

Controller of Defence Accounts  
Central Command, Meerut

#### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 18th January 1980

No. 18342/AN-1 (Level-II)/78.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that service, on *ad hoc* basis for one year, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, with effect from the dates shown against them :—

Sl. No., Name of the officer & Date from which appointed.

- |                      |               |
|----------------------|---------------|
| 1. Shri B. N. RALLAN | 11-12-79 (FN) |
| 2. Shri R. N. TYAGI  | 12-11-79 (FN) |
| 3. Shri K. P. RAO    | 03-12-79 (FN) |

The 22nd January 1980

No. 71019(11)/79/AN-1.—On the basis of the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission in 1978, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them :—

Sl. No., Name & Date of appointment

- |                               |               |
|-------------------------------|---------------|
| 1. Shri RAJESHWAR KUMAR ANAND | 12-07-79 (FN) |
| 2. Shri SATYA NARAYAN MISRA   | 21-11-79 (FN) |
| 3. Shri SATISH KUMAR DOGRA    | 19-12-79 (FN) |
| 4. Shri ARVIND RANA           | 12-12-79 (FN) |
| 5. Shri SHYAMLAL SINGLA       | 12-07-79 (FN) |
| 6. Kum. RANJANA GANGULY       | 19-11-79 (FN) |
| 7. Kum. SHOBHANA TEWARI       | 17-11-79 (FN) |
| 8. Shri TRILOK CHAND MAURYA   | 14-07-79 (FN) |
| 9. Shri PARAS RAM             | 13-11-79 (FN) |
| 10. Shri PREM LAL             | 12-11-79 (FN) |
| 11. Shri PRABHU DAYAL MINA    | 24-11-79 (FN) |

K. P. RAO

Addl. Controller General of Defence Accounts  
(AN)

#### MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF COMMERCE)

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th January 1980

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn. (G)/541.—The President is pleased to appoint Kumari P. Srivastava, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 23-8-1979 to 29-2-1980 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Kumari P. Srivastava as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 16th January 1980

No. 12/666/70-Admn. (G).—Consequent upon his appointment as Special Officer (Planning Cell) of the District Industries Centre in the Govt. of Orissa, Shri B. K. Mohapatra, Deputy Director (Economic Investigation), Small Industries Service Institute, Cuttack relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 31st December, 1979.

No. A-19018(399)/79-Admn. (G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri P. N. Maji from the post of Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) with effect from the forenoon of 31st December, 1979.

M. P. GUPTA

Deputy Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th January 1980

No. EST. I-2(700)/266.—Shri C. R. Bose, Assistant Director Gr. II (NT) in the office of the Textile Commissioner, Bombay has retired from service from the afternoon of 31st December, 1979 on attaining the age of superannuation.

J. C. HANSDAK

Deputy Director (Admn.)

Bombay-20, the 29th January 1980

No. EST. I-2(704)/277.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of 10th September, 1979 and until further orders, Shri M. W. Chemburkar, a Grade I Officer of I.E.S., as Joint Textile Commissioner (Economics) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

No. EST. I-2(452)/283.—The President is pleased to appoint Shri M. Madurai Nayagam, Adviser (Cotton) as Additional Textile Commissioner in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, with effect from the forenoon of the 26th September, 1979, and until further orders.

No. EST. I-2(333)/288.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 28th September, 1979, and until further orders, Shri H. Ramakrishna Rao,

Director in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Industrial Adviser and Ex-officio Joint Textile Commissioner in the same office.

N. M. C. SUBARNA  
Textile Commissioner

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 16th January 1980

No. A-1/1(1109).—Shri R. P. Bhattacharya, Offg. Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 24th January 1980

No. A-1/42(34).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Bhandari, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) and officiating Addl. Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service, substantively to the permanent post of Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service in the Director General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from 1-5-79.

No. A-1/1(1054).—On his reversion to the post of Junior Progress Officer, Shri Dev Raj, officiating Assistant Director (Gr. II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, relinquished charge of his post on the afternoon of 11-1-80.

No. A-1/1(1086).—The President is pleased to accept the resignation of Shri N. K. Mathur, Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 31-12-79. Accordingly, Shri N. K. Mathur ceased to be on the rolls of this Directorate General with effect from the afternoon of 31-12-1979.

No. A-1/1(1147)/80.—The President is pleased to appoint Shri Sushil Kumar Agrawal, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1978 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 1-1-80.

The 25th January 1980

No. A-1/1(1050).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. Nagarajan, Junior Progress Officer to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 11-1-80.

The promotion of Shri S. Nagarajan as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1149).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. C. Mukherjee, Junior Field Officer (Lit.) in the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) in the same office with effect from the afternoon of 8-1-80.

The appointment of Shri Mukherjee as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) is purely temporary and on *ad hoc* basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

The 29th January 1980

No. A-1/42(34).—The President is pleased to appoint Shri B. R. Iyengar, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) and officiating Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service, substantively to the permanent post of Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from 1-10-78.

The 21st January 1980

(ADMN. SECTION A-6)

No. A-17011/44/72-A6.—Shri B. P. Chakraborty, a permanent Examiner of Stores (Textiles) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from Service w.e.f. 31-12-79 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 23rd January 1980

No. A-17011/157/79-A6.—On his selection by U.P.S.C., the President has been pleased to appoint Shri D. C. Das, Assistant Director (Grade II) in the office of the Textile Commissioner, Bombay to officiate as Inspecting Officer (Tex) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Textile Branch) in the office of Director of Inspection, Bombay, w.e.f. 1-1-1980 (FN) and until further orders.

K. KISHORE

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

**ISPAT, KHAN AUR KOYLA MANTRALAYA**

(KHAN VIBHAG)

**GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 24th January 1980

No. 729B A-19012(ACAO-SRC)/79-19A.—Shri Sukha Ranjan Chakraborty, Cost Accountant (*Ad hoc*) Geological Survey of India is appointed as an Assistant Cost Accounts Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th November, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

**INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 19th January 1980

No. A.19012(119)79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri K. T. Louis, Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is appointed to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 29th December, 1979, until further orders.

The 22nd January 1980

No. A.19011(263)/80-Estt.A.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the following permanent Assistant Mining Engineers have been promoted to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines from the dates mentioned against each :—

1. Shri K. S. Krishnamurthy—14-12-79 (A.N.).
2. Shri K. M. Prahlad—12-12-79 (A.N.).
3. Shri C. Aswathnarayan—14-12-79 (A.N.).
4. Shri R. Radhakrishnan—16-12-79 (F.N.).

S. BALAGOPAL  
Head of Office

**DEPARTMENT OF COAL**

**COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION**

Dhanbad, the January 1980

No. Adm.12(1)79.—Shri A. N. Gupta, a permanent Jr. Engineer (Elect) Coal Mines Labour Welfare Organisation is hereby promoted as Asstt. Engineer (Elect) w.e.f. 10-12-1979 (F/N) and posted in Coal Mines Welfare Works Division No. I, Dhanbad.

T. C. K. LOTHIA  
Coal Mines Welfare Commissioner  
Dhanbad



## DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 22nd January 1980

No. A-19012/6/79-SIL.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri A. K. Chakravarty, previously working as Administrative Officer at All India Radio, Allahabad as Administrative Officer (Senior) at Doordarshan Kendra, Lucknow in the scale of Rs. 650-1200 with effect from 29-1-79 (A.N.).

2. On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Chakravarty, an officer of the cadre of Administrative Officer (Senior) at Doordarshan Kendra, Lucknow retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st January 1979.

C. L. ARYA,  
Dy. Director of Admn.  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 21st January 1980

No. A-19012/1/80-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri N. T. Borse, an Inspector of Post Offices, in the Office of the Post-master General, Bombay as Welfare Officer in the films Division at Bombay from 5th January, 1980 on deputation basis.

N. N. SHARMA,  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND  
VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 21st January 1980

No. A-35021/1/77-Estt.—The resignation of Shri G. K. Guglani, a permanent Senior Artist, on deputation to International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics, Hyderabad, from the post of Senior Artist in this Directorate is hereby accepted with effect from 16th May, 1979.

J. R. LIKHI,  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising and Visual  
Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES  
(STORE I SECTION)

New Delhi, the 22nd January 1980

No. A.12025/2/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri Sumir Chowdhury, Factory Manager, to the post of Deputy Assistant Director General (Medical Store) in the Government Medical Store Depot Hyderabad on an *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of the 27th Dec., 79.

SHIV DAYAL,  
Dy. Director Administration (ST)

New Delhi, the 22nd January 1980

No. A.12025/18/79(FRSL)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Kumar Dhingra, Junior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, to the post of Senior Analyst at the same laboratory, with effect from the afternoon of the 28th December, 1979 on a temporary basis and until further orders.

Consequent on his appointment as Senior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, Shri Vijay Kumar Dhingra relinquished charge of the post of Junior Analyst in the Laboratory on the 28th December 1979 (A.N.).

The 25th January 1980

No. A.12023/2/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. Vittal to the post of Administrative Officer at B.C.G. Vaccine Laboratory Guindy, Madras, with effect from the afternoon of 28th December, 1979, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA,  
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 28th January 1980

No. A.19025/34/79-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the under-mentioned Senior Inspectors have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group I) in this Directorate at the stations and with effect from the dates mentioned against each, until further orders :—

1. Shri P. Suryanarayana Murthy, 31-12-79 (FN) at Guntur.
2. Shri K. Rama Rao, 4-1-80 (FN) at Chilakalurpet.
3. Shri E. Mohan Naidu, 28-12-79 (FN) at Madras.
4. Shri K. M. Narayana Murthy, 2-1-80 (FN) at Bangalore.
5. Shri A. M. Gopinath, 2-1-80 (FN) at Surat.
6. Shri Madan Lal Meena, 29-12-79 (FN) at Amritsar.
7. Shri R. P. Jaiswal, 2-1-80 (FN) at Bombay.
8. Shri M. J. Davis, 2-1-80 (FN) at Madras.
9. Shri K. M. Balakrishnan, 2-1-80 (FN) at Bodinay-Kanpur.
10. Shri S. C. Halder, 29-12-79 (FN) at Calcutta.
11. Shri H. N. Singh, 2-1-80 (FN) at Patna.

The 29th January 1980

No. A-19024/6/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Assistant Director (General Chemistry) in this Directorate at Nagpur, Shri B. A. Sarnobat handed over charge of the post of Chief Chemist at Bombay in the afternoon of 17th December, 1979.

B. L. MANIHAR,  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 16th January 1980

No. PA/61(13)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Palakkaparambil Velandy Narayanan, a Sub-Officer in the Bhabha Atomic Research Centre as Station Officer on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of January 4, 1980 until further orders.

A. S. DIKSHIT,  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 4th January 1980

No. DPS/2/1(8)/79-Adm/30.—On transfer from the Reactor Research Centre, Kalpakkam, Shri T. S. V. Aiyar, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer II, has been appointed in the Madras Regional Purchase Unit of the Directorate of Purchase and Stores with effect from the forenoon of November 30, 1979 in the same capacity until further orders.

K. P. JOSEPH,  
Administrative Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 25th January 1980

Ref. No. 05000/J-6/462.—Shri Jawahar Lal Jain, a temporary Stenographer (Senior) of Heavy Water Project (Kota) is appointed as an Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office), w.e.f. January 9, 1980 (FN) until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,  
Senior Administrative Officer  
for Officer-on-Special Duty

## DEPARTMENT OF SPACE

## CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 14th January 1980

No. 10/5(15):79-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote Shri Arvind Madhav Kolge, Technical Assistant-C of the Civil Engineering Division of Space working at present in the Engineering Maintenance Division of Space Applications Centre Ahmedabad to the post of Engineer-SB with effect from the forenoon of 1st October, 1979 in an officiating capacity and until further orders and has been posted to work in the same Division.

H. S. RAMA DAS,  
Administrative Officer-I

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th January 1980

No. A-32013/17/78-I'A.—The President has been pleased to appoint Shri H. C. Malik, Asstt. Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer, on purely *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the 9th January, 1980 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Shri Malik is posted at Civil Aerodrome, Amritsar.

V. V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 17th January 1980

No. 32014 1/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following Aerodrome Asstts. to the grade of Asstt. Aerodrome Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 17th September, 1979 and until further orders :—

S. No. Name Station of posting

1. Shri Dharam Pal, Delhi Airport, Palam.
2. Shri M. M. Bhardwaj, Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 21st January 1980

No. A. 32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Communication Assistants to the grade of Asstt. Communication Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date and station indicated against each:—

| S. No. | Name          | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|--------|---------------|----------------------------|-------------------------|----------------------------|
| 1      | 2             | 3                          | 4                       | 5                          |
| S/Shri |               |                            |                         |                            |
| 1.     | J.S. Augustus | C.A.T.C., Allahabad        | ACS, Madras             | 12-12-79 (FN)              |

| 1      | 2                | 3                 | 4            | 5             |
|--------|------------------|-------------------|--------------|---------------|
| S/Shri |                  |                   |              |               |
| 2.     | R. Venkateswarlu | A.C.S., Gauhati   | ACS, Gauhati | 22-12-79 (FN) |
| 3.     | M. Natarajan     | A.C.S., Porbander | ACS, Nagpur  | 22-12-79 (FN) |

No. A. 38012/1/79-EC.—The undermentioned two Officers of Aeronautical Communication Organisation of the CAD relinquished charge of office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each:—

| S. No. | Name & Desig.                              | Station of posting                | Date of retirement |
|--------|--|-----------------------------------|--------------------|
| 1.     | Shri K.G. Raghavan<br>Asstt. Tech. Officer | Aero. Comm. Station<br>Trivandrum | 31-12-79 (AN)      |
| 2.     | Shri Dalip Singh<br>Asstt. Comm. Officer   | Aero. Comm. Station<br>New Delhi  | 31-12-79 (AN)      |

R. N. DAS  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 23rd January 1980

No. A-12025/3/71-EI.—In continuation of this office Notification No. A-12025/3/71-EI, dated 5th July, 1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued *ad-hoc* appointment of Shri K. K. Sharma, to the post of Hindi Officer, in the Civil Aviation Department, beyond 31-12-1979 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA,  
Assistant Director of Administration

## OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Guntur-522004, the 19th January 1980

No. IV/16/46/79. Adj.—Please refer to Board's letter F.No. 207/43/79-CX. 6, dated the 23rd October, 1979, a copy of which was endorsed to you.

2. The names and other particulars of persons convicted or punished in Departmental proceedings under the Central Excises & Salt Act, 1944 and the rules framed thereunder are furnished hereunder for publication in Part-III, Section-I of the Gazette of India:—

(a) Persons who have been convicted by courts under Section 9 of the Act.

| Name & Address of the person                     | C.C. No. | Particulars of conviction                |
|--|----------|--|
| S/Shri   |          |  |
| 1. T. Chinniah,<br>L. 5 No. 2/78, Bobbili        | 109/75   | To pay Rs. 50/- or to undergo month S.I. |
| 2. M. Satyanarayana,<br>L. 5 No. 2/78, Bobbili   | 108/75   | Do.                                      |
| 3. B. V. Ramana,<br>L. 5 No. 2/78 Bobbili        | 110/75   | Do.                                      |
| 4. T.V. Subrahmanyam,<br>L. 5 No. 2/74, Palakole | 1862/76  | To pay a fine of Rs. 500/-               |
| 5. C. Surya Rao, Kulla                           | 157/76   | To pay a fine of Rs. 1000/-              |
| 6. C.V.N. Prasad, Kulla                          | 157/76   | To pay a fine of Rs. 500/-               |

(b) Persons who have been found by an officer referred to in Section 33 of the Act to have contravened any of the provisions of the Act or rules made thereunder and on whom a penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by such officer.

| Name & Address of the person/company or firm   | The other particulars referred to in sub-rule (1)  |                               |  |  |  |
|--|--|-------------------------------|--|--|--|
|  | The provisions of the Act or rules made thereunder contravened   | The amount of penalty imposed | The value of excisable goods or other property ordered to be forfeited by a court under Sec. 10 of the Act or adjudged by the officer referred to in Sec. 33 to be confiscated | Amount of fine in lieu of confiscation, if any, imposed under Sec. 34 of the Act | Particulars of any licences revoked under Rule 181 |
| (1)  | (2)(a)   | (2)(b)                        | (2)(c)   | (2)(d)   | (2)(e)   |
| 1. M/s. Guntur District Milk Producers' Co-op. Union Ltd.,<br>Feeder Balancing Dairy, L. 4 No. 1/77,<br>(Food Products),<br>Vadlamudi, Tenali Taluq, Guntur Dist. (A.P.)<br>(O.R. No. 17/MP/77.Adj). | Rules 173-B(2),<br>C(2A), 173-F, Rs. 50,000/-<br>9(1), 173-G(4),<br>G(3), 173(4) &<br>173-G(2) of the<br>Central Excise<br>Rules, 1944 |                               | Nil  | Nil  | Nil  |
| 2. M/s. Paper Engineering Services Pvt. Ltd.,<br>L. 4 No. 2/78 (ACG-NES),<br>Vijayawada, Krishna-District (A.P.)<br>(O. R. No. 9/MP/78. Adj.)  | Rules 9(1),<br>173-PP, 174,<br>43 & 48 of<br>the Central<br>Excise Rules,<br>1944  | Rs. 10,000/-                  | Nil  | Nil  | Nil  |

C. BHUJANGASWAMY, Collector

Bhubaneswar, the 26th November 1979

No. 7/79—The undernoted officers of Central Excise & Customs of this Collectorate have retired on Superannuation of the dates mentioned against each.

| Name of the officers              | Designation                                     | Date of Superannuation |
|-----------------------------------|---|------------------------|
| Shri Bholanath Mishra,            | Superintendent,<br>Central Excise,<br>Group 'B' | 31-5-79<br>(A.N.)      |
| Shri Kanduri Charan<br>Mohapatra. | Do.   | 31-5-79<br>(A.N.)      |
| Shri Narasingh Mishra             | Do.   | 31-5-79<br>(A.N.)      |
| Shri Birabhadra Bal               | Do.   | 30-6-79<br>(A.N.)      |
| Shri Banchanidhi Mishra           | Do.   | 31-8-79<br>(A.N.)      |
| Shri Jugal Kishore Ghose          | Administrative<br>Officer                       | 31-10-79<br>(A.N.)     |

have assumed charge as Superintendent, Central Excise Group 'B' on the dates mentioned against each.

| Name of the officers. | Assumption of charge in the grade of Supdt. Group 'B'. |
|-----------------------|--|
| Shri Biswanath Sethi  | 6-6-79 (F.N.)  |
| Shri M.V.N. Rao.      | 27-6-79 (F.N.)   |
| Shri Francis Lakra    | 31-7-79 (F.N.)   |
| Shri Natabar Das.     | 13-9-79 (A.N.)   |

H. VUMKHAHWANG

Collector

CENTRAL EXCISE & CUSTOMS  
BHUBANESWAR

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th January 1980

No. 27-S/K(3)/69-ECII.—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri B. G. Khubchandani, Suptdg. Engineer (Civil) at present on leave to retire from Government service. Accordingly Shri Khubchandani will retire from Govt. service in the afternoon of 26th January, 1980.

S. S. P. RAU,  
Dy. Director of Administration  
for Director General (Works)

No. 8/79—On promotion, the undernoted Inspectors (Senior Grade) Central Excise & Customs of this Collectorate

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Kailash Financiers Private Limited.*

Jullundur, the 19<sup>th</sup> January 1980

No. G/Stat/560/2403/813.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kailash Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bee Gee Standard Tools Private Limited.*

Jullundur, the 24<sup>th</sup> January 1980

No. G/Stat/560/2279/815.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bee Gee Standard Tools Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. and Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Stores Dyes and Chemicals Limited.*

Ahmedabad, the 24<sup>th</sup> January 1980

No. 598/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Stores Dyes and Chemicals Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Bhavnagar Public Dairy Limited.*

Ahmedabad, the 24<sup>th</sup> January 1980

No. 721/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Bhavnagar Public Dairy Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Shubharshini Printers and Enterprises Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 24<sup>th</sup> January 1980

No. 2337/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Shubharshini Printers and Enterprises Pvt. Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE  
Registrar of Companies  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Padam Sales Private Limited*

Jullundur, the 24<sup>th</sup> January 1980

No. G/Stat/560/3081/960.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Padam Sales Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAHILK  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. and Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX  
(INCOME TAX)  
(INCOME TAX)

Lucknow, the 21<sup>st</sup> November 1979

No. 168.—A new charge to be known as 'Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Assessment) Moradabad' is hereby created at Moradabad.

2. This order is effective from 21-11-1979.

ORDER

The 7<sup>th</sup> December 1979

*Jurisdiction—Income-tax Act, 1961—Section 125A—  
Jurisdiction of Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
(Asstt.) Moradabad in CIT, Lucknow charge—*

C. No. 24/79/Tech-II.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling me in this behalf I, the Commissioner of Income-tax, Lucknow hereby direct that Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax (Asstt.) Moradabad shall exercise or perform all the powers or functions conferred on or assigned to an ITO and he shall perform these powers and functions concurrently with the Income-tax Officers of Circle-II, Moradabad.

2. This order is effective from 15-12-1979.

*Jurisdiction—Income-tax Act, 1961 Section 124(1) & (2)?*

*Income-tax Office, Circle-II, Moradabad*

No. 81(c)(11)/78/Tech.—In partial modification of this office order dated 31-12-77 (issued with endorsement F. No. 81(c)(19)/77/Tech. dated 3-1-1978) as amended with this office order dated 5-12-79 circulated under endorsement F. No. 81(c)(ii)/78 dated 7-12-79. The following items shall be added under col. 5 in the jurisdiction of ITO A-Ward, Circle-I, Moradabad (formerly B-Ward, Moradabad).

"(5) All persons or classes of persons whose last assessed income/income returned for any pending assessment as on 30-11-79 is Rs. 5 lakhs or above and whose place of assessment as on under the provisions of section 124(3) of I.T. Act 1961 (43 of 1961) is in the revenue districts of Almora, Bijnor, Chamoli, Moradabad, Pauri Garhwal, Pithoragarh, Rampur pertaining to the charge of Commissioner of Income-tax, Lucknow.

(6) All cases of Chairman, Managing Directors, Directors and Managers of the Limited Companies falling under item 5 above.

(7) All cases of partners of a firm falling under item (5) above."

2. This order is effective from 15-12-1979.

No. 177.—Income-tax Circle, Moradabad is hereby bifurcated into two circles to be known as Income-tax Office, Circle-I, Moradabad and Income-tax Office, Circle-II, Moradabad.

No. 178.—Consequent upon the above the sub-charges hitherto known as B-Ward, Moradabad and F-Ward, Moradabad shall be redesignated as A-Ward, and B-Ward respectively of the newly created Income-tax Office, Circle-II, Moradabad.

No. 179.—Consequent upon the creation of Income-tax Office Circle-I, Moradabad, the sub-charges hitherto known as A.C.D. & E Wards of Income-tax Office, Moradabad shall be redesignated as A, B, C & D Wards respectively of the Income-tax Office, Circle-I, Moradabad.

No. 180.—The Sub-Charge hitherto known as D-Ward of the Income-tax Circle, Bareilly is hereby redesignated as C-Ward, Circle-II, Moradabad with headquarters at Bareilly.

No. 181.—The Sub-Charges hitherto known as E, F & G Wards Income-tax Circle, Bareilly shall be redesignated as D, E and F Wards respectively of the Income-tax Circle, Bareilly.

These orders are effective from 15-12-1979.

*Jurisdiction—Income-tax Act, 1961 Section 124(1) and  
(2) Income-tax Office, Circle-II, Lucknow*

No. 81(c)(11)/78/Tech/Vol-II.—In partial modification of this office order 28-4-79 issued with endorsement 81(c)(11) 78/Tech dated 28-4-79, following districts shall be deleted under column 5 in the jurisdiction of ITO, A-Ward, Circle-II, Lucknow.

“Almora, Bijnor, Chamoli, Moradabad, Pauri Garhwal, Pithoragarh and Rampur.”

This order is effective from 15-12-1979.

*The 10th December 1979*

*Income-tax Act 1961 section 123(1) & (2) Jurisdiction of  
Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax, in Com-  
missioner of Income-tax Lucknow charge—*

No. 81(B)/78/Tech.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 123 of the IT Act 1961 and in supersession of all previous orders on the subject, I the Commissioner of Income-tax Lucknow hereby direct that the Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax posted to the Ranges specified in column 2 of the Schedule annexed hereto shall perform the functions in respect of all persons and classes of persons and of all Incomes and classes of Income in the areas comprised in the Income-tax Circles, specified in the corresponding entries in column 4 of the schedule.

2. This order is effective from 15-12-79.

DHARNI DHAR  
Commissioner of Income-tax  
Lucknow

**FORM ITNS**

(1) Shri Bhanji Rajaram Patel

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Bhavan Parbat Patel, Lalji Parbat Patel  
Narayan Parbat Patel, Mahesh Bhavan Patel  
Partners of M/s Kailash Construction Company.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1979

Ref. No. AR-IV/IV/897-1/79-80.—Whereas, I V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 157A TPS No. III, Ghatkopar situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ghatkopar on 8-5-1979 Document No. S. 9786/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 9786/78/Bom and registered on 8-5-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bombay.

Date : 13-11-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Khubchand Watumull

(Transferor)

(2) Shri Gobind Kalindas Daryanani

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1979

Ref. No. AR-III/AP.305/79-80.—Whereas, I P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 6, 7, 8, S. No. 121 Versova situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4/5/79-Document No. 3639/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-639/79 Bom. and Registered on 4/5/79 with the Sub-Registrar, Bombay.

Seal :

P. L. ROONGTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7th December, 1979.

(Seal):

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 20th December 1979

Ref. No. A.R.II/2783.1/May 79.—Whereas, I P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 427, 427(29)PT situated at Malad (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-5-79 Document No. S. 439/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kashiprasad J. Adukia, Mahabirprasad J. Adukia.

(Transferor)

(2) Smt Sushiladevi S. Thard, Sulochanadevi S. Thard

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S. 439/78/Bom and registered on 4-5-79 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 20-12-1979.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th December 1979

Ref. No. AR-III/A.P.306/79.—Whereas, I, V. TOCHHAWNG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 & 5 (Part), T.P. No. VI-Andheri, C.T.S. No. 633, 633/1, 633/2, situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Bombay on 16/5/79 document No. S-2132/77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                             |  |
|-----------------------------|--|
| (1) Shri Nandaben J. Sheth  | (Transferor)                           |
| (2) Smt. Asha Narendra Shah | (Transferee)                           |
| (3) Shri Nandaben J. Sheth  | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2132/77/Bom and Registered on 16/5/79 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. TOCHHAWNG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 24-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY  
Bombay, the 24th December 1979

Ref. No. A.R.-III/A.P.307/79-80.—Whereas, I, V. TOCHHAWNG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 403, C.T.S. 1616, 1616/1 to 1616/6 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-5-79, Document No. S-541/78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lalita Pawar  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Kundanben M. Kapadia. 2. Shri I. C. Thakkar 3. Dr. Mrs. C. T. Sankar. 4. Shri B. S. S. Rao 5. Shri K. Agarwal 6. Smt. Vimla Sharma.  
(Transferees)
- (3) 1. Smt. Kundanben M. Kapadia.  
2. Shri I. C. Thakkar.  
3. Dr. Mrs. C. T. Sankar.  
4. Shri B. S. S. Rao.  
5. Shri K. Agarwal.  
6. Smt. Vimla Sharma.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-541/78/Bom and Registered on 8-5-79 with the sub-registrar Bombay.

V. TOCHHAWNG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-3, Bombay.

Date : 24-12-79.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st February 1980

Ref. No. A.R./II/2888.2/July, 79.—Whereas, I P. L. ROONGTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, H. No. 4 (pt) CTS No. 2112 (pt) situated at Eksar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-7-79, Doc. Sr. No. 1136/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri K. D. Chogle 2. Shubhada K. Chogle 3. Kailash K. Chogle 4. Yeshwini K. Chogle.

(Transferor)

- (2) Borivili Raj Vaibhav Co.op. H.S. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S/1136/78/ Bom. and registered on 2-7-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 1-2-1980

Seal):

## FORM ITNS

- (1) 1. Pallavi J. Panchal 2. Ambaben D. Panchal, 3. Chaitanya J. Panchal, 4. Yogesh J. Panchal, 5. Bhairavi J. Panchal.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Kundanmal Bhawarlal Choraria, 2. Vijaykumar Kundanmal Choraria, 3. Smt. Sayerdevi B. Choraria, 4. Santoshkumar Choraria.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st February 1980

Ref. No. AR.II/2910.1/May 79.—Whereas, I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. Nos. C/816 to C/819 & C.S. No. 61/804, C/805, C/809, S. No. 245A/A & 245/5 situated at Pali Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 24-5-79 Document No. 773/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. 773/79/Bom and registered 24-5-79 with Joint sub-registrar/IV Bandra.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 1-2-1980.  
(Seal) :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1412/79-80.—Whereas, I,

**K. K. ROY**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam on 31st May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—456GI/79

- (1) 1. Shri Kantilal S/o Seth Kesrimal Jhalani,  
2. Ashokchand, 3. Umeshchandra, 4. Maheshchandra  
Shri ss/o Kantilal Ji  
5. Smt. Kanchanbai, W/o Shri Kantilalji,  
Sarafa, Ujjain.

(Transferor)

- (2) M/s Ratna Raj, through Shri Shantilal,  
S/o Shri Rajmal Chordia,  
Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land measuring 4087 sq. ft. at Shastri Nagar Colony, Ratlam.

**K. K. ROY,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1413/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 7th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Rajendra Swaroop Madan, through constituted attorney Praveen Madan, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Smt. Omwati Gupta, W/o Shri S. S. Gupta, D.S.P. Sadar Bazar, Jabalpur. (Transferee)
- (3) 1. B. S. Sachdeva, 2. Aruna Madan, 3. Bhasin T.C., 4. Dr. R. K. Puri, all tenants. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Nos. 507 to 510 situated at Napier Town, Gorakhpur, Jabalpur.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1414/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 29th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri Avadh Behari & 2. Shyam Behari, ss/o Shri Laxminarain Bajpai; &  
3. Smt. Jamna Bai,  
Wd/o Shri Laxminarain,  
Masanganj, Bilaspur.

(Transferor)

- (2) Shri Agyaram,  
S/o Shri Jagatram Gambhir,  
Masanganj, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 7320 sq. ft. situated at Masanganj, Bilaspur.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No.IAC/ACQ/BPL/1415/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 4th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jhablibai,  
W/o Late Shri Mishri Lal  
Soraogi, Gandhi Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Devi,  
W/o Shri Niwas Garg,  
14, Shakkar Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 430, situated at M.G. Road (Khajuri Bazar) Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS

- (1) S/Shri Badrilal & Jagannath,  
Ss/o Shri Ghasiram,  
32/2, Ghipa Baknal, Indore.

(Transferor)

- (2) M/s. Nav Anand Grah Nirman Sahkari Samiti  
through President Shri Shankarlal,  
S/o Shri Ramgopalji Billore,  
9, Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1416/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 11th July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land at Khasra No. 1475/1 and 1475/2 (Area 1.469 hectare or 3.63 acres) near Dasnera Maidan, Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1417/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Indore

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Indore on 24th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Water Development Society,  
C/o Shri P. S. Bapna,  
2, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

- (2) M/s. Ridesaria Brothers,  
195, M.T.C.M. Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Super Structure located at Plot No. 15, Pologround, Indore including shed and building admeasuring 6700 sq. ft., electricity and water connections, and fittings structure, office structure attached to the building.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1418/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bapurao,  
S/o Shri Pandurang,  
Prince Tailors, Opp. Central Hotel,  
M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Devraj Bhai,  
S/o Shri Desabhai,  
11, Joy Builders Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 11 constructed on a plot measuring 2501 sq. ft. at Joy Builder's Colony, Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1419/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 14th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Anand,  
S/o Shri Balkrishna  
Gharpure, 196, Palsikar Colony,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal,  
S/o Shri Kundanmalji,  
26, Bairati Colony, Indore  
(at present, 168, Netaji Subhash Marg,  
Indore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor of House No. 168, Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980

Seal :

**FORM ITNS**

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1420/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14th June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22-456GI/79

(1) Shri Anand,  
S/o Shri Balkrishna  
Gharpure, 196, Palsikar Colony,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kundanmal,  
S/o Shri Mishrimal Jain  
168, Netaji Subhash Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Ground floor of house No. 168, Netaji Subhash Marg, Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1421/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 16th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bharti Bai,  
W/o Shri Satyanarain Gupta  
Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

- (2) Smt. Vidya Devi  
W/o Shri Gopichand Jaisingh  
Civil Lines, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 10/14 (Part) Block No. 11 measuring 2000 sq. ft. Civil Lines, Raipur.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1422/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 26th June, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jugul Kishore,  
S/o Shri Bala Prasad Tiwari,  
H. No. 21, 22, West Niwarganj, Jabalpur.  
(Transferor)

(2) Shri Sunderlal Kesharwani,  
S/o Shri Sewalal Kesharwani,  
in front of Gate No. 4, Madan Mahal Station Road,  
Wright Town, Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Block No. 53, Plot No. 53 at West Niwarganj, Jabalpur.

K. K. ROY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1423/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash Kalra,  
J, 12/1 Rajori Garden, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Girdharilal & Mrs. Mohini Devi,  
Dress Centre, Andher Dev, Jabalpur.  
(Transferee)
- (3) 1. Ms. Fort Glozier Industries Ltd.  
2. Ms. Hindi Teaching Scheme & Mrs. S. Nigam  
all tenants.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 1071C, 10771/1C, 1071/2C and 1071/3C on Plot No. 3/3, Shiv Niwas, Lajpat Kunj, Jabalpur.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1424/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ganj Basoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ganj Basoda on 19th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Uttamchand and Sunderlal,  
S/o Shri Sukhlal Jain,  
Ganj Basoda.

(Transferor)

(2) Shri Ratanchand,  
S/o Pooranchand Jain  
Ganj Basoda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 1302 sft. at Ward No. 13, Sadar Bazar, Ganj Basoda.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakur Madansingh  
S/o Shri Fatesingh Tomar,  
Sendhwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satishkumar,  
S/o Shri Sohanlal Luthra,  
44, Janki Nagar Extension Colony,  
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1425/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Indore on 7th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys ought to be disclosed have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 2704 sft. at Janki Nagar  
Extension Colony, 'Panchwati', Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1426/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. (Smt.) Nirmaladevi,  
W/o Shri Nareshchand Goyal,  
First Floor, T.B. Hospital,  
Malharganj, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Satyaprakash,  
S/o Shri Gurdayal Mishra,  
Janakganj Nagar, Lashkar at present at  
24, Ravi Nagar, Khedapati Colony,  
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of single storied house No. 24 on Halka No. 36 situated at Ravi Nagar, Khedapati Colony, Gwalior.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980  
Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1427/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 4th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. (Smt.) Nirmaladevi,  
W/o Shri Nareshchand Goyal,  
First Floor, T.B. Hospital,  
Malharganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kailashchand,  
S/o Shri Gurdayal Mishra,  
24, Ravi Nagar, Khedapati Colony,  
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 24 on Halka No. 36 situated at Ravi Nagar, Khedapati Colony, Gwalior.

K. K. ROY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Balkrishna,  
S/o Shri Vithal rao Lavangalkar,  
Nimbalkar-Ki-Goth, Lashkar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri 1. Rajiv and 2. Sanjeev (Minors)  
S/o Shri Atmaram,  
through mother Smt. Nirmaladevi,  
Nimbalkar-Ki-Goth, Lashkar.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1428/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
House situated at Lashkar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Gwalior on 1st May, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

THE SCHEDULE

Three storied house on Rakba 1190 sft. at 40/364, Nimbalkar-Ki-Goth, No. 2, Lashkar.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. ROY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
23—456GI/79

Date : 8-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1429/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 25th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hargovind,  
S/o Shri Vallabhdas,  
C-35, Mafeir Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Shahjehan,  
W/o Indra Dutt Binesarisingh,  
E-40, Saket Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-46, admeasuring 5750 sft. at Saket Colony, Indore.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-1-1980

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Gurnomal, alias, Gunnumal, S/o. Sanwaldus,  
B-51/521, Bairagarh, (Bhopal).  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhabai, W/o Nenumal, B-51/521, Bairagarh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1430/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3rd May, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-51/521 and B-56/5 on Rakba 1125 sft. situated at New Bairagarh, Bhopal.

K. K. ROY

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1431/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 7th May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Maharaj Narayan, S/o. Swaroop Narayan Rajdan; 2. Smt. Khemrani, W/o. Maharaj Narayan Rajdan, Roshnighar Road, Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Premnarayan, S/o Gyatsilal Mehar Vaishya, Dal Bazar, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot measuring 3271 sft. at Roshnighar Road, Lashkar.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1432/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land Survey No. 3, Rakba 2.739 Hectare with pucca Well situated at Dewas (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 24th 1979, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shi Ramratan; 2. Madan; 3. Bhagwan; 4. Gopal; 5. Badri, sons of Shri Radhakishan; 6. Smt. Manubai, Wd/o. Radhakishan; 7. Smt. Lilabai, W/o. Ramesh, R/o Dewas; 8. Smt. Kalawati Bai, W/o Tarachand, Bijalpur, Teh. Indore; and 9. Shantabai, W/o. Munnalal, Malipura, Ujjain.

(Transferor)

- (2) Mafatlal Industries, through Manager Shri Bhikubhai Manchharam Solanki, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land bearing Survey No. 3, Rakba 2.739 hectares (6.768 acres) with pucca Well situated at Dewas.

K. K. ROY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Chaturbhujdas, S/o. Kanhaiyalal Malpani,  
Itwara, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kanhaiyalal, S/o. Ghanshyamdas, E-2/334,  
Arera Colony, Bhopal; Now at E-3/88, Arera  
Colony, Bhopal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1433/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. E-3/88, Arera Colony, Bhopal situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 9th May, 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house on Rakba 4962.6 sft. at E-3/88, Arera Colony, Bhopal.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.Date : 10-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/1434/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 12, Rakba 6500 Sft. situated at Vishnupuri main Colony, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17th May, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Anant s/o Narayan Khandekar, Retd. Lt. Colonel, 374, Sindh Co-operative Housing Society, Aundh, Poona, Maharashtra.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Maheshchand, 2. Sri Omprakash and 3. Satishchand, sons of Rameschand Garg, Bhanwar-kunwar, Choraha, In front of Manik Bag Gate, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 12 admeasuring 6500 sft. at Vishnupuri Main Colony, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1435/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AGRL. Land Survey No. 629 and 493 Rakba 0.70 acres situated at Dewas, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 14th May, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Nasaruddin and Sarafuddin, sons of Haji Sheikh Chhotu, Mohasinpura, Dewas. (Transferor)

(2) M/s Dewas Land and Finance Co. Through Shri Kanhaiyalal Narayan Soni, 130, Subhash Chowk, Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Survey No. 629 and 493, total Rakba 0.70 acres at Dewas.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Nasaruddin and Sarafuddin, sons of Haji Sheikh Chhotu, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Dewas Land and Finance Co., Through Shri Kanhaiyalal Narayan Soni, 130, Subhash Chowk, Dewas.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1436/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land at Survey No. 492 and 625, Rakba 0.65 acres situated at Dewas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 7th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Survey No. 492 and 625 total Rekba 0.65 acres at Dewas.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—  
24—456GI/79

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS ———****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1437/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Bhopal, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 30th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manohardas, alias Manohar Kumar, S/o Devidas, through Shri Muralidhar, S/o Devidas Chandiramani, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Noor Mohd, S/o Hussain Baksh; and Smt. Jubeda Bee, W/o Noor Mohd., Ibrahimipura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Eastern portion of House situated near Tolwali Masjid, Hathikhana, Bhopal.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Munikumar, and Smt. Khemarani, W/o Maharaj Narayan Rajdan, Roshanighar Road, Lashkar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Premnarayan, S/o Gyarsilal Mahor, Vaishya, Dal Bazar, Lashkar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1438/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2862 Sft. situated at Roshanighar Road, Lashkar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 7th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 2862 sft. at Roshanighar Road, Lashkar.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devendra Kumar, S/o Satyapal Arora, 33,  
New Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Moolchand, S/o Jhamandas Tolani; Prataprai  
and Purshottamdas, sons of Moolchand Tolani, 33,  
North Harsiddhi, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1439/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Factory Building and Land at 44-A, Sanwar Road, situated  
at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Indore on 7th May 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building on an area of 2355.58 sft. with total open  
land of 21320 sft. at 44-A, Industrial Area, Sanwar Road,  
Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Iqbal S/o Fakruddin Bohra, Bora Bakhai, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Kumar Gandhi, S/o Shri Poonam Chand Gandhi, New Road, Ratlam.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1440/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 28th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with constructed area of 611 sft. situated at Palace Road, Ratlam.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ratan Kumar s/o Shri Poonam Chand Gandhi,  
New Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Mustafa s/o Fakruddin Bohra, Bohra Bakhal,  
Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1440/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ratlam on 28th May 1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with constructed area of 611 sft. situated at Palace  
Road, Ratlam.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ratan Kumar s/o Shri Poonamchand Gandhi,  
New Road, Ratlam.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haji Fakruddin s/o Daud Bhai Bohra Paka-  
wala, Bohra Bakhhal, Chandni Chowk, Ratlam.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1442/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Ratlam,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ratlam on 16th May 1979,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated in Palace Road, Near Municipality, Ratlam.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1443/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 4th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vishnu Kunwar w/o Thakur Parbat Singh Rajput, Badi Shitla-mata Road, Ratlam. (Transferor)  
(2) Shri Shantilal s/o Girwarlalji Gupta, Near Lokendra Talkies, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 390.00 sqm situated at Post Office Road (Power House Road), Ratlam.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1444/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Tal, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 8th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—456GI/79

(1) Shri Babulal Chanimal Mehta, Tal, P.O. Tal, Distt. Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Sanibai w/o Shri Beharilal Soni, Tal, Distt. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House, double storied, situated at Tal, (Near Post Office), Distt. Ratlam.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1445/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Tal, Distt. Ratlam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 14th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babulal Son of Chandmalji Jain, Tal, Distt. Ratlam.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Gopal s/o Badrilal Soni and 2. Dilipkumar s/o Badrilal Soni (Minor) through mother Smt. Leelabai w/o Badrilal Soni, Tal, Distt. Ratlam,  
(Transferee)

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with open land situated near Post Office, Tal, Distt. Ratlam.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Samrathmal S/o Shri Basantilal Sethia, Ratlam, at present : Nai-Abadi Kambal Kendra, Mand-saur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abhay Kumar, S/o Basantilal Sethia, Dhan Mandi, Ratlam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1446/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 67, situated at Freeganj, Motilal Nehru Marg, Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6th July 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 67, situated at Freeganj, Motilal Nehru Marg, Ratlam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyamcharan, S/o Saligram Tandon, 89, Rupram Nagar, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Indore Bank Employees' Housing Co-operative Society, through Secretary Shri P. D. Agrawal, 5, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1447/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House on Plot No. 102 situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied house on Plot No. 102 measuring 2400 sqft. situated at Rupram Nagar, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1448/79-80.—Whereas, 1,  
K. K. ROY,being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing  
No. House No. 31, situated at Ward No. 26, Bhuta Bazar,  
Bhind,(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred

Under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at  
Bhind on 10th May 1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Kumar S/o Puttupal Shivhare, Bhuta  
Bazar, Bhind.

(Transferor)

- (2) Smt. Meerabai, W/o Mahavir Prasad Jain and Smt.  
Chandan Shree, W/o Munnihal Jain, Bhuta Bazar,  
Bhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double storied house on Rakba 1331 sq. ft. at Ward  
No. 26, House No. 31, Bhuta Bazar, Bhind.

**K. K. ROY**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
BHOPAL**

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1449/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 65, situated at Shanker Bagh, Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 17th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shobha, W/o Damodar Deo, 65, Shanker Bagh Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Gayatri Devi, W/o Govindlal Bansal, 34, Shanker Bagh Colony, Indore (Now at 65, Shanker Bagh Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 65, Shankerbagh Colony, Indore constructed on a plot measuring 2640 sq. ft.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ramnarayan, S/o Ramcharan Sharma, Anand Nagar, Tah. Hujur, Distt. Bhopal.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rewaran S/o Harchand, Goharganj : at present at Dangarwara, Tah. Goharganj, Distt. Raipur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1450/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of house on Rakba 945 sft. situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-1-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 14th January 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1451/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Part of House situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 14th May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramnarayan, S/o Ramcharan Sharma, Anand Nagar, Tah. Hujur, Distt. Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Parasram, S/o Harchand, Goharganj : At present at Dangarwara, Tah. Goharganj, Distt. Raissen. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western portion of house on Rakba 1064 sft. situated at Kumharpura, Jinsi Jehangirabad, Chiklod Road, Bhopal.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 14-1-1980  
Seal :

## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd February 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1452/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House No. 100 Bandobast No. 177, Ward No. 17 situated at Gole Gain, Chhindwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chhindwara on 23rd May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—456GI/79

- (1) Shri Harichankar Dubey, S/o Shri Devi Shankar Dubey, Madhav Ganj, Lashkar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Abhay Kumar; Sanjay Kumar sons of Shri Phoolchand Jain and 3, Sandeep Kumar S/o Subhash Chand, Chhindwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 100, Bandobast No. 177, Municipal Ward No. 17, Gole gain, Chhindwara.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Competent Authority

Date : 2-2-1980 •

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 975.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57-21-6/1 situated at Kanchanapalem, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Visakhapatnam on 20-6-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pentakota Yellamma,  
W/o Nukaraju, Kanchanapalem,  
Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) Sri Pragada Srinivasa Rao,  
S/o Venkataswamy, 689/B, Malakonda Area,  
Visakhapatnam-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4737 dated 20-6-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 976.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Valasapakala Village, Kakinada Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 29-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sri Gullapudi Satyanarayanamurthy,  
(ii) Sri Gullapudi Veerraju,  
(iii) Sri Gullapudi Ramakrishna  
(iv) Smt. Gullapudi Satyavathi,  
D. No. 20-6-4, Adjacent to S.R.M.T. Office,  
Kakinada.

(Transferor)

- (2) M/s. Madhavi Enterprises,  
Brokers and Commission Agents, Vallabai Street,  
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3232 dated 29-5-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 977.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Tippers Shed Road, Mangalagiri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalagiri on 26-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (i) Kanagala Jaganmohana Rao  
(ii) Kanagala Sivaramakrishna Rao  
(iii) Kanagala Rajendraprasad  
(iv) K. Gopalaswamy,  
(v) Nageswararao K. and  
(vi) K. Chakradara Rao,  
Moparru Village, Tenali Tq.

(Transferor)

- (2) Sri Kovelakar Nagoji, Mangalagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 1098 dated 26-5-79 registered before the S.R.O. Mangalagiri.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sri Andem Bikshyam,  
Fertilizer Merchant, Mangalagiri.

(Transferor)

(2) Dr. Goli Ram Mohana Rao,  
S/o Gopala Rao, Mangalagiri,  
Guntur District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 978.—Whereas, I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 1600 situated at Mangalagiri  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Mangalagiri on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said Instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document  
No. 1039 dated May, '79 registered before the S.R.O.  
Mangalagiri.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 979.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13/137A situated at Gudivada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gudivada on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. V. Purushothama Rao, Advocate,  
Suryaraopeta, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Shri Ghoparala Srirama Chandra Rao,  
S/o Sivanarayana,  
Gudlavalleru, P.O. Gudivada Tq. (Transferee)
- (3) (i) K. Udaya Sundara Rao, Gudivada.  
(ii) P. V. Appa Rao, Gudivada.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1400 dated 9-5-79 registered before the S.R.O. Gudivada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 980.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Kanur Village, Vijayawada Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Alla Ratnakumari,  
W/o Venkaiah,  
Asst. Warehousing Officer, A.P.  
State Warehousing Corpn. Gudivada. (Transferor)
- (2) St. Pius Xth Discarded Carmelite  
Province of Manjammal, Kerala,  
Rep. By Francis Xavier Church,  
Kothagudem. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3117, 3177 and 4734 dated May '79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 981.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 32-10-2 situated at Mogalrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Thammareddy Krishna Rao,  
S/o Subbaiah,  
C/o Sri T. Ashokkumar, Labour Officer,  
Navabharat Tobacco (P.) Ltd. Guntur.  
(Transferor)
- (2) P. Satish and P. Sujatha,  
C/o Sri Vijaya Talkies, Guntur.  
(Transferee)
- (3) General Paper Trading House, Patna.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3743 dated 31-5-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 982.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, No. 6/143-16 situated at Opp. Sea View Hotel, Visakhapatnam (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Visakhapatnam on 3-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
27—456GI/79

- (1) Smt. Gurdial Kaur,  
43-48, Subbalaxminagar, New Colony,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Dr. D. Chengal Roy, M. S. M. Ch.  
D-I Doctors Colony,  
Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 3223/79 dated 3-5-79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 983.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65-2-10 situated at Dwarakanagar, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 7-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dasyam Vimalabai,  
W/o David Raju,  
C/o M. C. Laurin High School, Kakinada.  
(Transferor)
- (2) Sri Chirugupati Veera Venkata Surya  
Ramarao Prasad, S/o Satyanarayana,  
65-2-10, Dwarakanagar, Kakinada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2543 dated 7-5-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Dasyam Vimalabai,  
W/o David Raju,  
C/o M. C. Laurin High School, Kakinada.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ch. Satyanarayana  
S/o Ch. Satyanarayana,  
65-2-10, Dwarakanagar, Kakinada.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 984.—Whereas, I, K. K. VEER  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing

No. 65-2-70 situated at Main Road, Dwarakanagar, Kakinada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kakinada on 7-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document  
No. 2544 dated 7-5-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 985.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 10-A-7-97 situated at Asoknagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Vemulppalli Sri Krishna,  
Asok Nagar, Guntur.

(Transferor)

(2) Srim-C. Jhansilakshmi Rao,  
Principal, Ravi, Tutorial College,  
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2762 dated May '79 registered before the S.R.O. Guntur.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sri K. Vuppa Reddy,  
Alampur, Tanuku Tq.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Penki Chandra Rao, S/o Surayya,  
10th Ward, Palakol.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 986.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 46-1-11, 12 situated at Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Palakol on 16-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1006/79 dated 16-5-79 registered before the S.R.O. Palakol.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 987.—Whereas, I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Gandhipuram-II Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on May '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kovvuru Seethayamma,  
W/o Veerreddy, Ravulapalem. (Transferor)
- (2) Smt. Akula Mangayamma,  
W/o Posayya, Vemagiri  
Presently at D. No. 14-8, Gandhipuram No. 2  
Rajahmundry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 2095 dated May, '79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kovvuru Seethayamma,  
W/o Veerreddi, Ravulapalem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Akula Mangayamma,  
W/o Posayya, Vemagiri, Presently at D. No. 14-8,  
Gandhipuram No. 2, Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1979

Ref. No. 988.—Whereas, I. K. K. VEER.,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. — situated at Gandhipuram-II, Rajahmundry  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajahmundry on July '79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transferor;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document  
No. 3218 dated July'79 registered before the S. R.O, Rajah-  
mundry.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-79  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 458/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 22-7-269/39 situated at Dewan Dewdi Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyd. on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shaw Builders, H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi, Hyderabad.  
(Transferor)  
(2) Smt. Kanta Bai, W/o Mohandas, 21-1-40 at Ghansi Bazar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 22-7-269/39 inside Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Document No. 1500/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 19-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. 459/79-80. Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 22-7-269/44, situated at Dewan Dewdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—456GI/79

(1) M/s. Shaw Builders,  
H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Majeed Sayani,  
11-5-43 at Red Hills,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mulgi. No. 22-7-269/44 at Dewan Dewadi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1654/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-1-1986

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 460/97-80.—Whereas I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mulgi. No. 45 in situated at 22-7-269/45 Dewan Dewdi, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sham Builders,  
H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi,  
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mohd. Shareef Savani. 11-5-43 at Red Hills,  
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi. No. 45 in the premises No. 22-7-269/45 at Salar-gunj Market Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1653/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 9-1-1980  
Sent :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC, No. 461/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-7-269/19 situated at Dewan Dewdi Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura, on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shaw Builders, H. No. 22-7-269/3 at Dewan Dewdi, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Indra Devi, W/o Sri Chethandas, H.No. 90-HR-Bros. Patel Market, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Shop. No. 19 in premises No. 22-7-269/19 at Dewan Dewdi, Hyderabad, registered vide Document No. 1652/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. ARC, No. 462/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop. No. 40, situated at 22-7-269/40 Dewan Dewdi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on May-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

- (1) M/s Shaw Builders, 22-7-269/3 at Dewan Dewdi Hyderabad.  
(Transferor)  
(2) Sri Mulchand Lekhraj, P/r in Modern Silk Shop Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 40 in the premises No. 22-7-269/40 at Dewan Dewdi Hyderabad, registered vide Document No. 1450/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 463/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 6-3-1089, situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Najibunnisa Begum, W/o Syd Khurshid Hasan, H. No. 6-3-1089 at Somajiguda, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Syed Ahmed Hussain, S/o Syed Khurshid Hasan, 6-3-1089 at Somajiguda, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of House M. No. 6-3-1089 situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1503/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 464/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shall 4-1-938/R-19 & 20, situated at Krishna Complex, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Sri Krishna Construction Company, 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Jagdish Ram Pershad,  
R/o "Anandh Bhawan", Opposite to Dharmanat  
School Yakutpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hall on the 3rd floor of 4-1-938/R19 and 20, Krishna Complex Building at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2721/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1980

Ref. No. RAC. No. 465/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4-1-938/R-19 & 20,

situated at Krishna Complex, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Sri Krishna Construction Company, 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad. Managing partner Sri Kailash Chatur.

(Transferor)

(2) Mrs. Kaneez Amina W/o Mr. M. Sayeeduddin, 4-1-442/443 at Hind floor Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4-1-938/R-19 and R-20 on Second floor of Krishna Complex at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2747/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 9-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Sri 1. Mohd Afzal Khan,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Faiz Ahmed Khan,

3. Fazal Ahmed Khan,

all residing at H. No. 4-1-9 at Ramkote, Hyderabad

(2) Padma Co-operative Housing Society Ltd., Reg No. T. A. 103 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 466/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port, and is situated at S. No. 74, 75 Nallakunta, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of vacant land in survey No. 74 and 75 admeasuring 1229 Sq. yds. situated at Nallakunta, Hyderabad, registered vide Document No. 2532/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 467/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. land in situated at S. No. 74, 75 Nalakunta, Hyderabad on May-79

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 transfer with the object of — at Hyderabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—456GT/79

(1) S/Sri 1. Mohd Afzal Khan,  
2. Faiz Ahmed Khan,  
3. Fazal Ahmed Khan,  
all residing at H. No. 4-1-9 at Ramkote, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) The Padma Co-operative Housing Society Ltd.,  
Reg. No. TA. 103 at Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of vacant land in survey No. 74 and 75 admeasuring 1105 Sq. Yds situated at Nallakunta, Hyderabad, registered vide Document No. 2823/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 468/79-80.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot of land, situated at No. 120 in S. No. 130, 135 Bakaram, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmala-A, W/o late Subash Chandra Bose, G.P.A. Sri K. Satish, 3-5-696 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Nagireddy, Murali Manohar Reddy, H. No. 3-5-701/A at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land Plot No. 120 to survey No. 130 to 135 situated at Bakaram, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2652/79 in the Office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1980

Ref. No. RAC. No. 469/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 1-4-1011, situated at Musheerabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Mohammed Ali,  
S/o Adam Ali Hariana Wala, 19th fourth floor-  
Pamodi St. Bombay-3.  
(Transferor)
- (2) Sri M. S. Chandraiah, Contractor, H.No. 1-1-593 at  
Bakaram, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land within the premises No. 1-4-1011 at Golconda Cross road, Musheerabad, Hyderabad admeasuring 825 Sq. Yds registered vide Document No. 2745/79 in the office of the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 10-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC No. 470/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 Port. No. 3-4-306 at Lingampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Ghaziuddin Khan, H. No. 3-4-306 at Parvarish Bagh, Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) S/Sri 1. Mohd Mazheruddin Khan,  
2. Mohd. Zaheeruddin Khan,  
3. Mohd. Afsaruddin Khan,  
all residing at 3-4-306 Parvarish Bagh, Lingampally, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share in land and Building No. 3-4-306 Parvarish Bagh, Lingampally, Hyderabad, admeasuring 1587 Sq. Mts. registered vide Document No. 2754/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 471/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-718 situated at Malakapur, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Hindustan Builders, & others,  
Partner Shri Shamlal Gupta,  
H. No. 26-Bashir Bagh Palace, Hashir Bagh,  
Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) M/s G. Shanker & Co., Tobacco Merchant, H. No. 14-11-53 at Kamatipura, Mangalhat, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building M. No. 12-2-718 comprising 10555 Sq. Yds. with Compound Wall at Malakapur, Bairban, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1609/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 472/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-18/2 Plot No. 116 East Maredpally Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri W. Bharat Rao,  
2. W. Waman Rao, H. No. 8555/B Opposite to Alankar Talkies, Secunderabad,  
3. Smt. K. Sona alias Malathi,  
H. No. 6994 Kalasiguda, Secunderabad.  
4. Smt. W. Usha, H. No. 1-3-1014 Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri K. B. P. Rao, S/o late K. Bhima Rao,  
H. No. 6994 Kalasiguda. Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 10-3-18/2 in the plot No. 116 admeasuring 282.52 Sq. Mets. situated at East Maredpally, Secunderabad, registered vide Document No. 1075/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 473/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 602, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Umakaran Tej Karan, Raja Ram Karan, H. No. 8-2-547 at Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Mrs. Vijaya Lakshmi Krishnamurthy,  
2. Mrs. Vasantha Ram Mohan,  
both at 602 flat "Kalamansion" 101 at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 602 on 5th floor of Kalamansion at S. D. Road, Secunderabad registered vide Doc. No. 1623/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 474/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/156 situated at Malleswara Road, Ananthapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ananthapur on May-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Bandaru Narasinga Rao, S/o Krishna Rao, H. No. 7/156 at Malleswara Road, Ananthapur.  
(Transferor)

(2) Sri Gudiputi Anjaneyulu S/o Subbarayulu, Kadadaragunta Village, H/o Koduru, Ananthapur-Tq. Ananthapur. Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Door. No. 7/156 at Malleshwara Road, Ananthapur-town, registered vide Document No. 3135/79 in the office of the Sub-Registrar Ananthapur.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 475/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-42/3, 4, 5 & 6 Mulgis, situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—456GI/79

- (1) Syed Ashagar Hussain, H. No. 5-9-43 Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Haleema Begum, W/o Sri Ahmed Hussain Albakar, H. No. 4-1-1/2A, Mess Khana, King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4 Mulgies bearing M. No. 5-9-42/3, 4, 5, and 6 and open space, situated at Basheerbagh, Hyderabad, registered vide Document No. 2656/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980  
Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1980

Ref. No. RAC. No. 476/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeds Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-472 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mohd Tariq Mirza,  
2. Ashfaq Mohammed Mirza both residing at Canadas G.P.A. Sri Gulam Ahmed, Jaffer Ali, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) B. Sarvotham Reddy, H. No. 2/602 Nakkalgutta, behind Water Tank, Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot and land 885 Sq. Yds M. No. 8-2-472 on Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1464/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Mrs. Amelia L. D. Souza, w/o late A.L.D. Souza, H. No. 227 at Maredpally, Secunderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. J. Jaswantha Rao, S/o Sitarama Swamy, "Srinivas" 190-Bowenpally, Secunderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 477/79-80.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot. 8-1-9 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Northern portion half of M. No. 8-1-9 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, admeasuring 535 Sq. Yds. registered vide Document No. 1124/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 478/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-316 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Clarina DeSouza D/o Dr. Johan C. DeSouza, H. No. 4-1-1316 Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mr. Wilfred DeSouza, S/o Dr. John C. DeSouza, 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad.  
2. Mrs. Irene DeSouza, H. No. 4-1-1316 at Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share owned by the Transferor in the property bearing M. No. 4-1-315 and 4-1-316 at Troop Bazar, Hyderabad admeasuring 3255 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 3089/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-1-1980.  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 479/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at 8-2-472 Road No. I, Banjara Hills (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mod. Tariq Mirza, 2. Ashfaq Mohd. Mirza, G.P.A. holder for both Sri Gulam Ahmed, H. No. 6-3-662 at Jafferli Bagh, Hyderabad. Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Pinnamaneni Joya, H. No. 12-MIGH-East Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land 1096 Sq. Yds situated at Road No. i. Banjara Hills, within M. No. 8-2-472, registered vide Document No. 1468/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-1-1980.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

**HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 480/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land No. 197 situated at 206, 207/A Madinaguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri S. Suryanarayana Raju, 7-1-644/4 Sundernagar, 2. S. Achut Rama Raju, No. 1-109, Lankala Koderu, Narsapur Tq, West-Godawari Dist. 3. Venkata Ramaraju, No. 1-109, Lankala Koderu, Nagpur-Tq., West Godawari-Distt, 4. S. Suryanarayana Raju, 5. S. Ramalinga Raju, 1-54, Miyanpur.

(Transferor)

- (2) S/Sri C. Mahendranath, 2. C. Amarnath, 3. C. Naceendernath (Minor) under guardian father Sri C. Balkishen, all residing at No. 14-3-58 Goshamahar, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing S. No. 197, 206/A, and 207/A total land 10 Acres, at Madinaguda, village, Rangareddy-Dist, registered vide Document No. 961/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 481/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 197, 198/1 situated at 206/A 205/1 Madinaguda, Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on May 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sri S. Suryanarayana Raju, 2. S. Achuta Rama-Raju, 3. R. Venkata Rama Raju, 4. Rama Linga Raju, 5. S. Suryanarayana Raju, H. No. 7-1-644/4 Sundernagar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. C. Laxmi Bai, 2. C. Amba Rani (Minor) 3. C. Sarasvathi, (Minor) guardian for both mother Smt. C. Laxmi Bai, H. No. 14-3-58 Goshamahall, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 197, 198/1 and part of S. No. 206/A, and S. No. 205/1 total area 10 Acre, 10 Gunta, situated at Madinaguda Village, Rangareddy-Dist. registered vide Document No. 999/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 482/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14-1-402, situated at Aghapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syed Abdul Hameed H. No. 14-1-402 at Aghapura, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Shri S. A. Mugtadar. 2. S. A. Moid both residing at H. No. 14-1-402 at Aghapura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 14-1-402, situated at Aghapura, Hyderabad, registered vide Document No. 584/79 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. 483/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 53, situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
31—456GI/79

- (1) Smt. Hushmuthunisa Begum, 2. Sri Jainarayana Misra, both residing at S.P. Road, Secunderabad.  
(Transferor)  
(2) Sr V. Prahalad Chary R/o Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 53 admeasuring 546 Sq. Yds. situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, part of premises No. 2-11-30, 156 to 159, registered vide Doc. No. 2774/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC. No. 484/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-37 situated at Huzurabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Huzurabad on May 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri K. Raji Reddy R/o Rempur, Huzurabad-Tq, 2. K. Mohan Rao, R/o Sirsapally, Huzurabad, Karamnagar-Dist.

(Transferors)

- (2) Smt. A. Mariamma W/o Papa Rao, H. No. 10-37 at Huzurabad, Karamnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 10-37 admeasuring 3751 Sq. Yds, situated at Huzurabad, Karamnagar-Dist., registered vide Doc. No. 653/79 in the office of the Sub-Registrar, Huzurabad, Karamnagar-Dist.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Yelsani Ashanna S/o Lingaiah, & 13 others,  
R/o Kotigalli, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Kotiah, S/o Sathaiah, & others, C/o M/s.  
K. Kotiah, & Sons, Petrol Pump, Nizamabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1980

Ref. No. RAC.No. 485/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Phulong, Nizamabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 3 Acres and 20 Guntas, situated at Phulong Road, Nizamabad, registered vide Document No. 1207/79 in the office of the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mohd. Abbas Ali Khan, H. No. 6-3-345/2 at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Kesava Reddy, S/o K. C. Reddy, H. N. No. P. J.-60, Panjagutta, Officers Colony, Hyderabad.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 486/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land situated at S. No. 127/5, Banjara Hills, Ro. No. 1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. IV part of survey No. 127/5 situated at Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 546.88 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1614/7, Sub-registrar office, Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-1-1980

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Abida B. Igrime H. No. 8-2-468/A/2 at Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Srinivasa Rao, Administrative Officer, Telugu Academy, Himyatngar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 487/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-468/A/2, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on May-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House M. No. 8-2-468/A/2, situated at Plot No. 4 ad-measuring 1044 Sq. Yds. at Road No. 5 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 1479/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 488/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot No. 4 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nawab Abzal Ali Khan, 6-3-345/2 at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. L. Mareddy (Conservator of Forest) (Saifabad) H. No. 303/A Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land No. 4 admeasuring 545 Sq. Yds. situated at Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1597 of 1979 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. B. Bharathi Devi, H. No. 1-9-636 at Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Krishna Mohan, 2. K. Venkata Ramana, 3. K. Usha Rani, 4. K. Subha Laxmi, 5. K. Ramamurthy, S. No. 57, Chintal Kunta Karmanghat, Saroonagar, Rangareddy-Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 489/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 57 situated at Karmanghat village, Saroonagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on May-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural Land S. No. 57 area 8 Acres, 19 guntas at Karmanghat village, Saroonagar, Rangareddy-Dist., registered vide Document No. 4617/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980

Seal :

FORM ITNS-----

- (1) Smt. V. Seshamma, H. No. 4-4-181 & 182 Lalagudi Bazar, Secunderabad 2. Sri V. Sathanarayana, H. No. 4-4-181 & 182, Lalagudi Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Annarapu Kamalamma W/o A. Veeriah, H. No. 4-4-44 at Gunj Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 490/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-4-179 to 181 situated at Mahankali St., Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

## THE SCHEDULE

House M. No. 4-4-179, 180 & 181 at Mahankali Street, Secunderabad registered vide Doc. No. 1205/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri A. V. Veerabhadra S/o A. H. Venkar Rao,  
H. No. 136-Prenderghast Road, Secunderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Alladi Bharathi W/o Sri A. Narsimha Rao,  
House No. 103/A at Maredpally, Secunderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 491/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 103/A situated at Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May-79

**for an apparent consideration which is**

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 103/A admeasuring 2,700 Sq. Feet building M. No. 10-2-70 situated at Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1076/of 1979 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
32—456G1/79

Date : 17-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

THE ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th January 1980

Ref. No. RAC. No. 492/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-198/3A&B, situated at Venkatapuram Colony, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(1) Sri P. Kamala Kumari, H. No. 6.1.298/3, Venkatapuram Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Imtiyaz Unisa Begum W/o Syed Afsar Ali, H. No. 1-4-760/1/B Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Northern portion of House M. No. 6-1-298/3/A & B, situated at Venkatapuram Colony, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1047/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

1. Smt. Vijai Rani widow of Girdhari Lal Alias Dhujjo Noori Darwaza Agra.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Smt. Savitri Devi w/o Shri Jagdish Chand Singhal r/o Noori Darwaza, Agra.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th October 1979

Ref. No. 429/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Agra on 26-7-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property,

and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

1/2 part of building No. 15/81 Eastern Side Area 87½ Sq

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-10-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th October 1979

Ref. No. 428/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Vigai Rani widow of Girdhari Lal alias Dhujjo Baboo R/O Nuri Darwaza, Agra.

(Transferor)

2. Smt. Shakuntala Devi w/o Govind Pd, R/O Nuri Darwaza Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 part of building No. 15/81 Western side part area 954 Sq Metrs.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 25-10-1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 488-A/P.N./Khurja/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 8-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Prahlad Singh, Mahabir Singh, Tej Pal Singh sons of Shri Fateh Singh, R/O Nagla Sami Pargana & Tehsil Khurja, Distt. Bulandshahr.

(Transferor)

2. Suresh Singh s/o Shri Budh Singh r/o Nagla Sami Pargana and Tehsil Khurja Distt Bulandshahr.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 7 measuring 11 Bigha, 3+14 Biswansi Lagani 72/69 situated in Nagla Sami, Teh, Khurja Distt Bulandshahr

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 775-A/P.N./Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Hoshiar Singh s/o Bansi r/o vill. Aurangnagar Kina-pur Pargana Jalalabad, Distt. Gaziabad.  
(Transferor)

2. Jagbir Singh, Shri Ashok Kumar ss/o Shri Karan Singh R/o Buttpura Tehsil Anupshahar Distt. Buland-shahar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculturing land Khasra No. 49 are 6 Bigha, 3 Biswa 3 Biswansi Situated in V. Aurangnagar Kina Pur Pargana Jalalabad Distt. Ghazibad.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Kanpur.

Date : 27-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Dr. Banmali Krishna s/o Shri Ram Chand r/o No. 25 Circular Road, Dehradun.

(Transferor)

2. Smt. Anandi Devi Sajvani w/o Major Dalip Singh Sajvani 51/8 Hardwar Road, Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th November, 1979

Ref. No. 811-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dehradun on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25 Circular Road, Dallahwala Dehradun area 1162.5 Sq M.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-11-1979

Seal :

## FORM ITNS-----

1. Shri Krishan Dutt Sharma s/o Shri Jhunni Lal Sharma r/o (D.J.G., B.S.F., Todhpur) Mohalla : Tulsī Chabutra, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Om Narain Dwivedi s/o Shri M. R. Dwivedi r/o 15-E, Balbir Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 30th November 1979

Ref. No. 471-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 14-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and House which No. is 5, Block (N) Old No. 35) measuring 1624 Sq. Mtr. situated at Tegh Bahadur Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th November 1979

Ref. No. 522-A/B. Shahar.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 11-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
33—456GI/79

1. Chaudhari Mukhtar Singh s/o Chowdhari Har Pd. Singh, r/o 32, Civil Lines, Bulandshahar.

(Transferor)

2. Buland Land & Development Company, 14 Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

I and measuring 6172 sq. yds. situated at 32, Civil Lines, Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1979

Ref. No. 393-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 22-6-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

1. S/Shri B. N. Javeri, S. N. Javeri, R. N. Javeri, T. N. Javeri r/o 16/97 The Mall Kanpur.  
(Transferor)

2. Shri Shiv Shanker Misra, Smt. Saroj Misra, Parveen Misra, R/o 18 Tagore Road, Kanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed House No. 16/97, The Mall Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1979

Ref. No. 959-A/Khurja.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 11-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ram Narain s/o Shri Ram Swaroop Gaur r/o Khurja, Distt : Bulandshahar.  
(Transferor)2. Smt. Navab Kaur w/o Shri Lila Singh r/o Mohamadpur, Parg : Jever Teh : Khurja, Distt : Bulandshahar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 345 and 547 measuring 5 Bigha, 11 Biswa and 13 Biswansi situated at Vill : Mohamadpur Teh : Khurja, Distt. Bulandshahar,

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-12-1979

Seal :

FORM ITNS —————  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 777/Acq/Etawah/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bharthana on 21-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) S/Shri Rakshpal Singh s/o Radhu Singh r/o Bikupur Teh. Bidhuna, Distt. Etawah. (Transferor)

(2) Smt. Janki Devi w/o Shri Shyam Kishore, Hom Singh s/o Shri Ajab Singh, Gajadhar Singh s/o Sher Singh, Jai Devi Widow of Tam Singh, Abhilash Singh, Mam Singh (Balig), Indrapal Singh and Ajaipal Singh (Nabalig) s/o Bhushan Singh r/o Bakewar Parg : Bharthana, Distt. Etawah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land situated at Bakewar Parg : and Sakin : Bikupur Teh : Bidhuna, Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Dated : 11-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Lalita W/o Shri Om Prakash Pandey r/o 18/163-A 145-B, Bibhav Nagar, Agra.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Harun s/o Shri Mohd. Yakub r/o 32/75-A, Hari Nagar Colony, Shamshabad Road, Agra.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 760/Acq/Agra/79-80.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 18-5-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Immovable Property No. 18/163A/67 situated at Bibhav Nagar, Agra.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 789/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aitmadpur on 7-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ranbir Singh s/o Shri Poraw Lal r/o Nagala Chhabila Mauja : Barhan Post : Barhan Teh: Aitmadpur, Distt. Agra.

(Transferor)

- (2) Smt. Pooran Devi w/o Shri Satya Prakash r/o Mauja : Barhan Post : Barhan, Smt. Mira Devi w/o Shri Ranbir Singh r/o Nagala Chhabila, Mauja and Post : Barhan, Teh : Aitmadpur Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 1032 measuring 51/3.16, Lagan 62.25 N.P. situated at Mauja : Barhan, Pag : and Teh. Aitmadpur, Agra.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 776/Acq/Etawah/79-80.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under section 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule  
(and more fully described in the schedule annexed thereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
(1908) in the office of the Registering Officer at  
Etawah on 1-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Vijai Kishore Tandon s/o Late Lala Jugat  
Kishore Tandon R/o City Etawah, Mohalla : Kaji-  
tola Kunj.

(Transferor)

- (2) Shri Mukut Singh, Krishna Gopal, Makhan Singh,  
Suresh Chand, Ramesh Chand (Balig) and Arvind  
Kumar Singh (Nabalig) Vilayat s/o Shri Birbal  
Singh r/o Nagala Pratappura Mauja : Niloi, Parg :  
and Distt : Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Chaks in 6 Parts Nos. 96/1/1.33, 100/0.97, 101/0.60,  
103/2.69, 104/4.74, 105/2.29, and Lagan Rs. 97.10 situated  
at Village : Sarai Aisar Parg : and Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

| Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 744/Acq/Kanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sardar Sohan Singh s/o Sardar Hari Singh r/o 200/3, Shastri Nagar, Kanpur Bahaisiyat Mukhtar-am-Minjanib Sardar Gurbachan Singh s/o Sardar Bud Singh r/o 15, Patel Road, Shahjahanpur.

(Transferor)

(2) Sardar Harjendra Singh, Sardar Jasbir Singh sons of Sardar Niranjn Singh r/o 37/1, Shastri Nagar, Colony, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 281 situated at Block No. 'H-2, Kakadeo, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 763/Acq/Agra/79-80.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per schedule situated at as per schedule  
(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer  
at Agra on 31-5-1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely:—

34—456GI/79

(1) Shri Kameshwar Prasad Bhatnagar s/o Shri Amba  
Prasad, Ch. Ramesh Bhatnagar and Shailesh Bhat-  
nagar and Rakesh Bhatnagar sons of Shri Ramesh-  
war Prasad, r/o Madan Mohan Darwaja, Agra.  
(Transferor)

(2) Shri Giriraj Sharan Gautam s/o Shri Shyam Sunder  
Gautam, Nand Kushore s/o Shri Giriraj Sharan,  
Smt. Bajrani Gautam w/o Shri Giriraj Gautam,  
Prem Narain Gautam s/o Giriraj Sharan Gautam  
r/o Show Darwaja, Agra.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in are as defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Portion Property No. 14/284 14/284/1 measuring  
552.69 Sq. Metre situated at Madan Mohan Darwaja, Agra.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-1-1980

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th January 1980

Ref. No. 758/Acq/Etawah/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Etawah on 3-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Sunder Lal s/o Shri Kallyan r/o Purwadaka Mauja : Aunto, Post : Gulriha, Parg : Bidhuna, Dist : Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Baburam S/o Vishwanath r/o Purwadaka Mauja : Aunto, Post : Gulriha, Parg : Bidhuna, Dist. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 502 measuring 4.52, Lagan Rs. 85.35 situated at Mauja : Gulriha which has been sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which is Rs. 68,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-1-1980  
seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-356/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Plot No. 105, under Khata No. 124, Municipal Plot No 462, Ward No. 6 (old) 15 (New) etc. situated at Hazaribagh town, Boddam Bazar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hazaribagh on 28-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prabhat Kumar Mukherjee,  
s/o Late Binoy Krishna Mukherjee,  
Director, I.C.I., resident of 9 Poorvi Marg,  
Vasant Bihar, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Shri Dharendra Kumar Jain,  
s/o Late Sujan Chand Jain,,  
of Hazaribagh Town.

(Transferee)

| (3) Name of the petitioners—tenant. |   | H.N. |
|-------------------------------------|---|------|
| Garrage now shop                    | Name                                    |      |
| No. room                            |   |      |
| 1                                   | Vijoy Kumar Gupta                       | 148  |
| 2                                   | Vijoy Kumar Gupta                       | 149  |
| 3                                   | Jugal Kishore Verma                     | 150  |
| 4                                   | B. D. Jaiswal                           | 151  |
| 5                                   | Manik Chand Jain                        | 152  |
| Shop room No.                       |   |      |
| 1                                   | Janardan Pd. Modi                       | 153  |
| 3                                   | Bhagwan Agarwal<br>(M. P. Agrawal)      | 158  |
| 4                                   | Kalyan Dutta Agarwal                    | 159  |
| 5                                   | Manik Chand Jain                        | 160  |
| 6                                   | Manik Chand Jain                        | 161  |
| 7                                   | T. Bhattacharya                         | 162  |
| 8                                   | Sarju Thakur                            | 163  |
| 9                                   | Laxmi Prasad S/o                        | 164  |
| 9(A)                                | Dwarika Sao                             | 165  |
| 10                                  | Brajmull Jain                           | 166  |
| 11                                  | Sardar Singh                            | 167  |
| 12                                  | Sadhan Kr. Rachhit                      | 168  |
| 13                                  | Laxmi Narayan Kasera                    | 169  |
| 14                                  | Om Prakash Khandelwal                   | 170  |
| 15                                  | Nirmal Kr. Khandelwal                   | 171  |
| 16                                  | Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)               | 172  |
| 17                                  | Devi Prasad                             | 173  |
| 18                                  | Bala Bux                                | 174  |
| 19                                  | Surendra Singh                          | 175  |
| 20                                  | Sher Ali (Previously<br>Peer Mohammad)  | 176  |
| 20(a)                               | Nizamuddin                              | 177  |
| Tiled house on Plot No. 103         |   |      |
|                                     | Bishwanath Prasad                       | 156  |
|                                     | [Persons in occupation of the property] |      |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

0.11 Acres of land with shops and other constructions thereon, situated at Hazaribagh Town more fully described in deed No. 6832 dated 28-5-79 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-357/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Plot No. 105, 106 under Khata No. 124, Municipal Plot No. 462, Ward No. 6 (old) 15 (New) etc. situated at Hazaribagh town, Boddom Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 23-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pranab Kanti Chatterjee,  
Holder of Power of Attorney for and on behalf of Smt. Anupama Devi, widow of Late Amulyadhan Mukherjee,  
r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore,  
Distt. Calcutta-37.

(Transferor)

- (2) Rup Chand Jain,  
s/o Late Sujan Chand Jain,  
of Hazaribagh Town.

(Transferee)

| (3) Name of the petitioner—tenant. |               | H.N.                                    |
|------------------------------------|---------------|---|
| Garrage No.                        | now shop room | Name                                    |
| 1                                  | "             | Vijoy Kumar Gupta                       |
| 2                                  | "             | Vijoy Kumar Gupta                       |
| 3                                  | "             | Jugal Kishore Verma                     |
| 4                                  | "             | B. D. Jaiswal                           |
| 5                                  | "             | Manik Chand Jain                        |
| Shop room No.                      |               |   |
| 1                                  |               | Janardan Pd. Modi                       |
| 3                                  |               | Bhagwan Agarwal                         |
|                                    |               | (M. P. Agrawal)                         |
| 4                                  |               | Kalyan Dutta Agarwal                    |
| 5                                  |               | Manik Chand Jain                        |
| 6                                  |               | Manik Chand Jain                        |
| 7                                  |               | T. Bhattacharya                         |
| 8                                  |               | Sarju Thakur                            |
| 9                                  |               | Laxmi Prasad S/o                        |
|                                    |               | Dwarika Sao                             |
| 9(A)                               |               | Brajmull Jain                           |
| 10                                 |               | Sardar Singh                            |
| 11                                 |               | Sadhan Kr. Rachhit                      |
| 12                                 |               | Laxmi Narayan Kasera                    |
| 13                                 | }             | Om Prakash Khandelwal                   |
| 14                                 |               | Nirmal Kr. Khandelwal                   |
| 15                                 |               | Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)               |
| 16                                 |               | Devi Prasad                             |
| 17                                 |               | Bala Bux                                |
| 19                                 |               | Surendra Singh                          |
| 20                                 |               | Sher Ali (Previously Peer Mohammad)     |
| 20(a)                              |               | Nizamuddin                              |
| Tiled house on Plot No. 103        |               | Bishwanath Prasad                       |
|                                    |               | [Persons in occupation of the property] |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

0.22 Acres of land with buildings and other constructions thereon in Hazaribagh Town more fully described in deed No. 6644 dated 23-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Plot No. 101, 102, 103, 105, under Khata No. 124, Municipal Plot No. 462, Ward No. 6(old) Ward No. 15 (new) etc. situated at Hazaribagh town, Boddon Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hazaribagh on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Sabita Banerjee, widow of Late S. K. Banerjee and Smt. Dhira Catterjee, w/o Sri Pranab Kantli Chatterjee, r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Distt. Calcutta-37.  
(Transferor)
- (2) Shri Sumer Chand Jain, s/o Late Suman Chand Jain, of Hazaribagh Town.  
(Transferee)

| (3) Name of the petitioner—tenant. |  | H.N. |
|------------------------------------|--|------|
| Garrage No.                        | now shop room                          |      |
| 1                                  | Vijoy Kumar Gupta                      | 148  |
| 2                                  | Vijoy Kumar Gupta                      | 149  |
| 3                                  | Jugal Kishore Verma                    | 150  |
| 4                                  | B. D. Jaiswal                          | 151  |
| 5                                  | Manik Chand Jain                       | 152  |
| Shop room No.                      |  |      |
| 1                                  | Janardan Pd. Modi                      | 153  |
| 3                                  | Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal)        | 158  |
| 4                                  | Kalyan Dutta Agarwal                   | 159  |
| 5                                  | Manik Chand Jain                       | 160  |
| 6                                  | Manik Chand Jain                       | 161  |
| 7                                  | T. Bhattacharya                        | 162  |
| 8                                  | Sarju Thakur                           | 163  |
| 9                                  | Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao           | 164  |
| 9(A)                               | Brajmull Jain                          | 165  |
| 10                                 | Sardar Singh                           | 166  |
| 11                                 | Sadhan Kr. Rachhit                     | 167  |
| 12                                 | Laxmi Narayan Kasera                   | 168  |
| 13                                 | Om Prakash Khandelwal                  | 169  |
| 14                                 | Nirmal Kr. Khandelwal                  |      |
| 15                                 | Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)              | 170  |
| 16                                 | Devi Prasad                            | 171  |
| 17                                 | Bala Bux                               | 173  |
| 19                                 | Surendra Singh                         | 175  |
| 20                                 | Sher Ali (Previously Peer Mohammad)    | 176  |
| 20(a)                              | Nizamuddin                             | 177  |
| Tiled house on Plot No. 103        |  |      |
|                                    | Bishwanath Prasad                      | 156  |
|                                    | [Person in occupation of the property] |      |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

0.22 Acres of land with building and other constructions thereon, in Hazaribagh Town more fully described in deed No. 6645 dated 23-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-359//Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Plot No. 105, under Khata No. 124, Municipal Plot No. 462, Ward No. 6(old) 15 New etc. situated at Hazaribagh, Village Hazari Beddon Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 28-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sabita Banerjee, w/o Late S. K. Banerjee and Smt. Dhira Catterjee, w/o Sri Pranab Kanti Chatterjee, r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Distt. Calcutta-37.  
(Transferor)
- (2) Shri Rup Chand Jain, s/o Late Sujan Chand Jain of Hazaribagh Town.  
(Transferee)

| (3) Name of the petitioners—tenant. |               | H.N.                                    |
|-------------------------------------|---------------|---|
| Garrage No.                         | now shop room |   |
| 1                                   | "             | Vijoy Kumar Gupta 148                   |
| 2                                   | "             | Vijoy Kumar Gupta 149                   |
| 3                                   | "             | Jugal Kishore Verma 150                 |
| 4                                   | "             | B. D. Jaiswal 151                       |
| 5                                   | "             | Manik Chand Jain 152                    |
| Shop room No.                       |               |   |
| 1                                   |               | Janardan Pd. Modi 153                   |
| 3                                   |               | Bhagwan Agarwal (M. P. Agrawal) 158     |
| 4                                   |               | Kalyan Dutta Agarwal 159                |
| 5                                   |               | Manik Chand Jain 160                    |
| 6                                   |               | Manik Chand Jain 161                    |
| 7                                   |               | T. Bhattacharya 162                     |
| 8                                   |               | Sarju Thakur 163                        |
| 9                                   |               | Laxmi Prasad S/o Dwarika Sao 164        |
| 9(A)                                |               | Brajmull Jain 165                       |
| 10                                  |               | Sardar Singh 166                        |
| 11                                  |               | Sadhan Kr. Rachhit 167                  |
| 12                                  |               | Laxmi Narayan Kasera 168                |
| 13                                  |               | Om Prakash Khandelwal 169               |
| 14                                  |               | Nirmal Kr. Khandelwal 170               |
| 15                                  |               | Mohd. Qasim (Mashi Ahmad) 171           |
| 16                                  |               | Devi Prasad 172                         |
| 17                                  |               | Bala Bux 173                            |
| 19                                  |               | Surendra Singh 175                      |
| 20                                  |               | Sher Ali (Previously Peer Mohammad) 176 |
| 20(a)                               |               | Nizamuddin 177                          |
| Tiled house on Plot No. 103         |               | Bishwanath Prasad 156                   |
|                                     |               | [Persons in occupation of the property] |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0.11 Acres of land with building and other constructions thereon situated at Hazaribagh town more fully described in deed No. 6863 dated 28-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-360/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 105, Khata No. 124 Municipal Plot No. 462 situated at Hazaribagh Village Hazari, Boddam Bazar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hazaribagh on 28-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pranab Kantl Chatterjee, s/o Shri P. K. Chatterjee, Holder of Power of Attorney for and on behalf of Smt. Anurupa Devi, w/o Late Amulyadhan Mukherjee, r/o 143/1, Indra Biswas Road, P.O. Cossipore, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Sumer Chand Jain, s/o Late Suman Chand Jain, at & P.O. Hazaribagh.

(Transferees)

| (3 Name of the petitioners—tenants. |          |  |       |
|-------------------------------------|----------|--|-------|
| No.                                 | room     | Name                                   | H. N. |
| Garrage                             | now shop |  |       |
| 1                                   | "        | Vijoy Kumar Gupta                      | 148   |
| 2                                   | "        | Vijoy Kumar Gupta                      | 149   |
| 3                                   | "        | Jugal Kishore Verma                    | 150   |
| 4                                   | "        | B. D. Jaiswal                          | 151   |
| 5                                   | "        | Manik Chand Jain                       | 152   |
| Shop room                           | Nos.     |  |       |
|                                     | 1        | Janardan Pd. Modi                      | 153   |
|                                     | 3        | Bhagwan Agarwal                        |       |
|                                     |          | (M. P. Agrawal)                        | 158   |
|                                     | 4        | Kalyan Dutta Agarwal                   | 159   |
|                                     | 5        | Manik Chand Jain                       | 160   |
|                                     | 6        | Manik Chand Jain                       | 161   |
|                                     | 7        | T. Bhattacharya                        | 162   |
|                                     | 8        | Sarju Thakur                           | 163   |
|                                     | 9        | Laxmi Prasad S/o                       |       |
|                                     |          | Dwarika Sao                            | 164   |
|                                     | 9(A)     | Brajmul Jain                           | 165   |
|                                     | 10       | Sardar Singh                           | 166   |
|                                     | 11       | Sadhan Kr. Rachhit                     | 167   |
|                                     | 12       | Laxmi Narayan Kasera                   | 168   |
|                                     | 13       | Om Prakash Khandelwal                  | 169   |
|                                     | 14       | Nirmal Kr. Khandelwal                  |       |
|                                     | 15       | Mohd. Qasim (Mashi Ahmad)              | 170   |
|                                     | 16       | Devi Prasad                            | 171   |
|                                     | 17       | Bala Bux                               | 173   |
|                                     | 19       | Surendra Singh                         | 175   |
|                                     | 20       | Sher Ali (Previously                   |       |
|                                     |          | Peer Mohammad)                         | 176   |
|                                     | 20(a)    | Nizamuddin                             | 177   |
| Tiled house on                      |          |  |       |
| Plot No. 103                        |          | Bishwanath Prasad                      | 156   |
|                                     |          | [Person in occupation of the property] |       |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

0.11 Acres of land with buildings and other considerations thereon situated at Hazaribagh town more fully described in deed No. 6864 dated 28-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800001

Patna-800001, the 17th October 1979

Ref. No. III-361/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 156 with New Ward No. 15, Plots No. 103 (Western Portion) 104 (Portion) 105 (Northern Portion) etc.

situated at Hazaribagh, Village Hazari Boddorm Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hazaribagh on 28-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Prabhat Kumar Mukherjee,  
s/o Late Binoy Krishna Mukherjee,  
Director, I.C.I.  
r/o 9 Poorvi Marg, Vasant Vihar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dharendra Kumar Jain,  
s/o Late Sujan Chand Jain,  
r/o Hazaribagh Town.

(Transferee)

| (3) Name of the petitioners—tenant.     |                           | H. N. |
|---|---------------------------|-------|
| Garrage No.                             | now shop room             |       |
| 1                                       | Vijoy Kumar Gupta         | 148   |
| 2                                       | Vijoy Kumar Gupta         | 149   |
| 3                                       | Jugal Kishore Verma       | 150   |
| 4                                       | B. D. Jaiswal             | 151   |
| 5                                       | Manik Chand Jain          | 152   |
| Shop room No.                           |                           | H. N. |
| 1                                       | Janardan Pd. Modi         |       |
| 3                                       | Bhagwan Agarwal           | 153   |
|   | (M. P. Agrawal)           | 158   |
| 4                                       | Kalyan Dutta Agarwal      | 159   |
| 5                                       | Manik Chand Jain          | 160   |
| 6                                       | Manik Chand Jain          | 161   |
| 7                                       | T. Bhattacharya           | 162   |
| 8                                       | Sarju Thakur              | 163   |
| 9                                       | Laxmi Prasad S/o          |       |
|   | Dwarika Sao               | 164   |
| 9(A)                                    | Brajmul Jain              | 165   |
| 10                                      | Sardar Singh              | 166   |
| 11                                      | Sadhan Kr. Rachhit        | 167   |
| 12                                      | Laxmi Narayan Kasera      | 168   |
| 13                                      | Om Prakash Khandelwal     | 169   |
| 14                                      | Nirmal Kr. Khandelwal     |       |
| 15                                      | Mohd. Qasim (Mashi Ahmad) | 170   |
| 16                                      | Devi Prasad               | 171   |
| 17                                      | Bala Bux                  | 173   |
| 19                                      | Surendra Singh            | 175   |
| 20                                      | Sher Ali (Previously      |       |
|   | Peer Mohammad)            | 176   |
| 20(a)                                   | Nizamuddin                | 177   |
| Titled house on Plot No. 103            |                           |       |
|   | Bishwanath Prasad         | 156   |
| [Persons in occupation of the property] |                           |       |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

0.22 acres of land with buildings thereon bearing Holding No. 156, Ward No. 15, Plot No. 103, 104, 105 in village Hazari, Boddorm Bazar, Hazaribagh fully described in deed No. 6720 dated 25-5-1979 registered with the District Sub-Registrar, Hazaribagh.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 17-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-368/Acq/79-80.—Whereas I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 74A Circle No. 20B, Ward No. 11 M.S. Plot No. 621 Touzi No. 302 Thana No. 137 situated at Kadam Kaun, Congress Nagar Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patna on 19-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
35-456GI/79

(1) Smt. Fulkumari Devi w/o Late Shri Baijnath Prasad Singh alias Noonoo Babu D/o Late Kali Charan Singh  
At village Rajipur Ps. Bikram Distt. Patna.  
Present—Kadam Kuan Congress Nagar Patna,  
(Transferor)

(2) Smt. Sharwistha Sharma  
w/o Shri Hridai Narain Sharma  
377 Vidyout Building Girgaun Road First Floor  
Bombay-2.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of a triple storeyed bag h measuring 1 katha 13 Dhooors situated at Kadam Kaun Congress Nagar Patna described in deed No. 2979 dated 19-5-1979 registered with the district Sub Registrar Patna.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 11-1-1980  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD PATNA-800001

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-369/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 74A, Circle No. 20B Ward No. 11 M.S. Plot No. 621 Tour No. 802 Thana No. 137 situated at Kadam Kuan, Congress Nagar, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fulkumari Devi W/o late Shri Baijnath Prasad Singh Alias Nooroobabu D/o late Kalicharan Singh at village Rajipur Ps. Bikram Dist. Patna Present—Kadam Kuan Congress Nagar, Patna-3. (Transferor)

(2) Shri Hridai Narain Sharma s/o late Kailas Sharma Village Bihta PO. Bihta Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second Floor of a triple storeyed building with an area of land measuring 1 Katha 13 Dhooors situated at Kadam Kuan Congress Nagar described in deed No. 2978 dated 19-5-79 registered with the District sub-Registrar Patna.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-1-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BORING CANAL ROAD PATNA-800001

Patna-800001, the 1st January 1980

Ref. No. III-370/Acq/79-80. -Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal Plot No. 762, Holding No. 567/401 (New) and 316 (old) Circle No. 6, Ward No. 2, Sheet No. 31 situated at corner of Exhibition Road and New Dak Bungalow Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shom Sher Jang Mehta, S/o Sri Kedar Nath Mehta, 28, Sadananda Road, Kalighat, Calcutta-26.  
(Transferor)
- (2) Sardar Amrik Singh, S/o Late Sardar Labh Singh, 166 Patliputra Colony, Patna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2306 Sq. ft. land at the corner of Exhibition Road and Dak Bungalow Road bearing Municipal Plot No. 762, Holding No. 567/401 (New) and 316 (old) Circle No. 6, Ward No. 2, Sheet No. 31 more fully described in deed No. I 2598 dated 11-5-79 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

J. NATH  
Competitive Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-1-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th November 1979

C.R. No. 62/23952/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 226, situated at Rajmahal Vilas Extn., Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 530/79-80 on 30-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. M. Desikar, Valivalam, Tanjore Dist. (Transferor)
- (2) Shri M. L. Vaz, Mrs. Eva E. Vaz, "DEVANARY", 226, Raj Mahal Vilas Extn, Bangalore-560 006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 530/79-80, dated 30-5-1979)

House property bearing No. 226, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-11-1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th December 1979

C.R. No. 62/23999/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59 situated at 3rd Main road or Govindappa road Basavangudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 544/79-80 on 21-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri C. M. Ramachandra Rao.  
2. Smt. Seetha Bai.  
3. Sri C. R. Venkata Rao.  
4. Sri C. R. P. Ranga Rao.  
5. Sri C. R. Badrinath.  
6. C. R. Gopinath.  
7. Smt. Lalitha Bai.  
8. Sri C. N. Srinivasa Rao.  
9. Smt. Parimala.  
10. Krishna Kumar s/o C. N. Srinivasa Rao and  
11. Kumari Veena d/o Sri C. N. Srinivasa Rao.  
Address : sl. No. 1 to 2 at 59, Govindappa road, Basavanagudi, Bangalore sl. No. 3 to 6 are represented by GPA. Holder Sri C. M. Ramachandra Rao. sl. No. 7 w/o late C. M. Nagaraja Rao Robertsonpet, K. G. F. sl. No. 8 Inspector. Bharath Earth Movers Ltd. Robertsonpet, K. G. F. sl. No. 9 Robertsonpet, K. G. F. sl. 10 and 11 represented by their father Sri C. N. father Sri C. N. Srinivasa Rao Robertsonpet K.G.F.  
(Transferors)  
(2) Sri D. A. Sampangirama Setty and Smt. T. S. Sarojamma residing at No. 109, Hospital Road, Bangalore-52.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 544/79-80, dated 21-5-79)

House property bearing No. 10 Old and New No. 59, 3rd Main road, New known as Govindappa Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lt. Col. Durga Das Banerjee, No. 2/A, Rashil Ghose Lane, Calcutta-5, Rep By his special Power of Attorney Sri C. Ramaswamiengar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Capt K. S. Srikant No. 189, 10th Cross, Wilson Garden, Bangalore, Rep by his Power of Attorney holder Dr. S. S. Raya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 11th December 1979

C.R. No. 62/24091/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 239, situated at Binnamangala Layout, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 484/79-80 on 12-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 484/79-80, dated 12-6-1979)

Vacant site bearing No. 239 situated in Binnamangala Layout, Civil Station, Bangalore.

Measuring

East-West—70 feet.

North-South—100 feet.

Total area 650.32 Sq. Metres.

Bounded by

East—Eight feet Road,

West—Site No. 236.

North—Site No. 240.

South—Site No. 238.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 11-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 22nd December 1979

C.R. No. 62/23967/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 91, situated at Nandidurga Road, Bangalore-6, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Doc. No. 681/79-80 on 30-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. P. Shivan, S/o Late M. P. Basappa, No. 91, Nandidurga Road, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Shri C. V. Narasimhan, S/o Late Sri C. S. Venkataswamy Naidu, No. 91, Nandidurga Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 681/79-80, dated 30-5-1979]

House property Municipal No. 91, Nandidurga Road, Bangalore-6,  
Boundaries:

East Nandidurga Road.  
West Private Property,  
North Private Property,  
South site No. 90,

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-12-1979  
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 22nd December 1979

C.R. No. 62/24001/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60 situated at II Cross, Kalasipalyam New Layout, Bangalore-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Doc. No. 557/79-80 on 21-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. D. S. Seshiah, S/o Sri S. D. Srinivasaiah, No. 7, Park view, South Public Square Road, Basavanagudi, Bangalore-4.  
(Transferor)
- (2) Shrimathi M. Ammeerunnisa Begaum, No. 8, (Upstairs) 4th Cross, Sadar Patrappe Road, Kumbarpet, Bangalore-2.  
(Transferee)
- (3) 1. M/s Public Road Lines,  
2. M. Krishanappa Chetty,  
3. K. B. Srinivasa.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 557/79/80 Dated 21-5-79)  
House property bearing No. 60, situated at II Cross, Kalasipalyam New layout, Bangalore-2.  
Boundaries :  
North : Private Property  
South : II Cross, Road,  
East : Premises No. 61.  
West : Private Property.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 22nd December 1979

C.R. No. 62/24002/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61, situated at II Cross, Kalasipalyam, New Layout, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc. No. 558/79-80, on 21-5-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. D. S. Sessaiah, S/o Sri S. D. Srinivasalah, No. 7, Park, View South Public Square Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

- (2) Shri M. B. Habibur Rahaman, No. 61, II Cross, Kalasipalyam New Layout, Bangalore.

(Transferee)

- (3) 1. Syed Aali,  
2. Manjunatha Bhat.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 558/79-80, dated 21-5-1979]  
House Property bearing No. 61, II Cross, Kalasipalyam New Layout, Bangalore-2.  
Bounded by  
North—Private Property.  
South—II Cross Road.  
East—Private Property.  
West—Property No. 60.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 21st December 1979

C.R. No. 62/24876/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 212, Subedarachattram Road, situated at Seshadripuram Bangalore-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1565/79-80 on 14-8-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. K. V. Narayan, No. 15, West Park Road, Malleswaram Bangalore.
  2. K. V. Ramachandran, No. 5 "Shivakami", East Link Road, Malleswaram ('c' street), Bangalore.
  3. V. Sadasivam, No. 98, "Kasturi House", 13th Cross, 6th main Malleswaram Bangalore-3.
  4. K. V. Krishnamurthy, No. 98, "Kasturi House", 6th Main 13th Cross Malleswaram, Bangalore.
- (Transferors)
- (2) 1. D. K. Ramachandra, No. 181, Balept Bangalore.
  2. K. Puttu Rao, No. 58, Ramakrishnapuram, Annamma temple Extension Bangalore-9.
- (Transferee)
- (3) 1. Altaf Jubilee Radio House.
  2. Capital Hair Dressers.
  3. Photo Studio.
  4. Savita Stores.
  5. Friends Tailors.
  6. K. M. Murthy.
- (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1565/79-80, dated 14-8-1979]

House property bearing No. 212, Subedar Chatram Road, Seshadripuram, Bangalore-20.

## Boundaries :

East : Property of Haridasulu.  
West : Subedar Chatram Road.  
North : Raja Snow Building.  
South : Property of T. V. Narayanaswamy Iyer.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-12-1979,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th January 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/1-80/991.—Whereas, I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-C, Block No. D, situated at Hauz Khas New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satpal Sharma S/o Mangat Ram R/o Vill. Smalcar Tehsil Moga Distt. Faridkot (Punjab) through his General attorney Sh. Harbans Lal Sharma S/o Munshi Ram R/o R-6, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Balwant Rai Jai Chand & Sons (HUF) through Sh. Kulwant Rai, Karta, S/o Kanshi Ram Jai Chand R/o Vill. Lohara, Tehsil Moga, Distt. Faridkot (Punjab) Now at Khallamoria, Dibrugarh (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 12-C, Block D, measuring 272.2 sq. yds., single storeyed, situated in Hauz Khas Enclave, New Delhi, area of village Kharera on Delhi Qutab Road Delhi State and bounded as under :—

East Property No. D/12-D,  
West Property No. D/12-B  
North Road  
South Property No. D/55-C.

G. C. AGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, New Delhi.

Date : 24-1-1980.

Seal :

